फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 155 प्रभात जयपुर, गुरुवार 5 जनवरी , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Russia-Ukraine War

Some troops carried ceremonial uniforms in preparation for a victory parade. The intelligence seems to have got the 'pro-Russian sentiment wrong'.

Life Saving Light Beam...

Migratory Birds That Brighten India Every Year | The nation extends its famed hospitality

गैलापगोस आइलैण्ड मरीन इगुआना, विशालकाय कछुओं और समुद्री पक्षियों के लिए जाना जाता है पर यहां की पैनग्विन भी बहुत विख्यात हैं। विश्व में पैनग्विन की यही एक प्रजाति है जो पृथ्वी के उत्तरी भाग में मिलती है, शेष सभी दक्षिणी भाग में मिलती हैं। हालांकि जंगली बिल्ली जैसी घुसपैठिया प्रजातियों के आने से इनकी आबादी पर असर पड़ा है लेकिन संरक्षण प्रयासों से इनकी आबादी बढ़ी है। ये पैनग्विन अफ्रीका की हमबोल्ट व मैजलैनिक पैनग्विन्स की निकट संबंधी हैं। अफ्रीका की पैनग्विन की तरह ये भी जमीन में बिल बनाकर रहती हैं, पर चूंकि, गैलापगोस आइलैण्ड पर बिल बनाने के लिए ''सॉफ्ट सॉइल'' नहीं है इसलिए ये, आइलैण्ड निर्माण के समय की लावा ट्यूब्स के खुले सिरों का इस्तेमाल बिल के रुप में करती हैं और अब इसकी आदी हो गई हैं। आइलैण्ड पर लाए गए परभक्षी भी इन्हीं में रहते थे, इसलिए पैनग्विन विशेषज्ञ एवं जीव वैज्ञानिक पी.डी. बोर्समा दूसरे आइलैण्ड्स पर, जहाँ बाहर से लाए गए परभक्षियों का दबाव कम है या बिल्कुल नहीं है, ब्लैक रॉक को काटकर पैनग्विन्स के लिए नए बिल बना रहे हैं। बोर्समा व उनके सहयोगी अब तक 120 बिल तैयार कर चुके हैं। इन नए बिलों के सर्वे से पता चला कि, अधिकांश बिलों में पैनग्विन के चूज़े थे। उन्होंने कहा, कोई नहीं जानता था कि गैलापगोस पैनग्विन इन बिलों का इस्तेमाल करेंगी या नहीं, पर हमने पाया कि, इनमें से अधिकांश का तो कई बार इस्तेमाल हो चुका है। ये नए बिलों में अंडे दे रही हैं, अण्डों को से भी रही हैं और चूज़ों को पाल-पोस रही हैं। वर्तमान में ये पैनग्विन इसाबैल और फर्नैन्डीना आइलैंड्स और बार्तोलोम में भी मिलती हैं, जहां इन्हें लोगों ने तैरते हुए देखा है। बोर्समा ने कहा, ''जब तक इन्हें अच्छी गुणवत्ता के घर मिलेंगे, इनकी आबादी बढ़ने की संभावना भी बनी रहेगी।''

नीतीश फिलहाल मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली करने वाले नहीं हैं

महागठबंधन के सूत्रों ने कहा, नीतीश लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय राजनीति में कूदेंगे, पर तेजस्वी को अभी बिहार का मु.मंत्री पद नहीं मिलेगा

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। बिहार के गठबंधन के सूत्रों ने कहा है कि नीतीश कुमार 2024 के लोकसभा चुनावों तक बिहार के मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

जहाँ ऐसी संभावना है कि नीतीश कुमार अगले लोकसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय राजनीति में कूद पड़ेंगे, वहीं संभावनाएं ऐसी भी हैं कि तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनने की अपनी बारी का इंतजार करना पड़े।

राजनैतिक सूत्रों का कहना है कि इसके पीछे बहुत से कारण हैं। पहला कारण तो यह है कि एक अपदस्थ मुख्यमंत्री के रूप में, कुमार की स्थिति बहुत कमजोर हो जायेगी तथा अन्य विपक्षी नेताओं की नजरों में उनका दर्जा छोटा हो जायेगा। दूसरा कारण यह है कि कुमार का इस पद पर बने रहना तेजस्वी यादव तथा आर.जे.डी. अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव व उनके शेष परिजनों के लिए ढाल का काम कर रहा है क्योंकि ये सभी सी.बी.आई. तथा अन्य केन्द्रीय जाँच एजेंसियों की जाँच के निशाने पर हैं। तेजस्वी के मुख्यमंत्री बनने की स्थिति में यह संभावित है कि केन्द्रीय जाँच एजेंसियाँ पूरी ताकत के साथ लालू के परिवार पर टूट पड़ेंगी। नीतीश के पद पर बने रहने से ऐसी संभावना है कि केन्द्र सरकार अपेक्षाकृत रूप से नियंत्रित रहे क्योंकि कुमार के भाजपा के साथ बहुत पुराने संबंध हैं तथा भाजपा की बहुत से गुप्त बातें उनकी जानकारी में हैं। अगर जाँच एजेंसियाँ कुमार को निशाना बनाती हैं तो यह भी संभव है कि भाजपा के बहुत से नेता भी जाँच के घेरे में आ जायें क्योंकि कुमार बहुत से मामलों से जुड़े रहे हैं। तीसरा कारण यह है कि आर.जे.डी. द्वारा अप्रिय तरीके से मुख्यमंत्री पद पर कब्जा किये जाने के परिणामस्वरूप, जे.डी.यू. टूट सकता है तथा एकजुट भाजपा में जाने की बात सोच सकता है। जाहिर है कि इस प्रकार के परिदृश्य के फलस्वरूप, महागठबंधन कमजोर हो सकता है।

हाल की दो घटनाओं ने सत्तारूढ़ गठबंधन के पार्टनरों- जे.डी.यू. तथा आर.जे.डी. के बीच बढ़ते वैमनस्य की ओर संकेत किया है। राज्य के पूर्व मंत्री सुधाकर सिंह, जो आर.जे.डी. के प्रांतीय अध्यक्ष जगतानन्द सिंह के पुत्र हैं, ने हाल ही में मुख्यमंत्री पर कड़ा प्रहार किया था तथा उन्हें पौराणिक पात्र ''शिखंडी'' का नाम दे दिया था, जिसका अपना कोई महत्व नहीं था।'' दूसरे, राज्य के कई मंत्री, जिनमें उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी शामिल थे, उस समारोह से दूर रहे थे, जो कुमार के प्रिय प्रोजैक्ट ''जन जीवन हरियाली योजना'' की चौथी वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। कुछ समय पहले, स्वयं मुख्यमंत्री ने ही कहा था कि तेजस्वी 2025 में, जब अगले विधानसभा चुनाव होंगे, महागठबंधन को नेतृत्व प्रदान करेंगें। इन घटनाओं के कारण ऐसी अटकलें लगाई जाने लगी हैं कि बिहार में मुख्यमंत्री का बदलना निकट ही है। लेकिन जैसा कहा जाता है कि राजनीति बयानों से परे की चीज होती है। महागठबंधन में, स्थितियों में संतुलन एवं सामंजस्य बनाये रखने के लिये, कुमार समय-समय पर आर.जे.डी. को

- राजनैतिक हलकों में इसके कई कारण बताए जा रहे हैं। नीतीश ने अगर मु.मंत्री पद छोड़ दिया तो विपक्ष के नेताओं में उनका दर्जा छोटा हो जाएगा।
- और नीतीश का मु.मंत्री बने रहना लालू यादव व उनके परिवार के लिए भी ''ढाल'' है, क्योंकि, अगर तेजस्वी मु.मंत्री बने तो लालू व उनके परिवार पर सी.बी.आई. सहित केन्द्रीय एजेंसियां टूट पड़ेंगी।
- लेकिन ऐसी भी खबरें हैं कि, नीतीश की पार्टी और लालू की पार्टी में मतभेद बढ़ रहे हैं। नीतीश के, जन जीवन हरियाली योजना की चतुर्थ वर्षगांठ के समारोह में तेजस्वी शामिल नहीं हुए थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधवा पुत्रवधु भी अनुकम्पा नियुक्ति की अधिकारी

जयपुर, 4 जनवरी (का.सं.)। हाईकोर्ट ने विधवा पुत्रवधु को भी विधवा पुत्री के समान ही निर्भर की श्रेणी में मानते हुए अनुकंपा नियुक्ति का अधिकारी माना है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश सुशीला देवी की याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सुनील समदरिया ने बताया कि, सुशीला देवी की सास पी.डब्ल्यु.डी. में कुली के पद पर कार्यरत थी। 2007 में काम करते हुए उसकी मृत्यु हो गई थी। इस पर उसके बेटे, सुशीला देवी के पति ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था। इस पर कोई फैसला होता इससे पहले ही 2008 में याचिकाकर्ता सुशीला देवी के पति की भी मृत्यु हो गई।

इसके बाद याचिकाकर्ता ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए आवेदन

- राजस्थान हाई कोर्ट ने सुशीला देवी की याचिका पर यह आदेश दिए। उसकी सास की पी.डब्ल्यु.डी. में कुली के पद पर कार्य करते हुए मौत हो गई थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक चुनावों में भावनात्मक मुद्दे उठाने पर ही फोकस है भाजपा का

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। कर्नाटक में युद्ध की रेखा खिंच गई है। सत्तारूढ़ भाजपा और उसे चुनौती दे रही कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने चुनावी मोर्चे संभाल लिये हैं और चुनावी रणनीतियों को धार दे रहे हैं। ऐसे साफ संकेत मिल रहे हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी विकास एवं ग्रोथ की बजाय भावनाएं भड़काने वाले मुद्दों पर फोकस करना चाहती है। इस समय, इस बात को कहने वाला केवल विपक्ष ही नहीं है। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष नलिन कतील ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिये हैं कि वे सड़क, गटर, नाली तथा अन्य छोटे मुद्दों के बजाय ''लव जिहाद'' के मुद्दे पर फोकस करें। नलिन कतील के इस बयान पर कांग्रेस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आना स्वाभाविक ही था। कांग्रेस ने कहा है कि यह इस बात का सबूत है कि सत्तारूढ़ भाजपा चुनावी लाभ के लिये तथा शासन के मोर्चे पर अपनी घोर असफलता से लोगों का ध्यान हटाने के लिये साम्प्रदायिक तनाव एवं झगड़ों का माहौल बना रही है।

- इसकी पुष्टि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नलिन कतील ने भी कर दी, जब उन्होंने बूथ विजय अभियान में एक सभा में कहा, सड़क और सीवेज जैसे मुद्दों पर बात मत करो, लव जिहाद पर ध्यान दो।
- कर्नाटक के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिव कुमार ने कहा कि, लोगों को विकास, भ्रष्टाचार व रोजगार से भटकाने के लिए भाजपा यह मुद्दा उठा रही है।

भाजपा के प्रांतीय अध्यक्ष ने ''लव जिहाद'' संबंधी यह टिप्पणी सोमवार को पार्टी के एक कार्यक्रम ''बूथ विजय अभियान'' के दौरान की। उन्होंने अपने भाषण के दौरान कहा, ''आप लोगों से मेरा कहना है कि सड़क एवं सीवेज जैसे छोटे-मोटे मुद्दों के बारे में मत बोलिये। अगर आपको अपने बच्चों के भविष्य की चिन्ता है और अगर आप ''लव जिहाद'' को रोकना चाहते हैं, तो इसके लिये हमको भाजपा की जरूरत है। ''लव जिहाद'' से छुटकारा पाने के लिये, हमें भाजपा की जरूरत है। उन्होंने अपने भाषण में यह बात बूथ-लेवल के कार्यकर्ताओं को प्रेरित-उत्साहित करने के उद्देश्य से कही।

भाजपा अध्यक्ष की इस टिप्पणी जो तीखी प्रतिक्रिया कांग्रेस की ओर से आई है, उसमें कहा गया है कि यह सलाह किसी पार्टी द्वारा अपने कार्यकर्ताओं को दी गई निकृष्टतम संभव सलाह है तथा इससे समाज धुव्रीकृत होगा। दरअसल, कांग्रेस की कर्नाटक इकाई ने भाजपा नेता की वीडियो क्लिप ट्वीट की है तथा कहा है, ... राज्य का विकास, रोजगार तथा शिक्षा छोटे मुद्दे हैं। यह शर्मनाक ही है कि भाजपा ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा है कि विकास के बारे में बात ही नहीं करें, जो कि हुआ ही नाममात्र है।''

के.पी.सी.सी. अध्यक्ष डी.के. शिव कुमार ने कहा, ''यह निकृष्टतम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भूंगरा हादसे पर हाई कोर्ट ने संज्ञान लिया

जोधपुर , (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने भूंगरा में हुए गैस गैस सिलैंडर विस्फोट मामले स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेकर जनहित याचिका दायर करते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

न्यायाधीश संदीप मेहता व न्यायाधीश कुलदीप माथुर की खंडपीठ ने एकलपीठ के जस्टिस दिनेश मेहता की अदालत के दिए आदेश पर जनहित याचिका दायर कर नोटिस जारी किया है। भूंगरा गैस कांड में मृतकों के परिजनों को अधिक मुआवजे के साथ नौकरी देने

- जोधपुर के भूंगरा गांव में गैस सिलैण्डर विस्फोट पर स्वतः संज्ञान लेकर राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया और पूछा कि, गत 5 सालों में ऐसे मामलों में पीड़ितों के परिजनों को क्या-क्या लाभ दिए गये हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओ.बी.सी. आरक्षण मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में योगी सरकार की बड़ी जीत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। योगी सरकार की एक बड़ी जीत के अन्तर्गत, सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के शहरी क्षेत्र के स्थानीय निकाय चुनाव में ओ.बी.सी. को आरक्षण दिये जाने के मामले में दिए गए आदेश पर स्टे लगा दिया।

सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नज़ीर एवं पी.एस. नरसिम्हा की बैंच की ओर से उत्तर प्रदेश सरकार तथा यू.पी. स्टेट इलैक्शन कमीशन द्वारा दायर की गई याचिकाओं पर आया है। बुधवार को हुई सुनवाई के साथ ही, न्यायमूर्ति नज़ीर सेवानिवृत्त हो गये।

27 दिसम्बर को, उच्च न्यायालय की लखनऊ बैंच ने राज्य सरकार से कहा था कि वह ओ.बी.सी. को सीटों में आरक्षण दिये बिना, 31 जनवरी तक चुनाव करा दे।

सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को उत्तर प्रदेश को यह अनुमति दे दी कि वह स्थानीय निकायों के चुनावों को तीन माह तक विलम्ब कर सकता है क्योंकि पिछड़ा वर्ग आयोग ने अभी तक रिपोर्ट पेश नहीं की है। इस बीच, स्थानीय निकायों, जिनका कार्यकाल समाप्त हो गया है, की व्यवस्थाएँ, कानूनी प्रावधानों के अनुसार, सरकारी अधिकारी सँभालेंगे। बैंच ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग से कहा है कि वह स्थानीय निकायों में ओ.बी.सी. को कोटा देने के लिये ओ.बी.सी. के राजनैतिक पिछड़ेपन पर अपनी रिपोर्ट 31 मार्च तक प्रस्तुत कर दे।

यह आदेश पारित किये जाने से पहले, राज्य ने अदालत से कहा था कि अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची परिवर्तित नहीं की जा रही है तथा इस सूची में पहले से मौजूद समुदायों के ही राजनैतिक पिछड़ेपन पर विचार किया जायेगा।

जहाँ योगी सरकार 29 दिसम्बर को सर्वोच्च न्यायालय चली गई थी, वहीं समाजवादी पार्टी ने भी सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी,

- इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शहरी निकाय चुनाव में ओ.बी.सी. आरक्षण पर रोक लगाने और जल्द से जल्द चुनाव करवाने का आदेश दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया है।
- हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ यू.पी. सरकार व राज्य चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।
- सुप्रीम कोर्ट ने यू.पी. सरकार को स्थानीय निकाय चुनाव तीन माह देर से करवाने की अनुमति दी और कहा कि, जिन निकायों का कार्यकाल खत्म हो चुका है, उनका प्रशासन कानून के अनुसार अधिकारी देखेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'काओ सैस से प्राप्त 1100 करोड़ रू. का क्या किया'

जयपुर, 4 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में गायों के संरक्षण और आवारा पशुओं से होने वाली दुर्घटनाओं से जुडे मामले में मुख्य सचिव, ए.सी.एस. गृह, ए.सी.एस. सड़क परिवहन और प्रमुख वन सचिव सहित अन्य से जवाब मांगा है। अदालत ने पूछा है कि काओ सैस (कर) के जरिए एकत्रित किए गए करीब 1100 करोड रुपए का गायों के संरक्षण के लिए क्या उपयोग किया गया। चीफ जस्टिस पंकज मिथल और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश पार्षद लक्ष्मण

- राजस्थान हाई कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि, काओ सैस (कर) के रूप में वसूले 1100 करोड़ रूपयों का गौवंश के हित में क्या उपयोग किया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'130 करोड़ लोगों के इस सबसे बड़े लोकतंत्र में प्रैस स्वतंत्रता जैसी कोई चीज़ नहीं है'

वॉशिंगटन पोस्ट की खोजी पत्रकार और स्तम्भकार राना अय्यूब ने कहा कि, देश का मीडिया सरकार के झूठ का प्रचार करने में लगा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। ''एक अरब 30 करोड़ लोगों वाले दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में प्रैस की स्वतंत्रता नाम की कोई चीज नहीं है। मुख्यधारा का अधिकांश मीडिया वास्तव में सरकार की झूठ को दोहरा रहा है और जो स्वतंत्र और आलोचक प्रवृति के हैं, उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है।''

यह कहा है, राना अय्यूब ने, जो कि एक अदम्य और निर्भीक पत्रकार है और जिन्होंने देश के दक्षिण पंथ राजनेताओं द्वारा मौत तथा उत्पीड़न की बेलगाम धमकियों के साए में रहने के बावजूद भारत में प्रैस की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने का झंडा उठा लिया है।

राना, वॉशिंटगन पोस्ट अखबार में खोजी पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं और ''गुजरात फाइल्स'' एनैटमी ऑफ अ कवरअप'' नामक विवादित पुस्तक की लेखिका हैं। इससे पहले वह ''तहलका'' में संपादक थीं। उन्होंने धार्मिक हिंसा, सरकार द्वारा की गईं न्याय के अंतर्गत ना आने वाली हत्याओं और राजद्रोह के बारे में गहन रिपोर्टिंग की है।

उन्होंने अमेरिका के नैशनल पब्लिक रेडियो (एन.पी.आर.) के ''मॉर्निंग एडीशन'' के होस्ट ए. मार्टिनेज़ को बताया कि ''मुख्यधारा का अधिकांश मीडिया वस्तुतः सरकार के झूठ को दोहरा रहा है और जो लोग स्वतंत्र मीडिया कर्मी हैं और सरकार के आलोचक हैं, वे उसकी कीमत चुका रहे हैं।'' रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स के अनुसार ''180 देशों के वर्ल्ड प्रैस सूचकांक में भारत की रैंकिंग गिरकर 150 पर आ गई है।''

- राना अय्यूब ने यह टिप्पणी अमेरिका के नैशनल पब्लिक रेडियो के कार्यक्रम ''मॉर्निंग एडीशन'' के दौरान की और कहा वर्ल्ड प्रैस इण्डैक्स में भारत की रेटिंग 180 देशों में 150वें नम्बर पर आ गई है।
- राना अय्यूब पूर्व में तहलका की संपादक थीं और ''गुजरात फाइल्स एनैटमी ऑफ अ कवरअप'' किताब की लेखिका भी हैं। उनकी यह किताब काफी विवादास्पद रही है।

मार्च 2022 में अय्यूब को मुम्बई एयरपोर्ट पर रोक लिया गया था। वह लंदन जाने वाली फ्लाइट में बैठने वाली थीं। लंदन में उन्हें महिला पत्रकारों के विरूद्ध ऑनलाइन हिंसा विषय पर भाषण देना था। कार्यक्रम का आयोजन इन्टरनैशनल सैन्टर फॉर जर्नलिस्ट्स की ओर से किया गया था। भारत सरकार ने उन्हें देश से बाहर जाने से रोका था क्योंकि उनके खिलाफ कथित वित्तीय अपराधों को लेकर जांच चल रही थी।

भारत का एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.), जिसका काम देश के आर्थिक कानूनों को लागू करने का है, ने अय्यूब के विरूद्ध अक्टूबर में मनी लॉंड्रिंग का केस दर्ज किया था। ई.डी. का आरोप है कि अय्यूब ने स्वयं के लिए सार्वजनिक रूप से फण्ड्स जुटाकर 3 लाख 24

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एकल पट्टा प्रकरण में हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

जयपुर, 4 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एकल पट्टा प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध लंबित मुकदमे को वापस लेने की अनुमति नहीं देने के एसीबी कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस फरजंद अली की एकलपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार, पूर्व आईएएस जीएस संधू, निष्काम दिवाकर और ओंकार मल सैनी की आपराधिक याचिकाओं पर दिए।

आरोपियों की ओर से अधिवक्ता एसएस होरा और अधिवक्ता पंकज गुप्ता सहित अन्य ने बताया कि एसीबी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

तू दूसरे की आँख का तिनका क्यों देखता है अपनी आँख का शहतीर तो निकाल। –बाइबल

आजादी के 75 साल बाद राजस्व कानूनों में आमूलचूल परिवर्तन पर गम्भीर चिंतन की आवश्यकता

आजादी के समय राजस्थान छोटे-बड़े रजवाड़ों में बंटा था। उन्हें मिलाकर वर्तमान राजस्थान बना था। राजवाड़ों के राज में राजस्व एकत्र करने का और छोटे-छोटे भूमि विवादों का निपटारे का काम जागीरदारों के माध्यम से होता था। लगन वसूली व राजस्व के विवादों के निपटारे के लिए रियासतों के अपने-अपने कानून थे। आजादी के समय रजवाड़ों और जागीरों में विभिन्न कानूनों के जानकर सीमित संख्या में ही थे। जागीरों में तो यह संख्या ना के बराबर मानों। ऐसी स्थितियों में राजस्थान के अधिकांश राजस्व कानून बने थे।

उस समय बने कानूनों में विवदों के निपटाने के अधिकार तहसीलदार व उसके ऊपर के अधिकारियों को दिए। राजस्थान के निर्माण के समय दक्ष-सक्षम, कानून के जानकार अधिकारियों, कर्मचारियों की कमी थी। तत्समय की राजनीतिक, सामाजिक परिस्थितियों से उत्पन्न होने वाले अवांछित प्रभावों, दबाओं की शंकाओं को ध्यान में रख कर, विवदों के निष्पक्ष निपटारे के लिए तहसील या ऊपर के कार्यालयो के पीठासीन अधिकारियों को अधिकृत किया गया।

वर्तमान में सामाजिक, राजनीतिक, कर्मचारियों-अधिकारियों की शैक्षणिक व प्रशिक्षण की स्थितयां पूर्णत: बदल गई है। अब पटवारी, ग्राम सेवक, सरपंच से लेकर ऊपर तक के अधिकारी ग्रेजुएट-पोस्टग्रेजुट हैं। कुछ कुछ तो इंजीनियर, कानून की डिग्रीधारी है। पटवारियों, निरीक्षकों व अन्य सभी अधिकारियों को सेवा में आने के समय सम्बंधित कानूनों का अध्ययन कराया जाता है, प्रशिक्षण दिया जाता है और परीक्षा लेकर दक्षता जांची जाती है।

वर्तमान स्थितियों में इस श्रेणी के बहुत से मामलों का निपटारा अच्छे पटवारी, निरीक्षक व पंचायत गांव लेवल पर ही कर सकते है। उनके लिए तहसील या उपखण्ड कार्यालय या उसके ऊपर के न्यायालयों में जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। ऐसे मामलों के निपटारे के लिए तहसील, एसडीओ या ऊपर के कार्यालयों में जाना, गरीब किसानों के लिए धन और समय की अनावश्यक बरबादी है।

तहसीलदार, एसडीओ, कलेक्टर्स के पास राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के संचालन, पर्यवेक्षण, अन्य विविध प्रशासनिक व आवश्यक कार्यों का इतना भार होता है कि राजस्व महलों को निपटाने का काम सेकेंडरी कार्य हो गया। राजस्व मामले वर्षों-वर्षों लंबित पड़े रहते है। इस से किसानों के समय व धन की बरबादी होती है। राजस्व मामलों की पेंडेंसी देखने के लिए राजस्व मंडल द्वारा एकत्र व प्रकाशित आंकड़े देखे जा सकते है। इसलिए राजस्व मामले शीघ्र निपटे, अधिक से अधिक मामले ग्राम पंचायत स्तर पर निपटे यह समय की मांग है।

उदाहरण के लिए निम्न प्रकार के मामलो को पंचायत स्तर पर निपटाने के लिए पंचायत, इंस्पेक्टर, पटवारी अधिकृत किए जा सकते है::-- खेतों के पर जाने खेतों के रास्तो के विवाद, सीमा ज्ञान, नामान्तरकरण तस्दीक करना, कृषि भूमियों का बंटवारा, खातेदारों के सामान्य प्रकृति के अधिकार घोषणा के प्रकरण, कृषि भूमि को गैर कृषि कार्यों के लिए कन्वर्शन, टिनेंसिंज के एक्सचेंज व जोतों के कण्डोलीडेसन के मामले, चोसला जमबन्दीय बनाना व मजमे आम में तस्दीक करवाना, नक्शों की तरमिमें, जहां नक्शों में खेत से खेत पर जाने वाले रास्ते सरकारी कर्मचारियों की गफलत से अंकित होने से रह गए-उन्हें अंकित करने, जोहड़ पाइतना में श्मसान भूमियों के आरक्षण-विकाम की समस्या, चारागाह मैनेजमेंट, सरकारी व चारागाह भूमियों पर बने घरों के नियमन आदि ऐसे मामले है जिन पर ग्राम पंचायत- पटवारी-निरीक्षक स्तर पर अधिकृत किया जाना चाहिए। पंचायत स्तर पर कार्यवाही मजमें आम में होने से पकड़कर असत्य बातें कहने से बचेंगे। फैसले जल्दी होंगे, अनावश्यक मुकद्दमेबाजी व उस पर होने वाला अनावश्यक व्यय रुकेगा।

कृषि टिनेंसी कानून बना तब एससी, एसटी के हितार्थ उनके खाते में अंकित भूमियों के ट्रांसफर पर पाबंदियां लगाई ताकि उनकी भूमिया बड़े कृषक हड़प कर उन्हें भूमि हीन न बना दें। अब तो परिस्थितयां पूर्णत: बदल गई। खेतों की भूमियां भी पीढ़ियों में बनते-बनते छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट गई। छोटी भूमियों पर कृषि पूर्णत: अनार्थिक बन गई है, ऊपर से भूमि बेच कर अन्य काम-धन्दा करने के लिए बाजार दरों पर भूमि बेच कर धनार्जन भी नही कर सकते। साथ परिवर्तित समयानुसार एससी, एसटी के जिन खातेदारों को आवश्यकता हो वे अपनी भूमि, एक कमेटी द्वारा निर्धारित न्यूनतम विक्रय कीमत से उपर मूल्य पर बेच सकें यह प्रावधान होने चाहिए। इस से एससी, एसटी को अपनी भूमियों का उचित मूल्य मिल सकता है।

विपरीत तर्क देते वक्त लोग भूल जाते हैं कि भ्रष्टाचार सरकार के बड़े दफ्तरों-सचिवालय से लेकर नीचे तक है। कई बड़े-बड़े अफसर, बहुत से मंत्री-जनप्रतिनिधि इस बीमारी से मुक्त है क्या? बहुत से नीचले स्तर व ऊपर के बड़े अधिकारी अत्यंत ईमानदार व कर्तव्य निष्ट भी है और बड़ी संख्या में असक्षम, भ्रष्ट भी है।

खाते की बड़े खेतों की जमीनें बंटते-बंटते छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट गई। किसानों की इन टुकड़ों की भूमियां एक साथ न होकर अनेक जगह स्थित है। ऐसे में यदि किसान टुकड़ों में बंटी भूमियों को स्वेच्छा से अदला-बदली कर कंसॉलिडेट करना चाहें तो ग्राम पंचायत स्तर पर यह कार्यवाही सम्पन्न क्यों नही की जा सकती?

कृषि भूमि रूपांतरण के मामलों में कलेक्टर, एसडीओ के पास केवल वे मामले जाएं जो राष्ट्रीय-राज्य हाइवेज-मेजर जिला सड़कों से एक निश्चित दूरी में पड़ने वाली भूमियों के हों तथा नगरीय निकायों की सीमा व पेरिफेरी विलेजेज में आने वाली भूमियों से सम्बंधित हों। अन्य मामलों जैसे कि किसी को गांव में सपनी भूमि पर स्कूल खोलनी है और भूमि, उपरोक्त हाइवेज-स्थानीय निकायों की प्रतिबन्धित भूमि न हो तो, सीसे कन्वर्शन के लिए तहसीलदार, एसडीओ के पास जाने की क्यों आवश्यकता पड़े, ग्राम पंचायत स्तर पर निपटारा क्यों नहीं हो सकता?

खेतों पर जाने के रास्तों की समस्या::-खातेदार सरकार का टेनान्ट है। यह सरकार (लैंड लार्ड) का दायित्व है कि किसान टेनेंसी का उपभोग कर सके उसके लिए रास्तों की व्यवस्था करे।

स्टैंडर्ड प्रैक्टिस थी कि खेत से खेत में जाने के ट्रेडिसनल रास्ते राजस्व नक्शों में डॉटेड लाइन से दिखाए जाते थे और गांव से गांव के रास्ते दो लाइनों में दिखाए जाते है। सरकारी अमले की गफलतों की वजह से बहुत से गांवों में खेत से खेत जाने के रास्ते या तो अंकित ही नही किए या आधे-अधूरे किए है। 20, 30 साल पहले तक गांवों में सौहार्द्रता का माहौल था। इस कारण पारम्परिक रास्तों से आने जाने में कोई रोक-टोका-टोकी नहीं तो। कालांतर में पार्टीबाजी, आपसी द्वेष-शत्रुता के कारण रास्तो के विवाद बड़ी समस्या के रूप में सामने आ रहे हैं।

इसके लिए पहला तात्कालिक समाधान का उपाय है ग्रामपंचत सरपंच, राजस्व निरीक्षक, पटवारी संयुक्त रूप से मोका मुवाईना कर पारम्परिक रास्तों का अंकन करें। विवाद हो तो मजमे आम में सुनवाई कर समाधान करें।

सरकार इसके लिए अभियान चला कर इसका समाधान करे। पहले खेत पर, जोत करने ऊंट बैल जस्ते थे। अब 100 प्रतिशत ट्रैक्टर काम आते है। इसलिए सरकार रास्तो की सटेंडर्ड चौड़ाई तय कर उसे नियम-कानून का रूप देयह काम पंचायत स्तर पर क्यों सम्भव नहीं?

सरकार ने इसका समाधान करने के लिए काश्तकारी कानून में संशोधन कर दिया कि टेनान्ट को रास्ते की दिक्कत है तो एसडीओ के यह प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर रास्ता ले। सम्बंधित किसानों, जिनके खेतों में से रास्ता जाए को मूल्य चुकाए। इस से अधिक अविवेकपूर्ण कानून हो नहीं सकता-लैंडलोर्ड कहता है कि टिनेंसी का उपभोग करना है तो मूल्य चुका कर रास्ता ले लो। जिस किसान को दसों खेतों में होकर अपने खेत जाना हो, वह किस किस से रास्ता लेता फिरे। फिर यह भूमि मूल्य चुकाने वाले के खातेदारी की होगी, वह दूसरों को क्यों उपभोग की अनुमति दे। पूर्णत: अविवेकपूर्ण कानून। यह कानून शहर के आसपास बिल्डर्स के लिए जरूर वरदान है--वे अपनी मर्जी के रास्ता ले सकते हैं।

प्राय: जब नीचे के स्तर के अधिकारियों, संस्थाओं पर अधिकारों के प्रत्यायोजित करने,उन्हें स्वतंत्र रूप से अधिकृत करने की बात आती है तो तर्क दिया जाता है कि वे सक्षम नहीं है, पक्षपात पूर्ण निर्णय होंगे, भ्रष्टाचार बढ़ेगा, भूअभिलेख ढंग से संधारित नहीं होंगे जिसके दूरगामी दुष्प्रभाव होंगे। जब ग्राम पंचायतों को संवैधानिक अधिकार दिए गए, चुनावों के लिए तथा स्वतंत्र रूप से बजट-व्यय के लिए अलग से आयोग बनाए गए पर भी ऐसे ही तर्क दिए गए थे। प्रारम्भिक दिक्कतों के बाद बहुत सी पंचायती राज संस्थाएँ बहुत अच्छा काम कर रही हैं।

विपरीत तर्क देते वक्त लोग भूल जाते हैं कि भ्रष्टाचार सरकार के बड़े दफ्तरों-सचिवालय से लेकर नीचे तक है। कई बड़े-बड़े अफसर, बहुत से मंत्री-जनप्रतिनिधि इस बीमारी से मुक्त है क्या? बहुत से नीचले स्तर व ऊपर के बड़े अधिकारी अत्यंत ईमानदार व कर्तव्य निष्ट भी है और बड़ी संख्या में असक्षम, भ्रष्ट भी है। इसलिए ऐसे तर्क के आधार पर राजस्व कानूनों पर पुनर्विचार व अधिकारों को निचले स्तर पर दिए जाने को रोकना बुद्धिमतापूर्ण नहीं हो सकता।

–अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

भारत के पास दुनिया को सन्मार्ग दिखाने का समय

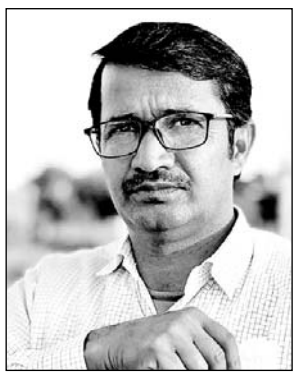

रामगोपाल जाट

- आज दुनिया के 56 इस्लामिक देश भी योग दिवस पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं
- 2023 को संयुक्त राष्ट द्वारा मोटा अनाज वर्ष, यानी मिलैट्स ईयर घोषित किया गया है

नये कैलेंडर आरम्भ के साथ ही भारत के पड़ोसी पाकिस्तान में साल के पहले दिन तालिबान का अधिकारिक रुप से आगमन हो गया है। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान, यानी टीटीपी ने जहां खैबर पख्तूनवा और बलूचिस्तान के लिये अपनी अलग सरकार के मंत्रीमंडल की घोषणा करके पाकिस्तानी सत्ता के पांव हिला दिये हैं तो अफगानिस्तान में शासित तालिबान का विस्तार भी इसके साथ पाकिस्तान में हो गया है। अभी तक भी यह साफ नहीं हो पाया है कि यह वही तालिबान है या अलग है, जो काबुल में काबिज है?

एक जनवरी को ही व्लादिमिर पुतिन ने अपने मंसूबे साफ कर दिये, जब पता चला कि रूसी सेना ने यूक्रेन के कीव पर मिसाइल हमलों की बरसात कर दी है। अमेरिका लाख चाहकर भी यह नहीं कह पा रहा है कि वह रूस के खिलाफ अघोषित युद्ध कर रहा है, भले ही वह यूक्रेन को अत्याधुनिक हथियार सप्लाई कर रहा हो। यह युद्ध असल में रूस और अमेरिका के बीच लड़ा जा रहा है, युद्ध की रणभूमि जरूर यूक्रेन की धरती है।

जमीन हथियाने की रणनीति के कारण कुख्यात चीन फिर से अमेरिका के सामने आ गया है। अब दोनों देशों ने चंद्रमा की जमीन पर भी अपने हक को लेकर बयानबाजी तेज कर दी है। अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर का उदाहरण देकर चीन की नीति को उजागर किया है। दोनों देशों के बीच ताइवान को लेकर पहले से ही तनाव चल रहा है। कोरोना की जोरदार लहर और उसके कारण दम तोड़ते चीनी उद्योग के चलते जिनपिंग के सामने छात्र आंदोलन को थामना भी बड़ी चुनौती है। भारत ने चीन को इस वक्त पाकिस्तान की श्रेणी में डाल रखा है, जिससे भले कारोबार चल रहा हो, लेकिन राजनैयिक संबंध खत्म कर रखे हैं।

ईरान और इस्त्राइल के बीच फिर से अघोषित जंग ने जन्म ले लिया है। इस्त्राइल अपनी सभ्यता बचाने की नीति पर कायम है। वह चहुंओर से कट्टर मुस्लिम देशों से घिरा होने के कारण खुद को जीवित रखने की असीमित जंग झेल रहा है, तो ईरान पहले ही गृहयुद्ध जैसे हालात से जूझ रहा है।

भारत ने दुनिया के इस दोहरे मापदंड को अब अच्छे से समझ लिया है। पिछले साल ही अमेरिका-यूरोप के संयुक्त दबाव को दरकिनार कर भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल आयात बढ़ाया है। विगत 10 माह में भारत की रणनीति और विदेश नीति अपने नागरिक हितों के आगे अमेरिकी संबंधों को भी बौना साबित कर चुकी है। एक बार फिर भारत के विदेश मंत्री डॉ. सुब्रम्ण्यम जयशंकर ने यह कहकर अमेरिका-यूरोपीय संघ को स्पष्ट कर दिया है कि यूरोपीयन देश आज भी भारत से छह गुणा अधिक कच्चा तेल और गैस रूस से आयात कर रहे हैं। इसका मतलब यह है कि भारत अपनी रणनीति को किसी विदेश नीति से प्रभावित नहीं होने देगा। अमेरिका को अब यह मान लेना चाहिये कि भारत को दबाव में लेकर अपने हित नहीं साध पायेगा।

21 जून 2014 को विश्व योग दिवस की पूरी दुनिया में शुरुआत भारत के हिसाब से सबसे बड़ा वैश्विक कदम था। संयुक्त राष्ट्र के द्वारा भारत की इस स्वास्थ्य पहल को पूरी दूनिया ने अंगीकार किया। भारत सरकार ने यह साबित करने में कामयाबी पाई है कि योग केवल निरोग करने का आसन है, इसका धर्म या क्षेत्र से लेना-देना नहीं है। आज दुनिया के 56 इस्लामिक देश भी 21 जून को योग दिवस पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

अब इस साल दूसरा अवसर आया है, जब भारत की अपील पर 2023 को संयुक्त राष्ट द्वारा मोटा अनाज वर्ष, यानी मिलैट्स ईयर घोषित किया गया है। भारत के लिये यह इसलिये प्रसन्नता का विषय है, क्योंकि हमारे यहां पर हजारों वर्ष पूर्व ही ऋषियों इस अनाज का महत्व जान लिया था। आज पूरा विश्व मान रहा है कि मोटा अनाज स्वास्थ्य के लिये केवल भोजन नहीं है, बल्कि इस आधुनिक युग में एक औषधि समान है। भारत के लिये दूसरी खुशी यह भी है कि विश्व में मोटा अनाज का सबसे बड़ा उत्पादक भारत ही है। बाजरा, मक्का, ज्वार, रागी, जौ जैसे अनाज आज भारत के आम आदमी की थाली में होते ही हैं, तो बड़े लग्जरी होटल्स में भी इस अनाज को चाव से खाया जाता है और इसके महंगे उत्पादों को खरीदकर गर्व किया जाता है। डॉक्टर्स का मानना है कि नियमित मोटे अनाज के सेवन से रोगों से छुटकारा भी मिलता है। वैसे भी अनाज तो किसी धर्म, जाति अथवा क्षेत्र से बिलकुल परे है। अत: इसको पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। यूएई जैसे इस्लामिक देश ने मोटा अनाज वर्ष का स्वागत किया है।

अमेरिका, यूरोप, जापान ने भी मिलैट्स ईयर का स्वागत किया है। भारत को केवल इतना करना है कि अपने दोनों समय के भोजन में बहुलता से व्याप्त रहे मोटे अनाज को फिर से उसी तरह से शामिल करना है। आधुनिकता से परहेज किसी को नहीं है, लेकिन जब बात स्वास्थ्य की हो, तो फिर वही खायें, जो शरीर को हष्ट-पुष्ट रखे, ताकि रोगों से छुटकारा पाया जा सके। अब समय आ गया है, जब भारत का बाजरा, मक्का, रागी, ज्वार जैसे अनाज को विदेशों में निर्यात किया जाये। भारत सरकार को चाहिये कि इसके साथ ही दुनिया में यह नैरेटिव भी सिद्ध करने का प्रयास करे कि विश्व को भारत की यह एक और शानदार सौगात है। जिन देशों में अनाज की कमी रहती है, वहां पर इसका प्रसार अधिक किया जा सकता है, क्योंकि जल की कमी अनाज पैदा करने में बाधक बनती है, जिससे ऐसे गरीब देश मोटा अनाज पैदा कर छुटकारा पा सकते हैं।

एक समय ऐसा था, जब भारत विश्व को मार्ग दिखाता था। आज भी स्थितियां धीरे-धीरे इसी ओर जा रही हैं। विश्व जहां हिंसा से जूझ रहा है, तो धार्मिक अंधता ने कई देश बर्बाद कर दिये हैं। आतंकवाद को जड़ से तभी खत्म किया जा सकता है, जब मानव का विचार शुद्ध होगा। विचार की शुद्धि का रास्ता अच्छे खान-पान से निकलता है। भारत ने दुनिया को बहुत कुछ दिया है। भारतीय सभ्यता का अभिन्न अंग योग पूरा विश्व स्वीकार कर चुका है और मोटा अनाज वर्ष शुरू हो चुका है। अब भारत सरकार को चाहिये कि श्रीमद्भागवत गीता को कर्मयोगी पुस्तक के साथ विश्व की श्रेष्ठ पुस्तक का दर्जा दिलाने का प्रयास शुरू करे, ताकि आतंक से जूझ रही दुनिया को कर्मयोगी बनकर एक सन्मार्ग मिल सके। युद्ध से जीतना आसान है, लेकिन विचार को बदलना ही तो सबसे बड़ी जीत है। भारत यदि ऐसा करने में सफल होता है, तो मानव जाति के लिये इससे बड़ा पुण्यकर्म क्या हो सकता है?

रामगोपाल जाट,
वरिष्ठ पत्रकार

पावरग्रिड की सौर उर्जा की पारेषण प्रणाली राष्ट्र को समर्पित

जयपुर, (कासं)। गुरूग्राम 03.01.2023 देश की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्म ने दिनांक 3 जनवरी, 2023 को जयपुर स्थित राजभवन में आयोजित एक समारोह में विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार की महारत्न कंपनी पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) द्वारा राजस्थान के भड़ला, फतेहगढ़ और बीकानेर क्षेत्र में 8.9 गीगावॉट सौर ऊर्जा के लिए निर्मित पारेषण प्रणाली को वर्चुअल माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र और राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री, श्री अशोक गहलोत उपस्थित थे। इस समारोह में राजस्थान सरकार, केन्द्र सरकार और पावरग्रिड के वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद थे।

नवीनकरणीय ऊर्जा के लार्ज स्केल ग्रिड इंटीग्रेशन के माध्यम से देश में तीव्र गति से एनर्जी ट्रांजीशन हो रहा है। वर्ष 2030 तक, 500 गीगावॉट से अधिक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित उत्पादन क्षमता की परिकल्पना की गई है और भारत सरकार ने अक्षय ऊर्जा की प्राप्ति के लिए विभिन्न इंटर स्टेट पोरषण योजनायें बनाई है।

भारत सरकार की इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रथम चरण के अंतर्गत, राजस्थान से 8.9 गीगावॉट सौर ऊर्जा प्राप्त करने की परिकल्पना की गई है, जिसके तहत पावरग्रिड परिसरों जैसे भाड़ला 3.55 गीगावॉट, फतेहगढ़ 3.5 गीगावॉट और बीकानेर 1.85 गीगावॉट आदि से विद्युत ऊर्जा प्राप्त करने के लिए अंतर-राज्य पारेषण प्रणाली को विकसित किया है। इस परियोजना के तहत पावरग्रिड द्वारा फतेहगढ़, भड़ला और खेतड़ी में 3 उपकेन्द्र, 1872 सर्किट मिं ईएचवी ट्रांसमिशन लाइन और 12,500 एमवीए ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता जोडी गई है और इस क्षेत्र के सोलर परिसर अब हाई कैपेसिटी पारेषण नेटवर्क के माध्यम से राष्ट्रीय ग्रिड से जुड गए है। इस परियोजना की कुल लागत 4928 करोड रूपये है।

31 दिसम्बर 2022 को पावरग्रिड और उसकी सहायक कंपनियों की कुल पारेषण परिसंपत्तियों में 1,73,791 सर्किट किमी पारेषण लाइनें, 270 सब स्टेशन और 4,93,042 एमवीए की ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता सम्मिलित है।

मारवाड़ी हॉर्स शो - 2023 का रणसी गांव में शुभारम्भ

जोधपुर के रणसी गांव में कृषि व पशुपालन मंत्री लाल चन्द कटारिया व आर टी डी सी के चेयरमैन धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने हॉर्स शॉ का शुभारम्भ किया।

जोधपुर, (कासं)। दो दिवसीय द्वितीय मारवाड़ी हॉर्स शॉ- 2023 का शुभारम्भ बुधवार को रणसी गांव में कृषि व पशुपालन मंत्री लाल चन्द कटारिया व आर टी डी सी के चेयरमेन धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने अश्वों के देवता रेंवत के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष देश,प्रदेश के लगभग 550 अश्व भाग लेने आये हैं। उन्होंने बताया कि शॉ में राजस्थान, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश

- देश, प्रदेश के लगभग 550 अश्व भाग लेने आये हैं

, तमिल नाडु ,हरियाणा व उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों के अश्व पालक अपने अश्व लेकर भागीदारी निभा रहे है चंपावत ने बताया कि मारवाडी हॉर्स शॉ में पहले दिन बुधवार को अदंत बछेरी, अदंत बछेरा, दो दांत बछेरा प्रतियोगिता हो रही है। गुरुवार को दो दांत बछेरी, नर अश्व, मादा अश्व व बेस्ट एनिमल ऑफ शॉ की चार प्रतियोगिताऐं होगी।

अदंत बछेरा प्रतियोगिता में प्रथम राजदीप गोहिल गुजरात का राज करंट, द्वितीय सुरेन्द्र सिंह का शेरबाज, तृतीय हर प्रीत सिंह पंजाब का लालदेव रहा। समारोह में उद्घाटन के अवसर पर विधायक बिलाडा हीरालाल मेघवाल, व प्रधान बिलाडा प्रगति कुमारी, धवल सिंह पाटिल व रणजीत पंवार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

बच्चे पढते नहीं हैं : दोषी करार देना बन्द करें सोचिए उन्हें क्या चाहिए

राजेन्द्र मोहन शर्मा

- पंचतंत्र की कहानियां व्यावहरिक जीवन में खूब सहायता करती हैं

आजकल माता-पिता की यह शिकायत आम हो गई कि उनके बच्चों की पुस्तकों में रुचि कम और मोबाइल गेम्स में अधिक हो गई है। यद्यपि यह कथन पूरी तरह सही नहीं है, अभी हाल ही में एक सर्वेक्षण में इस बात का खुलासा हुआ है कि 87 प्रतिशत से भी अधिक बच्चे किताबें पढना चाहते हैं और उनकी रूचि साफ तौर पर किताबों के बारे में स्पष्ट है। वे यह भी जानते हैं कि उन्हें क्या पढना है और वे अपनी पसंद की किताब पुस्तकालय से संग्रहित कर सकते हैं। यह दुर्भाग्य की बात है कि इतनी सारी स्पष्ट स्थिति के बावजूद अभिभावक अपने बच्चों को समुचित किताबें उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। हम अपने भारतीय जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण किताब को भूलकर आगे बढेंगे तो हम न्याय नहीं कर पाएंगे। पंचतंत्र एक ऐसी ही पुस्तक है जिसे पता नहीं कितने अभिभावकों ने खुद पढा है या नहीं। मेरा तो आग्रह रहेगा कि कम से कम आप एक बार पंचतंत्र की कथाओं को जरूर पढें। यूं तो हम सभी जानते हैं कि बच्चों का मानसिक विकास कहानियां, चित्रकथाएं पढने और पहेलियां सुलझाने के साथ ही माता-पिता और शिक्षकों से बेझिझक बातचीत करने से बढ़ता है। बाल मनोविज्ञान के अनुसार बच्चे के पांच वर्ष तक सहज रूप में जानकारी देनी चाहिए जिससे उसमें उत्सुकता और सीखने की लगन को बढ़ानी चाहिए। बाल्यकाल में उसे हर ओर से भरपूर प्यार-दुलार मिलना चाहिए। यदि इस उम्र में उसको बुरे अनुभव होते हैं तो इसका असर उसके भविष्य पर पड़े बिना नहीं रहता है।

संस्कृत की नीति कथाओं में पंचतंत्र का पहला स्थान माना जाता है। पंचतंत्र एक विश्वविख्यात कथा ग्रंथ है। मनोविज्ञान, व्यावहारिकता तथा राजकाज के सिद्धांतों से परिचित कराती पंचतंत्र की कहानियां दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इस किताब का अनुवाद विश्व की लगभग हर भाषा में हो चुका है। इस किताब के आधार पर ही दुनिया में इसी तरह की हजारों अन्य किताबें लिखी जा चुकी हैं। पंचतंत्र को पांच निबंध या पांच अध्याय में विभक्त होने के कारण इसे पंचतंत्र कहा गया है।

यह पुस्तक लोकप्रियता के सौपानों पर सवार कैसे हुई इस पर डॉक्टर हर्टेल बताते हैं कि पंचतंत्र का अनुवाद छठी शताब्दी में ईरान की पहलवी भाषा में हो गया था। यही नहीं हर्टेल ने पंचतंत्र का विश्व की 50 भाषाओं में इसके 200 अनुवादों का उल्लेख किया है। छठी शताब्दी 550 ई. में जब ईरान के सम्राट 'खुसरू' थे तब उनके राजवैद्य और मंत्री ने 'पंचतंत्र' को अमृत कहा था। आठवीं शताब्दी 760 ई. में पंचतंत्र की पहलवी अनुवाद के आधार पर 'अब्दुलाइन्तछुएमुरक्का' ने इसका अरबी अनुवाद किया जिसका अरबी नाम 'मोल्ली व दिमन' रखा गया। इस तरह पंचतंत्र की कहानियां मिस्त्र और योरोप में भी प्रसिद्ध हो गईं और वहां की स्थानीय भाषा में इसका अनुवाद किया गया। यूरोप में इस पुस्तक को द फेबल्स ऑफ बिदपाई के नाम से जाना जाता है।

पंचतंत्र में अंकित सारी ही कहानियां बड़े ही रोचक तरीके से सामने रखकर बालकों को बहुत ही अच्छी सीख देती हैं। व्यावहरिक जीवन से जुड़ी ये कहानियां हकीकत जीवन में खूब सहायता करती हैं। दरअसल ये कहानियां बहुत जीवंत हैं ये कथाएं मानव स्वभाव को समझने और सावधानीपूर्वक व्यवहार करने की समझ को व्यापक रूप से विकास करती हैं। पंचतंत्र में 5 भागों में विभाजित कुल 87 कथाएं हैं जिनमें से अधिकांश प्राणी कथाएं हैं।

पंचतन्त्र की कथाएं पाठकों को कस कर गुदगुदाती है, उनसे ठहाके लगवाती है और सोचने को विवश करती है। अब मैं यहां इस लेख में आपको पंचतंत्र की कहानियां तो नहीं पढवा सकता हूँ लेकिन यह जरूर कहूंगा कि अब भी देर नहीं हुई आप भी पढें और घर भर के बच्चों को जरूर पढाएं। याद रखें बचपन में पनपी पढने-लिखने की आदत मनुष्य को जीवनभर काम आती है और सबसे बड़ी बात अच्छे-बुरे का विवेकसम्मत फैसला लेने योग्य बनाती है।

राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद एवं चिन्तिक

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 5 जनवरी, 2023

पौष मास, शुक्ल पक्ष, चतुरशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 9:36 तक, शुक्ल योग प्रात: 7:33 तक, गर करण दिन 1:08 तक, चन्द्रमा प्रात: 8:06 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-मकर, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

रवियोग आज रात्रि 9:26 तक है। आज प्रदोष व्रत, रोहिणी व्रत (जैन)।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:34 तक, चर 11:14 से 12:32 तक, लाभ-अमृत 12:32 से 3:07 तक, शुभ 4:25 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:43

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृष

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आय में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मिथुन

नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव और मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला

शुभ-मांगलिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

धनु

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मकर

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

सेंट्रल पार्क में ओस जमी : राजधानी जयपुर में शीतलहर के चलते बुधवार को दिन का तापमान भी बहुत कम रहा जिससे सेंट्रल पार्क में घास पर ओस की बूंदे जम गई।

जयपुर में करोना का नया वेरिएंट एक्स बी बी 1.5 मिला

यह वेरिएंट ओमिक्रॉन का सब वेरिएंट है, जो अमेरिका में फैला हुआ है

जयपुर,(कासं)। जयपुर में अमेरिका से आया एक 21 वर्षीय युवक ओमिक्रॉन के नए सब वेरिएंट एक्सबीबी 1.5 से संक्रमित पाया गया है। हालांकि करोना के नए वैरिएंट का यह मरीज साधारण लक्षणों वाला है। यह अपने घर में ही क्वेरेंटाइन है। चिकित्सा विभाग की टीमें इस पर निगरानी बनाए हुए हैं।

- पीड़ित 21 वर्षीय युवक जयपुर के सोड़ाला का रहने वाला है, जो अमेरिका में पढ़ाई कर रहा है।
- 19 दिसम्बर को अमेरिका से भारत आया था।
- 22 दिसम्बर को बुखार आने पर करोना की जांच करवाई जिसमें वह संक्रमित मिला।
- एसएमएस मेडिकल कॉलेज में जीनोम सिक्वेंसिंग की, जांच में नए वेरिएंट की पुष्टि हुई है।
- फिलहाल युवक स्वस्थ है और घर पर क्वारेंटीन है, उसकी रिपोर्ट नेगेटिव भी आ चुकी है।

सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया कि संक्रमित युवक जयपुर के सोड़ाला इलाके का रहने वाला है। वह अमेरिका में पढ़ाई कर रहा है। हाल ही में 19 दिसम्बर को वह दिल्ली पहुंचा था। इसके बाद जयपुर अपने घर आ गया। यहां 22 दिसम्बर को बुखार आने पर करोना की जांच करवाई। रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर घर में ही क्वारेंटीन होकर इलाज करवा रहा था। वह साधारण दवाइयों के साथ लगातार ठीक हो रहा है। उसकी दूसरी रिपोर्ट भी नेगेटिव आ चुकी है और फिलहाल वह स्वस्थ है। उसके परिजनों की रिपोर्ट भी नेगेटिव आई है। किसी को भी संक्रमण नहीं हुआ है। डॉ. फौजदार ने बताया कि पीड़ित युवक और उसके परिवार के सभी सदस्यों का पहले ही कोविड वेक्सीनेशन हो चुका है। एसएमएस मेडिकल कॉलेज में हुई जीनोम सिक्वेंसिग की रिपोर्ट में बुधवार को युवक नए वेरिएंट की पुष्टि हुई। मेडिकल कॉलेज की माइक्रो बायोलॉजी विभाग की एचओडी डॉ. भारती मल्होत्रा ने बताया कि ये केस जयपुर के सोडाला इलाके का है और दिसंबर के अंतिम सप्ताह में जांच के लिए हमारे पास आया था, इसमें नए वेरिएंट की पुष्टि हुई है। हालांकि चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि ओमिक्रॉन का यह नया सब वेरिएंट एक्सबीबी 1.5 अब तक का सबसे तेज फैलने वाला वेरिएंट माना जा रहा है। इसकी रफ्तार पहले के वैरिएंट से 104 गुना ज्यादा तेज बताई जा रही है। देश में इस वैरिएंट के अब तक पांच ही केस सामने आए हैं।

राजस्थान की सरकार को चला रहे हैं दो राह के पायलट : डॉ. सुधांशु त्रिवेदी

- 'कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के दावेदार ही राजस्थान में बगावत कर देते हैं'
- 'पेपर लीक मामलों में कांग्रेस सरकार से जुड़े लोग शामिल हैं, राजस्थान सरकार सीबीआई जांच क्यों नहीं करवाती'
- 'गहलोत कहते हैं कि महिलाओं द्वारा दर्ज कराए गए 56 फीसदी मामले झूठे हैं, सरकार की संवेदनहीनता का उदाहरण है'

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस वार्ता में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि, भाजपा द्वारा राजस्थान की 128 विधानसभाओं में जन आक्रोश महासभाएं हो चुकी हैं, शेष विधानसभाओं में 10 जनवरी तक महासभाएं पूर्ण कर ली जाएगी। जन आक्रोश यात्रा के द्वारा 62 हजार 211 नुक्कड़ सभाएं एवं चौपाले हो चुकी हैं, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 2 करोड़ 25 लाख लोगों से संपर्क किया गया और 92 लाख से अधिक आरोप पत्र वितरित किये जा चुके हैं तथा पूरे प्रदेश में 1 लाख 15 हजार किलोमीटर रथ यात्राएं हुई।

डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है, सांप्रदायिकता, वैमनस्यता एवं धार्मिक उन्माद फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही नहीं करते। करौली, जोधपुर, भीलवाड़ा में हुए सांप्रदायिक उन्माद राज्य में बिगड़ी कानून व्यवस्था की स्थिति को दर्शाता है। अतीत में राजस्थान की छवि शांति, समृद्धि और राष्ट्रीय गौरव को प्रकट करने वाली थी और पर्यटकों के पंसद का राज्य माना जाता रहा है, लेकिन राजस्थान कांग्रेस के 4 वर्षो के शासन में अराजकता और खतरनाक कट्टरता में बहता हुआ राजस्थान बना दिया है। कानून व्यवस्था लचर होने से बच्चियां और महिलाएं अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही है। बलात्कार के मामलों को लेकर राजस्थान के वरिष्ठ मंत्री विधानसभा मैं कहते है कि ये मर्दो का प्रदेश है, कहा गई मर्दानगी जब कन्हैयालाल की गर्दन उड़ाई गई। मुख्यमंत्री भी कहते हैं कि महिलाओं की ओर से 56 फीसदी दर्ज कराए गए मामले झूठे होते हैं, अशोक गहलोत इन मामलों में कितने बड़े सांख्यिकी और गणितीय विशेषज्ञ हो गए हैं, इतनी सटीकता के साथ प्रतिशत बता रहे हैं, यह बोलना सरकार की संवेदनहीनता का बहुत बड़ा उदाहरण है।

डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि, 2019 के लोकसभा चुनाव के घोषणा-पत्र में देशद्रोह कानून को खत्म करने की बात कांग्रेस ने कहीं, गहलोत सरकार ने अपने मंत्रियों और विधायकों पर ही देशद्रोह के मुकदमे दर्ज करवाये। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि, कांग्रेस सरकार ने जो युवाओं को रोजगार, किसानों की कर्जमाफी के वादे किए, उसमें से एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई, राजस्थान में पेपर लीक होना आम बात हो गई है, एक के बाद एक पेपर लीक के मामले सामने आ रहे हैं। कांग्रेस सरकार में क्राइसिस के कारण जनता के बीच क्रेडिबिलीटी खो चुकी है, अभी तक राजस्थान में हुए पेपर लीक मामलों में निश्चित रूप से कांग्रेस सरकार से जुड़े लोग शामिल हैं, इसी वजह से कांग्रेस सरकार सीबीआई जांच नहीं करवाती है। बेरोजगार युवाओं के साथ धोखा करते हुए पेपर लीक मामले की श्रृंखला बना दी है, इन पेपर लीक मामलों से सरकार के प्रतिनिधि प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं।

डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि, देश विरोधी संगठनों को पालने का काम भी कांग्रेस सरकार के संरक्षण में हो रहा है, पीएफआई जैसे कटठरपंथी एवं देश विरोधी संगठन को रैली निकालने की अनुमति देने से ऐसे संगठनों को प्रश्रय मिलता है।

डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि, राहुल गांधी ने अप्रैल 2021 में महंगाई रैली में जयपुर की धरती से भाषण देते हुए कंम्फ्यूजन की शुरूआत की, महंगाई पर भाषण ना देकर हिंदू व हिंदुत्व पर कंफ्यूजन भाषण दिया। पहले तो हिंदु बनाम हिंदुत्व में कंफ्यूज रखते थे और अब महंगाई बनाम हिंदुत्व में रहते है। अर्थव्यवस्था में भी कंफ्यूज हो जाते है, भारत सबसे बड़ा मोबाइल एक्सपोर्टर होता जा रहा है, राहुल गांधी कहते हैं मेन्युफेक्चुरिंग नहीं हो रही है, जबकि 200 से अधिक मोबाइल मेन्युफेक्चुरिंग यूनिट काम कर रही है। देश आज विमान युद्धपोत बना रहा है, जबकि राहुल गांधी कहते है कि कुछ भी नहीं बन रहा है। राहुल गांधी में कंफ्यूजन की पराकाष्ठा है, कंफ्यूजन ऐसा है कि राजस्थान में भी खूब घमासान हुआ। राजस्थान की सरकार के जहाज को 2 पायलट चला रहे हैं, दोनों जहाज को अपने-अपने हिसाब से डायरेक्शन में ले जाना चाह रहे हैं, जहाज को चला कौन रहा है, दोनों एक-दूसरे के ऊपर सुंदर पुष्प वर्षा कर रहे हैं। इस दौरान प्रेस वार्ता में प्रदेश मंत्री लक्ष्मीकांत भारद्वाज, अशोक सैनी, प्रदेश मीडिया सह-संयोजक अशोक सिंह शेखावत मौजूद रहे।

जनाक्रोश सभा में भाजपा नेताओं में खींचतान

जयपुर। जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की जन आक्रोश महासभा का आयोजन बुधवार को जमवारामगढ़ में हुआ। सभा में

जन आक्रोश महासभा में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, पूर्व मंत्री गोलमा देवी, पूर्व मंत्री हेमसिंह भडाणा, प्रदेश प्रवक्ता व चौमू विधायक रामलाल शर्मा, दौसा पूर्व विधायक शंकर लाल शर्मा, पूर्व विधायक मोहन लाल गुप्ता, पूर्व संसदीय सचिव जितेंद्र गोठवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष जयपुर देहात जितेंद्र शर्मा, जयपुर जिला प्रमुख रमा चौपड़ा मौजूद रहे।

सतीश पूनिया के संबोधन के बाद पूर्व मंत्री गोलमा देवी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सतीश पूनिया अपना भाषण देकर चले गए। लेकिन क्या किरोड़ी लाल मीणा इस सभा में आते तो उन के भाषण को सुने बिना चले जाते। राजस्थान नहर परियोजना को लेकर डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा संघर्ष कर रहे हैं लेकिन पार्टी के नेताओं ने साथ नही दिया। पेपर लीक मामले में किरोड़ी लाल मीणा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार को खूब घेरा। पूर्व मंत्री गोलमा देवी सतीश पूनिया से नाराज हुई और अपने भाषण में 4 बार इस बात को जनता के बीच जाहिर किया।

वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने अपने भाषण में स्थानीय विधायक गोपाल मीणा और कांग्रेस सरकार आड़े हाथों लिया।

प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के भाषण के बीच में महेंद्र पाल मीणा के कार्यकर्ताओं ने महेंद्र पाल मीणा जिंदाबाद के नारे लगाए जिस से पूर्व विधायक जगदीश नारायण मीणा नाराज हुए। पूर्व विधायक मीणा ने प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के समक्ष यह नाराजगी भी दर्ज करवाई। तो वहीं सभा शुरू होने से पहले ही सभा स्थल पर भाजपा नेता महेंद्र पाल मीणा व प्रदेश कार्यकरणी सदस्य एसटी मोर्चा व पूर्व सरपंच नायला मोहन लाल मीणा के बीच आपसी कहासुनी हुई। जिस के बाद दोनों के कार्यकर्ता भी आपस में उलझ गए।

ज्योति शिक्षण संस्थान
नागौर (राज.) द्वारा आयोजित
New Year
हस्तशिल्प मेला
गांधी शिल्प बाजार
30 दिसम्बर 2022 से 08 जनवरी 2023 तक
स्थान : अर्बन हाट, जल महल के सामने
जयपुर (राज.)
देश के प्रत्येक राज्य से हस्तशिल्पों द्वारा हस्त निर्मित सामान की बिक्री एवं प्रदर्शनी। जिसमें बाजार भाव से कम दामों पर सामान उपलब्ध होगा।
* एम्ब्रॉइडरी सूट * फुलकारी सूट
* लकड़ी का सामान * क्रोशिये का सामान
* आर्टिफिशियल ज्वैलरी * ब्ल्यू प्रोइट्री
* पंजा दरी * टेडीबियर * लाख से बनी आईटमें
* पंजाबी जूती * ड्राई फ्लॉवर
अनेकों अनेक मन लुभावन हस्त निर्मित वस्तुएं
रविवार खुला रहेगा
प्रवेश निःशुल्क
प्रायोजक
कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

दलहन-तिलहन खरीद की पंजीयन सीमा को 20 प्रतिशत बढ़ाया

- राज्य के 14 जिलों के 11 हजार 562 किसानों को मिलेगा लाभ

जयपुर, (का.सं.)। प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता श्रेया गुहा ने बुधवार को बताया कि राज्य में समर्थन मूल्य पर दलहन-तिलहन की खरीद के लिए पंजीयन की सीमा को 20 प्रतिशत बढ़ाया गया है। पंजीयन सीमा बढ़ाने से राज्य के 14 जिलों के 108 क्रय केन्द्रों से मूंग के 11 हजार 562 किसान और लाभान्वित होंगे। इन जिलों के किसान 6 जनवरी से पंजीयन करा सकेंगे।

गुहा ने बताया कि समर्थन मूल्य पर चल रही खरीद के लिए 72250 किसानों ने मूंग के लिए एवं मूंगफली के लिए 22671 किसानों ने पंजीयन कराया है तथा 45057 किसानों से 85231 मीट्रिक टन मूंग की खरीद की जा चुकी है। जिसकी राशि लगभग 661 करोड़ रुपये है तथा मूंगफली की खरीद 1013 मीट्रिक टन की जा चुकी है। जिसकी राशि 6 करोड़ रुपये है। अब तक 28 हजार 704 किसानों को 420 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। शेष किसानों को भुगतान की प्रक्रिया जारी है।

प्रबंध निदेशक, राजफैड उर्मिला राजोरिया ने बताया कि मूंग के 3.03 लाख मीट्रिक टन, उडद के 62508 मीट्रिक टन, मूंगफली के 4.66 लाख मीट्रिक टन एवं सोयाबीन के 3.62 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य स्वीकृत किये गये है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दलहन एवं तिलहन खरीद योजना का लाभ अधिकाधिक किसानों को उपलब्ध कराने की दृष्टि से 20 प्रतिशत और पंजीयन सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इससे स्वीकृत लक्ष्यों के अनुरूप शत-प्रतिशत सीमा तक किसान दलहन-तिलहन विक्रय हेतु पंजीयन करा सकेंगे।

प्रदेश में 9 नए करोना संक्रमित मिले

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश में बुधवार को करोना संक्रमण के 9 नए मामले सामने आए हैं। वहीं केवल 2 ही मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 67 हो गए है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में बुधवार को जयपुर में 8 और जैसलमेर में 1 नया करोना संक्रमित मिला है। इससे पहले राज्य में मंगलवार को 15 रोगी पाए गए थे। इधर जयपुर में आज छह स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें बस्सी व झोटवाड़ा में 2-2 तथा करतारपुरा, एमआई रोड, महेश नगर और मानसरोवर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच प्रदेश में आज 7093 सैंपल की जांच की गई।

डॉक्टर्स के सुर ताल ने बांधा समां

जयपुर के सीतापुरा में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आईएसजीकॉन में म्यूजिकल नाइट में सिंगर रविन्द्र उपाध्याय सहित डॉक्टरों ने गीतों की प्रस्तुतियां दीं।

जयपुर। पेशेंट्स का इलाज करने वाले हाथों ने जब माइक थामा तो स्टेज पर अपने सुरों से समां बांध दिया। मौका था इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी की ओर से आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आईएसजीकॉन-2023 में प्री कॉन्फ्रेंस म्यूजिकल नाइट सुपर सिंगर का। बॉलीवुड सिंगर रविन्द्र उपाध्याय ने म्यूजिकल नाइट की शुरुआत की।

कॉन्फ्रेंस के ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. रमेश रूप राय ने बताया कि गुरुवार से आईएसजीकॉन के साइंटिफिक सेशन शुरू हो जाएंगे। वही शाम को उद्घाटन सत्र आयोजित होगा जिसमें बॉलीवुड महानायक अमिताभ बच्चन बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इस दौरान वे इंस्पिरेशनल स्पीच देंगे।

ऑर्गनाइजिंग जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. अनुराग गोविल और ट्रेजरार डॉ. मुकेश कल्ला ने बताया कि म्यूजिकल नाइट में डॉक्टर्स ने दिवंगत म्यूजिक डायरेक्टर आरडी बर्मन की पुण्यतिथि पर उनके गाने गाकर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान डॉक्टर्स

- आईएसजीकॉन 2023 में हुई प्री कॉन्फ्रेंस म्यूजिकल नाइट सुपर सिंगर

ने ओ मेरे दिल के चैन, बड़े अच्छे लगते हैं, ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे जैसे गाने गाए। कार्यक्रम में डॉ. एसपी मिश्रा, डॉ. सीसी चोबल, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. जितेंद्र सिंह मक्कड़, डॉ. विनायक कल्ला समेत 25 डॉक्टर्स ने अलग-अलग प्रस्तुतियां दी। ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. संदीप निझावन और जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. अमित माथुर ने भी प्रस्तुति दी।

राजस्थान में चुनावी बिगुल फूंकेगा प्रवासी प्रकोष्ठ

- 8 जनवरी को जयपुर में होगा मंथन
- देश-विदेश के 250 प्रतिनिधि भाग लेंगे

जयपुर। राजस्थान में होने वाले आगामी 2023 के चुनावों को लेकर भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ जयपुर में 8 जनवरी को जुटेगा। प्रदेश संयोजक राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर कार्यशाला में मंथन किया जाएगा। इसमें देश-विदेश के समन्वयक जुड़ेंगे।

मंगोड़ीवाला ने बताया कि राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियाँ की प्रेरणा से भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ 8 जनवरी को एक कार्यशाला इन्द्र लोक भट्टारक जी की नसियां आयोजित होगी। इस कार्यशाला मे देश- विदेश महाराष्ट्र, गोवा,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, शेष भारत, नेपाल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, पश्चिम बंगाल, चेन्नई, बैंकॉक, जापान, जर्मनी आदि जगहों से चुनिंदा 250 प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसके साथ ही प्रवासी प्रकोष्ठ के सभी प्रदेश कार्यकारणी सदस्य एवं जिला संयोजक व जिला सह संयोजक उपस्थित रहेंगे। कार्यशाला में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सतीश पूनियाँ, प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्र शेखर, सांसद रामचरण बोहरा, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, प्रदेश कोषाध्यक्ष तथा प्रवासी प्रकोष्ठ प्रभारी पंकज गुप्ता तथा ज़िलाध्यक्ष जयपुर शहर राघव शर्मा का पाथेय प्राप्त होगा। राजस्थान चुनाव के संदर्भ में देश विदेश में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों के सुझाव भी आमन्त्रित किए जाएंगे। इसमें प्रवासी चुनाव में कैसे भागेदारी निभाएंगे, इस पर भी विचार होगा तथा उनकी जिम्मेदारियां भी तय की जा सकती हैं।

प्रदेश संयोजक राजू अग्रवाल मंगोड़ीवाला ने बताया कि गुजरात चुनावों में जीत के बाद में राजस्थान में भाजपा की सरकार बनाने के लिए प्रवासी बंधुओ ने ठाना है कि वह इस बार राजस्थान में भाजपा की सरकार बनाकर दम लेंगे। इसलिए वो 8 जनवरी को होने वाली कार्यशाला में भाग लेने के लिए जयपुर आ रहे हैं। प्रवासी राजस्थान वासियों के स्वागत- सम्मान की तैयारियों को लेकर 20 कमेटियां बनाई गईं हैं।

ज्ञातव्य है कि देश विदेश के कोने कोने में राजस्थानी बड़ी संख्या में निवासरत है और राजस्थान की संस्कृति व माटी से जुड़ाव बनाये रखने हेतु प्रवासी प्रकोष्ठ प्रतिबद्ध है।कार्यक्रम को अंतिम तैयारियों हेतु बैठक में प्रदेश सहसंयोजक शंकर सिंह राजपुरोहित, तेजराज सोलंकी, कमल पुंगलियां, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पी.सी.सांघी, संदीप वाजपेयी, राजेश डागा, मुकेश विजय, अंकुर मोदी जयपुर ज़िला संयोजक विजय केडिया सह संयोजक नवीन अग्रवाल व गौरव गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

फसल पर जमी बर्फ, कोहरे ने रोकी वाहनों की रफ्तार

श्रीमाधोपुर के आस-पास सरसों, चना की फसल पर बर्फ जमी

श्रीमाधोपुर कस्बे के ग्रामीण क्षेत्र में गेहूं की फसल पर जमा बर्फ।

- सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ाई, रवि की फसल में नुकसान होने की संभावना
- वाहनों की लाइट जलाकर सफर तय करना पड़ा

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बा श्रीमाधोपुर सहित आसपास के ग्रामीण इलाके में लगातार मौसम में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। तापमान में लगातार गिरावट के साथ-साथ सर्दी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं।

रोहिताश शकूरनिया ने बताया कि बुधवार सुबह-सुबह कस्बे निकटवर्ती ग्राम जयरामपुरा की ढाणी टिकरिया, लूणावाली, चक किशनपुरा, कांकड़ा वाली आदि आस-पास की ढाणियों व आस-पास खेतों में बर्फ की चादर बिछी दिखाई दी। पाला पड़ने से रवि की फसल में काफी नुकसान होने की संभावना है। रवि की फसल जैसे सरसों, चना, जो आदि में बर्फ जमी हुई नजर आई, जिसके साथ-साथ शीतलहर का प्रकोप भी देखने को मिला। लगातार बढ़ रही सर्दी से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त होता नजर आया। आमजन सर्दी से बचने के लिए तरह-तरह के जतन करते हुए नजर आ रहे हैं। सर्दी से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं ।

इलाके में कोहरा छा जाने से सुबह-सुबह वाहनों को आने जाने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ा ,कई वाहन चालकों को कोहरे की वजह से वाहनों की लाइट जलाकर सफर तय करना पड रहा है। ठिठुरन भरी सर्दी के कारण जहां बाजार देरी से खुले वही शाम को जल्दी ही बाजारों में विरानी छाने लग जाती है।

टोंक में घना कोहरा छाया, ठंड से बेहाल लोग

टोंक शहर में कोहरे के कारण वाहन रेंगते नजर आए।

- लोग जगह-जगह अलाव जलाकर तपते नजर आए

टोंक, (निसं)। टोंक शहर में दूसरे दिन भी बुधवार को तड़के से ही घना कोहरा छाया रहा और लोग ठंड से बेहाल रहे। रातभर ओस गिरती रही जिससे घरों की छतें, पेड़ गीले होकर उनसे ओंस की बूंदें गिरती रही। सुबह से ही कोहरा होने से लोग अपने दैनिक कार्यों के दौरान गर्म कपड़ों में लिपटकर काम करते हुए नजर आए। कोहरे के दौरान सुबह लोग जगह-जगह अलाव जलाकर तपते हुए नजर आए और सर्दी से राहत पाते हुए नजर आएं। दोपहर साढे 12 बजे बाद धूप निकलने के बाद लोगों को ठंड से आराम मिला और शाम होने के साथ ही लोग अपने घरो में दुबक गए।

हिण्डौन में पारा पांच डिग्री दर्ज

- आगामी 5 दिनों तक कोहरा व शीतलहर बढ़ने की चेतावनी

हिण्डौन सिटी, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में मंगलवार को सर्दी के तीखे तेवर नजर आए। सुबह घना कोहरा छाया रहा। वही दोपहर से शीतलहर ने कंपकपी बढा दी। दोपहर 12 बजे तक भी वाहन को हैड लाइट जलाकर सफर करना पडा। सर्दी से बचाव के लिए लोग अलाव तापते दिखे। कृषि मौसम वैज्ञानिक एम के नायक ने बताया कि सोमवार को न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी के साथ मौसम विभाग के अनुसार आगामी 5 दिनों तक कोहरा बढने के साथ दिन में भी शीतलहर चलने की चेतावनी दी गई है। सर्दी के असर बढने के साथ ही कृषि विभाग अधिकारियों ने किसानों को रात में सिंचाई के दौरान सावधानी बरतने और पशु पालकों को पशुओं के सुरक्षा करने के लिए सजग किया है। दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर संचालित कई ट्रेनें उत्तर भारत और दिल्ली में कोहरे के कारण कई घंटे देरी से चल रही है। हिंडौन रेलवे स्टेशन पर ठहराव वाली ट्रेनों में स्वर्ण मंदिर मेल करीब 5 घंटे देरी से पहुंची। वही नंदा देवी एक्सप्रेस निर्धारित समय से 2 घंटे की देरी से पहुंची। भागलपुर गांधी धाम करीब 8 घण्टे कोटा-पटना 2 घंटे, अवध एक्सप्रेस 4 घंटे देरी से चल रही है। ट्रेनों की देरी से संचालन के कारण यात्रियों को रेलवे स्टेशन पर काफी परेशान होना पड़ा।

गौकशी के विरोध में गंगापुर बंद आज

गंगापुर सिटी, (निसं)। गंगापुर बंद को लेकर बुधवार को आगे की रणनीति बनाने एवं निर्णय लेने के लिए एक निजी होटल में गंगापुर शहर के समस्त व्यापारीगणों, सर्वसमाज के समस्त प्रबुद्धजनों सहित समस्त सामाजिक संगठनों के पदाधिकारीगणों एवं सदस्यगणों की आवश्यक बैठक हुई जिसमें 5 दिसम्बर 2022 को गंगापुर शहर के समस्त व्यापारीक प्रतिष्ठानों को गौकशी के मामले को लेकर प्रशासन द्वाराआवश्यक कार्यवाही नहीं किए जाने के विरोध में बंद रखने का आव्हान किया गया है । पिछले दिनों नगर परिषद के डंपिंग यार्ड में हुई गौ कशी की घटना के विरोध में विगत कई दिनों से उपखण्ड अधिकारी कार्यालय के बाहर क्रमिक अनशन व सोमवार से शुरू हुई भुख हड़ताल 15वें दिन भी जारी रही।

सोमवार से गौभक्तों द्वारा भूख हड़ताल भी शुरू कर दी गई है। लेकिन प्रशासन के द्वारा गौकशी के आरोपियो एवं दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाही नहीं किए जाने से सर्व समाज में रोष बढता जा रहा है। प्रशासन के द्वारा दिए गए समय सीमा के गुजर जाने के बाद गौ भक्तो ने गुरूवार को गंगापुर बंद का आह्वान किया है। इसके साथ ही शहर के प्रमुख हृदयस्थल चौक बाले बालाजी से प्रात: 10 बजे सभी सर्व समाज के लोग प्रशासन से गौकशी के मामले में गोकशी मामले में लिप्त अधिकारीयों के खिलाफ कार्यवाही एवं अपराधियों की अतिशीघ्र गिरफ्तारी सहित अन्य कई मांगो को लेकर रैली के रूप में मिनी सचिवालय पहुंचकर संवैधानिक प्रधान राज्यपाल के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया जाएगा।

गौ माता संघर्ष समिति ने शहर के सभी छोटे बडे व्यापारिक संगठनो से अपने अपने प्रतिष्ठानो को बंद रख कर बालाजी चौक से निकलने वाली रैली में शामिल होने की अपील की है। क्रमिक अनशन के सोमवार से भूख हडताल में बदलने के बाद बुधवार को भी गौ सेवक भूख हडताल पर रहे।इस दौरान भूख हडताल पर सुरेश सैंगर, गोविन्द नारायण, देवी लाल योग सहित कई गौ सेवक रहे।

गंगापुर सिटी में भूख हड़ताल पर बैठे गौ भक्त।

- व्यापारिक, सामाजिक व धार्मिक संगठन व सर्व समाज राज्यपाल के नाम एसडीएम को सौपेगा ज्ञापन

पूनिया ने परिजनों का बंधाया ढांढस

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। सीकर के पलसाना में हुए सड़क हादसे को लेकर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष व आमेर विधायक सतीश पूनिया बुधवार को सामोद गांव पहुंचे। प्रदेशाध्यक्ष व विधायक सतीश पूनिया ने मृतकों के घर जाकर परिजनों से मिले और उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष व आमेर विधायक सतीश पूनिया, चौमूं विधायक रामलाल शर्मा ने आश्रितों को एक माह का वेतन देने की घोषणा की।

- आश्रितों को एक माह का वेतन देंगे पूनिया व चौमू विधायक
- पीड़ित परिवारों की मदद के लिए प्रधानमंत्री को लिखा जाएगा पत्र

चौमू विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि सड़क हादसे में मृतकों के आश्रितों की मदद के लिए एक अकाउंट जनरेट किया जाएगा। प्रदेशाध्यक्ष व आमेर विधायक सतीश पूनिया व मेरे द्वारा 1 माह का वेतन मृतकों के परिजनों को सहायतार्थ दिया जाएगा। जल्द ही पीड़ित परिवारों को सहायता के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखा जायेगा।

दुकानों पर चला परिषद का बुलडोजर

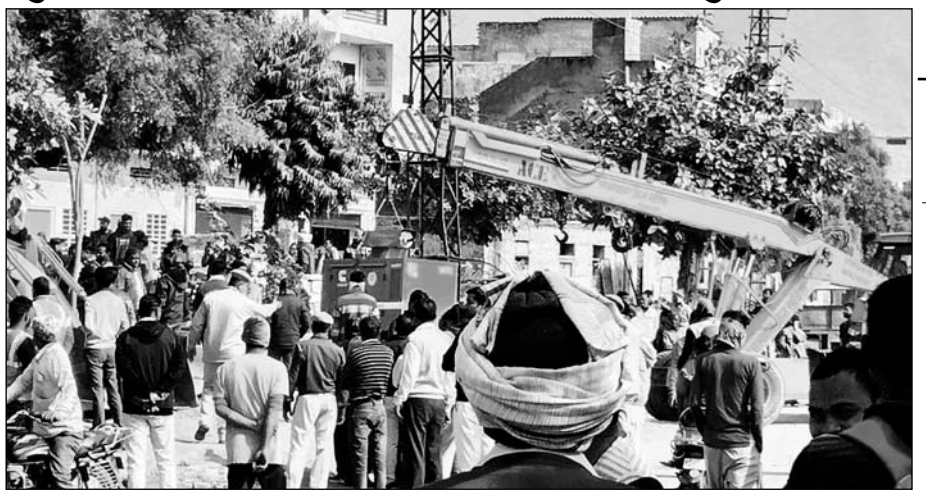

हाईकोर्ट के आदेश के बाद आलनपुर सर्किल पर अतिक्रमण हटाता नगर परिषद का दस्ता।

सवाई माधोपुर, (निसं)। जिला मुख्यालय के आलनपुर सर्किल से लेकर सर्किट हाउस तक चिन्हित किए गए तीन दर्जन से भी अधिक पक्के अतिक्रमण पर बुधवार को नगर परिषद का बुलडोजर जमकर चला। नगर परिषद एंव प्रशासन द्वारा भारी पुलिस जाब्ते के साथ सख्ती पूर्वक चिन्हित अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई। सर्किट हाउस से आलनपुर सर्किल तक किए गए अतिक्रमण के खिलाफ जनहित याचिका हाईकोर्ट में दायर की गई थी। जनहित याचिका पर उच्च न्यायालय द्वारा फैसला सुनाते हुए नगर परिषद को सडक के दोनों और किए गए अतिक्रमण ध्वस्त करने के आदेश दिए गए थे। कार्यवाही के लिए तहसील प्रशासन को भी आदेशित किया गया था कि नगर परिषद के साथ मिलकर संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को अंजाम दें। न्यायालय के आदेशों की पालना में नगर परिषद आयुक्त एंव तहसीलदार आदि अधिकारी बड़ी तादाद में पुलिस इमदाद के साथ मौके पर पहुंचे और अतिक्रमण हटाने के लिए चार जेसीबी बुलाई गई ।जहां एक के बाद एक कच्चे तथा पक्के एवं पुख्ता निर्माण जेसीबी तथा कटर मशीन की सहायता से ध्वस्त किये गए। इस अवसर पर अतिक्रमण हटाओ दस्ते को लोगों के विरोध का भी सामना करना पड़ा। लोगों ने अतिक्रमण हटाने के दौरान भेदभाव के आरोप लगाए।

पाली। जोधपुर पाली बॉर्डर पर बसे निम्बली गांव में बुधवार को 18 वीं नेशनल स्काउट-गाइड जम्बूरी का शुभारम्भ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया। उन्होंने ध्वजारोहण कर स्टेडियम का निरीक्षण किया। राष्ट्रपति ने जम्बूरी में संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट-गाइड देश का सबसे बड़ा संगठन है। जिसे और बढ़ाने की जरूरत है। सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि राष्ट्रपति का आना हमारे लिए गर्व की बात है। बीएसएफ की ओर से सूर्य किरण विमान से आसमान में करतब दिखाए गए।

'नगर निगम के फर्जी पट्टा प्रकरण में मंत्री सुभाष गर्ग गड़बड़ी के मुख्य कर्ताधर्ता'

भरतपुर में भाजपा के प्रदेश महामंत्री मंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रेस वार्ता कर राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग पर लगाए आरोप

भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल व जिलाध्यक्ष डॉ. शैलेष ने भरतपुर के एक होटल में प्रेसवार्ता की।

- भजन लाल ने कहा कि भरतपुर का प्रशासन एवं पुलिस मंत्री गर्ग के दबाव में कर रहे कार्य
- मंत्री सुभाष गर्ग के द्वारा फर्जी पटटा प्रकरण में एसओजी जांच की घोषणा करने के बाद भी जांच नहीं कराने को लेकर उठाए सवाल

भरतपुर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी जिला भरतपुर की जन आक्रोश यात्रा को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा एवं जिला अध्यक्ष डॉ शैलेश सिंह ने ईगल नेस्ट होटल भरतपुर में प्रेस वार्ता की। प्रेस वार्ता का संचालन जिला प्रवक्ता नरेश सेन ने किया। प्रेस वार्ता में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष गिरधारी गुप्ता, अभयवीर सिंह सोलंकी, जिला महामंत्री बृजेश अग्रवाल, भगवानदास शर्मा, जिला मंत्री कालीचरण धनगर, मुकेश सिंघल, संभाग मीडिया प्रभारी शैलेश कौशिक, जनाक्रोश यात्रा के सह संयोजक अरुण प्रधान उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि भरतपुर शहर की बहुपतीक्षित आवासीय योजना सेक्टर नंबर 13 को स्थानीय विधायक एवं मंत्री के इशारे पर चुनिंदा भू माफियाओं को लाभ पहुंचाने के लिए लटका दिया गया है। जहां एक और राजस्थान सरकार पूरे प्रदेश में पट्टे आवंटित करने के नाम पर अपनी पूरी वाहवाही लूट रही है। वही भरतपुर शहर में नगर निगम द्वारा इस पट्टा अभियान को अपने भ्रष्टाचार का स्रोत बना लिया है नगर निगम द्वारा जहां एक और आमजन को पट्टे आवंटित करने में तमाम कार्यवाहीओ के नाम पर लटकाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर नगर नगर निगम ने अभी तक जो फर्जी पट्टे जारी किए हैं उनके बारे में कोई भी उचित कार्यवाही नहीं की गई है। इस फर्जी पट्टा प्रकरण में अभी तक 4 एफआईआर हो चुकी हैं जिनमें से 2 गिरफ्तारियां भी हो चुकी हैं इस मामले में दीपावली से पहले मंत्री ने यह कहा था कि एसओजी से जांच कराई जाएगी। इस प्रकरण में मेरा कोई व्यक्ति नहीं है लेकिन आज तक ना तो इसकी जांच कराई है और ना ही कोई कार्यवाही हुई है और जो जांच हुई थी। उसका आज तक कोई खुलासा नहीं किया गया है।

इस मामले में छोटे कर्मचारियों को बलि का बकरा बना दिया गया है। जबकि बड़े मगरमच्छ जिनमें चाहे हुए जनप्रतिनिधि हो चाहे बड़े प्रशासनिक अधिकारी किसी पर अभी तक कोई कार्यवाही राजनीतिक दबाव के कारण नहीं की गई है जिला प्रशासन द्वारा भी जो प्रशासनिक कमेटी बनाई उसने भी केवल राजनीतिक दखलंदाजी के दबाव में खानापूर्ति कर इतिश्री कर दी। जबकि आज तक सब रजिस्टार ऑफिस द्वारा जारी पट्टों के पंजीकरण की सूची का मिलान नगर निगम की सूची से नहीं किया गया है। क्योंकि अगर यह मिलान हो जावे तो बड़े मगरमच्छ पर गाज गिरेगी।

आग से कैमिकल गोदाम हुआ स्वाहा

उदयपुर, (कास)। बुधवार को सूरजपोल थाना इलाके के खांजीपीर की सैफी कॉलोनी में स्थित एक कैमिकल गोदाम आग लगने से गोदाम मे रखा सारा समान जलकर राख़ हो गया। आग की लपटे इतनी तेज़ थी की गोदाम के बाहर खड़ी दो कारे भी इस आग की भेट चढ़ गयी आग की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची दमकलों ने करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

दोपहर एक बजे के लगभग सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी गयी। सूचना पर पांच दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू हुआ । आग को काबू में नहीं आता देख जहाँ दमकल वाहनों का मौके पर पहुंचना जारी रहा। करीब ढाई घंटे में बीस से ज़्यादा दमकल वाहनों के जरिये आग पर काबू पाया ।दमकल विभाग के बीस से जूयादा कर्म कर्मचारी और होमगार्ड के जवान जुटे। इस दौरान पुलिस के जवान भी भीड़ को काबू करने के लिए खासी मशकत करते दिखाई दिए। मकान मे रखे हुए पांच रसोई गैस सिलेण्डर निकाले ताकि आग बढ़ ने पर बड़ा हादसा टाला जा सके। क्षेत्रवासियों ने हिम्मत दिखाते हुए वहा से गीली रेत तागारियो में भरकर आग बुझाने में मदद करना शुरू कर दिया। दोपहर तीन बजे तक आग लगभग काबू में आ चुकी थी। इस दौरान कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। आग की सुचना के बाद जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा भी मौके पर पहुंचे।

राजस्थान में रिश्वतखोरों की गिरफ्तारी पर नाम-फोटो जारी नहीं करेगी एसीबी

एडीजी हेमन्त प्रियदर्शी ने एसीबी महानिदेशक का अतिरिक्त चार्ज संभालते ही जारी किया आदेश

जयपुर (कासं)। राजस्थान में रिश्वतखोरों को रंगे हाथ घूस लेते गिरफ्तार करने के बाद भी भ्रष्टाचार निरोध ब्यूरो (एसीबी) उनकी फोटो व नाम मीडिया में जारी नहीं करेगी। सिर्फ विभाग का नाम और पद की जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। एडीजी हेमन्त प्रियदर्शी ने बुधवार को एसीबी महानिदेशक का अतिरिक्त कार्यभार संभालने के बाद यह आदेश जारी किया।

हेमन्त प्रियदर्शी ने सभी चौकी व यूनिट प्रभारियों को यह आदेश दिया है कि जब तक एसीबी द्वारा ट्रेप व्यक्ति पर अपराध सिद्ध नहीं हो जाता, तब तक उसकी फोटो और नाम मीडिया में या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं दिया जाएगा। जिस भी आरोपी को पकड़ा जाएगा, उसकी सुरक्षा और मानवाधिकार की जिम्मेदारी ट्रैप करने वाले अधिकारी की रहेगी।

यह आदेश विवादित इसलिए माना जा रहा है कि राजस्थान में भ्रष्ट अफसरों व दलालों की पहचान उजागर करने के लिए एसीबी अब तक प्रत्येक ट्रैप की कार्यवाही में फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी कराती थी। इसके बाद बाकायदा फुटेज और फोटो समाचार पत्रों व न्यूज चैनलों को जारी भी करती थी। इसका मकसद यह होता था कि जिस भ्रष्ट अफसर व निजी व्यक्ति को पकड़ा गया है, उसके कारनामे से अधिक से अधिक लोक वाकिफ हो सके। फोटो-वीडियो सामने आने के बाद एसीबी के प्रति आम जनता का विश्वास बढ़ता था। धीरे-धीरे समय बदला और एसीबी के अधिकारियों ने ट्रैप कार्रवाई के बाद मौके पर मीडिया को बुलाना शुरू कर दिया। पूरी कार्रवाई मीडिया को दिखाई जाती थी, ताकि पूरी डिटेल के साथ रिपोर्ट आम लोगों के सामने आ सके। यहां तक कि रिश्वत लेते ट्रैप हुए आरोपियों के घर-ऑफिस पर चल रहे सर्च तक की फोटो-वीडियो जारी करती थी।

बुधवार को जैसे ही नये कार्यवाहक एसीबी महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी ने ट्रैप हुए रिश्वतखोर का नाम व फोटो जारी नहीं करने का आदेश जारी किया तो अब एसीबी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। सवाल उठने लगा है कि रिश्वत के आरोपियों की फोटो और नाम छुपाकर एसीबी क्या करना चाहती है, इसको लेकर कोई साफ जवाब नहीं मिल पा रहा है।

- **इस प्रकरण में एसीबी महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी का कहना है कि एसीबी द्वारा ट्रेप व्यक्ति पर जब तक अपराध सिद्ध नहीं हो जाता, तब तक उसकी फोटो और नाम जारी नहीं करेंगे, जिस भी आरोपी को पकड़ा जाएगा, उसकी सुरक्षा और मानवाधिकार की जिम्मेदारी ट्रैप करने वाले अधिकारी की रहेगी।**
- **जबकि अब तक एसीबी द्वारा जितनी भी ट्रैप की कार्यवाही तथा आरोपियों के ठिकानों पर सर्च किया जाता था, उसकी फोटो और वीडियो बाकायदा प्रेस नोट के साथ जारी किया जाता था**

कांग्रेस का हाथ, भ्रष्टाचार के साथ : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर (कासं)। एसीबी के नवनियुक्त कार्यवाहक हेमंत प्रियदर्शी द्वारा राजस्थान में एसीबी द्वारा ट्रैप किये जाने वाले व्यक्ति का नाम व फोटो उजागर नहीं करने के आदेश को लेकर भाजपा नेताओं ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। उपनेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा विधायक राजेन्द्र राठौड़ ने टवीट् किया कि " कांग्रेस का हाथ भ्रष्टाचार के साथ। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के तथाकथित मॉडल स्टेट राजस्थान में भ्रष्टाचारियों को अभयदान देने के लिए अब उनके फोटो व नाम को मीडिया में उजागर नहीं करने का तुगलकी फरमान निकालकर प्रेस की स्वतंत्रता का हनन किया जा रहा है।"

कुलपति सचिवालय का गेट तोड़कर छत पर चढ़े रहे छात्र

राजस्थान यूनिवर्सिटी परिसर में छात्रों ने दिनभर रजिस्ट्रार के खिलाफ नारेबाजी की, शाम को पुलिस ने नीचे उतारा

राजस्थान यूनिवर्सिटी में बुधवार को कुलपति सचिवालय की छत पर जब प्रदर्शनकारी छात्र चढ़े तो नीचे भी विद्यार्थियों की भीड़ एकत्रित हो गई। फोटो-राष्ट्रदूत

जयपुर (कासं)। राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय पर बुधवार को जमकर हंगामा देखने को मिला। कुलपति सचिवालय पर रिसर्च एसोसिएट प्रोफेसर्स के पिछले 9 दिन से जारी धरने के समर्थन में छात्रों ने जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। छात्र कुलपति सचिवालय का पिछला गेट तोड़कर छत पर चढ़ गए और कुलपति के साथ ही रजिस्ट्रार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। उन्होंने कहा कि सिंडीकेट की बैठक में हुए निर्णयों को दरकिनार करते हुए विवि. प्रशासन मनमर्जी कर रहा है। प्रदर्शनकारी छात्र करीब साढ़े पांच घंटे तक कुलपति सचिवालय पर डटे रहे। शाम छह बजे बाद छात्र पुलिस की समझाइश पर कुलपति सचिवायल की छत से नीचे उतरे। गौरतलब है कि राजस्थान विश्वविद्यालय के छह रिसर्च एसोसिएट प्रोफेसर प्रमोशन की मांग को लेकर धरने पर बैठे हुए है। इन शिक्षकों को प्रमोशन दिलाने के लिए अब छात्र शक्ति लामबंद होना शुरू हो गई है। मंगलवार को भी एबीवीपी ने शिक्षकों के समर्थन में प्रदर्शन किया था और रजिस्ट्रार का पुतला फूंका था।

75 फीसदी अफसर ऑफिस से नदारद

जयपुर। सरकारी दफ्तरों में कर्मचारी-अधिकारी अपने काम को लेकर कितने जिम्मेदार है। इस दावे की पोल आज राज्य प्रशासनिक सुधार विभाग की टीम के औचक निरीक्षण में खुल गई। जयपुर हैरिटेज नगर निगम में बुधवार को 7 अफसरों की टीम ने औचक निरीक्षण किया तो वहां 75 फीसदी कर्मचारी-अधिकारी गैरहाजिर मिले। इसमें बड़ी बात ये है कि यहां टीम को एक भी राजपत्रित (गजेटेड ऑफिसर) रैंक का अधिकारी उपस्थित नहीं मिला, जबकि उनके चैम्बर में लाइट-हीटर ऑन मिले।

प्रशासनिक सुधार विभाग के डिप्टी सेक्रेट्री कल्ला राम मीणा के नेतृत्व में टीम बुधवार सुबह साढ़े 9 बजे हैरिटेज निगम मुख्यालय में पहुंची तो देखा पूरा ऑफिस खाली पड़ा है। यहां तक कि मुखिया (कमिश्नर) विश्राम मीणा का भी चैम्बर खाली मिला। खुद कमिश्नर करीब 10:30 बजे मुख्यालय पहुंचे। अधीक्षण अभियंता (सिविल), विधानसभा प्रकोष्ठ, डिप्टी कमिश्नर विजिलेंस, एडिश्नल चीफ इंजीनीयर और डिप्टी कमिश्नर कार्मिक के चैम्बर खुले मिले, जहां लाइटें ऑन थी। इनमें से कुछ अधिकारियों के चैम्बर में हीटर भी पहले से ऑन मिले। वहीं असिस्टेंट टाउन प्लानर (एटीपी), विजीलेंस इंस्पेक्टर के चैम्बर पर तो ताला जड़ा मिला। औचक निरीक्षण करने वाली टीम को लीड कर रहे कल्ला राम मीणा ने बताया कि हमने सभी कर्मचारियों की 9:45 बजे तक की जब बायोमेट्रिक अटेंडेंस की रिपोर्ट निकलवाई तो उसमें 489 कर्मचारी-अधिकारियों में से 360 गैर हाजिर मिले। इसकी रिपोर्ट बनाकर हम प्रिंसीपल सेक्रेट्री प्रशासनिक सुधार को भेजी जाएगी।

सत्यनारायण पाटोदिया ने किया अन्न का त्याग

जैन तीर्थ सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने का विरोध

सत्यनारायण पाटोदिया

जयपुर। जैन तीर्थ सम्मेद शिखर को पर्यटक स्थल घोषित करने के विरोध में जयपुर निवासी सत्यनारायण पाटोदिया ने अनिश्चितकाल के लिए अन्न त्याग कर दिया है।

उन्होंने कहा कि मैं अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे कर चुका हूं और अब 76वां वर्ष प्रारंभ हो गया है। मैं संन्यास आश्रम में आ गया हूं। इसलिए अब समाज की सेवा करके अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहता हूं। धर्म धारण करके अपने जीवन को सफल बनाना चाहता हूं। श्री सम्मेद शिखरजी की पवित्रता को बनाए रखने के लिए और सरकार को जगाने के लिए सम्पूर्ण जैन समाज प्रयत्नशील है । उसका समर्थन करने के लिए मैं आज से अनिश्चितकाल तक अन्न को ग्रहण नहीं करुंगा। भले ही, मैं स्वयं सनातन संस्कृति का हिन्दू हूं।

'सेवारत रेजीडेंट्स को नहीं मिला वेतन'

जयपुर। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल के सेवारत रेजिडेंट डॉक्टर्स को करीब दस महीने से वेतन नहीं मिला है। इससे यह डॉक्टर्स आर्थिक तंगी से जूझ रहे है। सेवारत रेजिडेंट्स डॉक्टर्स का कहना है कि जल्द ही उन्हें वेतन नहीं मिला तो वह आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। डॉ. अमित यादव ने बताया कि एसएमएस मेडिकल कॉलेज में सेवारत रेजिडेंट डॉक्टर्स के केवल 215 पद ही है जबकि 2020 व 2021 बैच में कुल 315 सेवारत रेजिडेंट्स अध्यनरत है। करीब 100 चिकित्सको के सैलरी के लिए पद ही नहीं है। ऐसे में करीब एक साल से सैलेरी नही मिली है। डॉ. यादव ने बताया कि प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज ने करीब दो महीने पहले शासन सचिव को इस बाबत पत्र भी लिखा था लेकिन सक्षम स्तर से अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई। 2022 बैच में भी लगभग 150 सेवारत चिकित्सकों ने इस साल जॉइन किया है।

ओसवाल ग्रुप द्वारा निर्मित श्रीपार्थ प्रेम विहार धाम का उद्घाटन 8 जनवरी को

जयपुर (कासं)। ओसवाल सोप ग्रुप द्वारा स्वर्गीय दादा-दादी सीतादेवी देशराजजी व स्व. मातुश्र गुणमाला जैन की पुण्य स्मृति में श्रीपार्थ प्रेम विहार धाम का निर्माण कराया गया है। श्रीपार्थ भक्ति प्रेम फाउण्डेशन जयपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार अजमेर हाईवे पर महला के पास निर्मित श्रीपार्थ प्रेम विहार धाम का उद्घाटन 8 जनवरी को प्रातः 9. 30 बजे कुलचंद्र सुरीश्वर (के.सी) म.सा.की उपस्थिति में किया जाएगा। ओसवाल

सेवा परिवार के देवेन्द्र कुमार ओसवाल, सुरेन्द्र कुमार ओसवाल, यतेन्द्र कुमार ओसवाल एवं वीरेन्द्र कुमार ओसवाल ने आग्रह किया है कि इस पुनीत कार्य में पधार कर संतों का आर्शीवाद प्राप्त करें। प्रेम विहार धाम पंचशील पर्क टोल टैक्स से मात्र 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

मानसरोवर में तीन वेयर हाउस में भीषण आग

जयपुर। मानसरोवर क्षेत्र में मांग्यावास स्थित शिव वाटिका में बुधवार सुबह तीन वेयर हाउस में आग लग गई। आग की लपटें दो किलोमीटर तक दिखाई दीं। कॉलोनी में लोग अपने घरों को छोड़कर दूसरी जगह चले गए। आठ दमकलों ने चार-चार फेरे लगा कर आग पर काबू पाया। आग रह रहकर देर शाम तक लगती रही। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सबसे पहले आग एक किराना स्टोर के वेयरहाउस में लगी। यहां लोहे की वेल्डिंग का काम चल रहा था। आग लगते ही वहां काम कर रहे लोग भाग गए। आग फैलती हुई पास के वेयर हाउस में रखे कपड़ों तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग ने पीछे बने एक और वेयर हाउस को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में एक मकान भी आ गया।

- **दो किलोमीटर दूर तक दिखी आग की लपटें**

नाबालिग किशोरी का देहशोषण

जयपुर (कासं)। नाहरगढ़ इलाके में एक किशोरी की अस्मत लूटने का मामला सामने आया है। थानाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया इलाके निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी है, जिसका आरोप है कि करीब दो साल पहले उसकी 16 वर्षीया बेटी के साथ पढ़ने वाली सहेली गुंजन ने बहला फुसलाकर उसके अश्लील फोटो खींच लिए, जिसके बाद वह ब्लैकमेल कर कैलाश चौधरी नाम के लड़के से उसका देहशोषण करवाती रही। इस काम में गुंजन का साथ उसकी मां और भाई ने भी दिया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

जयपुर डॉग शो 8 जनवरी को होगा

जयपुर । राजस्थान में पहली बार इंटरनेशनल जज डॉग्स को परख कर उन्हें चैंपियन घोषित करेंगे। आगामी 8 जनवरी को जयपुर में कैनल क्लब ऑफ राजस्थान की ओर से आयोजित होने जा रहे जयपुर डॉग शो 2023 में जापान के टोमोनोरी आइजावा और फिलीपींस के सिमोन सिम, देशभर से इकठ्ठे होने जा रही डॉग्स की अलग-अलग ब्रीड्स को जज करेंगे।

कैनल क्लब ऑफ इंडिया के राजस्थान चैप्टर के सेक्रेटरी वीरेन शर्मा ने बताया कि राजस्थान ने केसीआई की यह योग्यता प्राप्त कर ली है जिसमें इंटरनेशनल जज डॉग शो के आ सकते हैं। इससे पहले दिल्ली, मुंबई या बेंगलुरु में आयोजित डॉग शो में ही इंटरनेशनल जजों ने शिरकत की है।

राजस्थान में यह पहला मौका होगा। इस दौरान नगर निगम और कैनल क्लब ऑफ इंडिया द्वारा ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन कैंप भी लगेगा जिसमें डॉग ओनर्स अपने डॉग का जरूरी रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे।

हथियार समेत दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। झोटवाड़ा थाना पुलिस ने वारदात की फ़िराक में घूम रहे दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से देशी कट्टा सहित कारतूस बरामद किया गया है।

एएसआई भंवर लाल ने बताया आरोपित विजेंद्र सिंह (22) निवासी गांव वजियावास, दांतारामगढ हाल गंदा नाला के पास बाइस गोदाम और रविंद्र सिंह (26) निवासी गांव मूंडोता, परबतसर हाल नारायणपुरी, निवारू रोड को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित विजेंद्र के कब्जे से देशी कट्टा एवं रविंद्र के पास से कारतूस बरामद किया गया है।

आरोपित मच्छी मार्केट में किसी वारदात को अंजाम देने आए थे। गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर दोनों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को कोर्ट में पक्ष कर जेल भिजवाया गया है।

'वो दिन भी क्या दिन थे'

जयपुर । सवाईमानसिंह मेडिकल कॉलेज के बैच 1996 की सिल्वर जुबली मीट आयोजित हुई। मीट में देश विदेश के करीब 125 चिकित्सकों ने परिवार सहित भाग लिया। संयोजक समरोह डॉ. आशीष अग्रवाल, डॉ. श्रीनिवास जागिंड, डॉ. लोकेश शर्मा, डॉ.निसार अहमद, डॉ. आनंद भगेरिया, डॉ.अनिल जैन, डॉ. अतुलगुप्ता, डॉ.अपर्णा, डॉ. हेमा, डॉ.सोहना एंड कोम्पल, डॉ. रितु एवं डॉ.अर्चना की देखरेख में सम्पन्न हुआ। पहले दिन कॉलेज में एकत्रित होकर सभी ने वरिष्ठ चिकित्सकों का आर्शीवाद लिया एवं उन्हें सम्मानित किया। अगले दो दिन अजमेर रोड स्थित रिसोर्ट में गीत संगीत एवं एक कल्चरल फेस्टिवल का आयोजन करने के साथ ही नववर्ष का स्वागत किया और सभी ने प्रण लिया कि समाज सेवा में हमेशा अग्रणी रहेंगे।

सार-समाचार

पांच दिवसीय जिफ का आगाज कल

जयपुर। पांच दिवसीय जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (जिफ) का आगाज 6 जनवरी को शाम 4:30 बजे महाराणा प्रताप सभागार में होगा। रेड कार्पेट पर होने वाले इस उद्घाटन समारोह में दो बार के ग्रेमी विनर रिकी केज, हॉलीवुड स्टार पामेला जय स्मिथ और सुमति राम खास आकर्षण केा केन्द्र होंगे। इस मौके पर इन हस्तियों के निर्देशन में जिया नाथ और सनातन चक्रवर्ती अमीर खुसरो को समर्पित नृत्य रचना प्रस्तुत होगी। अभिनेत्री, स्क्रीन प्ले और फिल्म निर्देशक अपर्णा सेन को इस बार जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा जाएगा। उन्हें एक अभिनेत्री और फिल्म निर्माता के रूप में कई पुरस्कार मिल चुके हैं। जिफ के फाउन्डर, डायरेक्टर हनु रोज ने बताया कि फिल्म प्रेमियों को 7 जनवरी से जयपुर के मालवीय नगर स्थित जीटी सेंट्रल के आयनॉक्स में बेस्ट फिल्में देखने का ऑप्शन मिल जाएगा। लोग अपनी पसंद के अनुसार फिल्मों का आनन्द ले सकेंगे। जिफ इस साल अपनी स्थापना का पन्द्रहवां जश्न मना रहा है। सात से 10 जनवरी तक चयनित और पुरस्कृत फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इस दौरान कुल 63 देशों की 282 फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इनमें इंडियन पैनोरमा की 12 फुल लेंथ फिल्मों सहित 61 फुल लेंथ फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी। उद्घाटन समारोह में फिल्मों तथा कला, साहित्य, संस्कृति, सिनेमा और समाज सेवा से जुड़ी अनेक हस्तियां 13 कैटेगिरी में दिए जाने वाले कुल 122 अवॉर्ड विनर्स को पुरस्कृत करेंगी।

स्मैक सप्लायर पुलिस के हत्थे चढ़ा

आरोपी गोपी शर्मा (बैठे हुए)

जयपुर (कासं)। ब्रहमपुरी थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक सप्लायर को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल आरोपी सप्लायर से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) परिस देशमुख ने बताया कि जयपुर शहर में चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान के तहत ब्रहमपुरी थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक आरोपी तस्कर गणेश शर्मा (40) निवासी मकराना जिला नागौर हाल आदर्श नगर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित गोपी शर्मा के खिलाफ पूर्व में पांच आपराधिक मामले दर्ज है। जिनमें से दो मामले झोटवाडा और आदर्श नगर में एनडीपीएस और तीन आपराधिक मामले मकराना जिला नागौर में दर्ज है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार तस्कर से अवैध मादक पदार्थ स्मैक खरीद-फरोख्त के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है।

बिट्स-पिलानी एलुमनी ग्लोबल मीट कल

जयपुर । बिट्स-पिलानी एलुमनी ग्लोबल मीट 2023 (बीजीएम) का 5वा संस्करण बिरला इंटरनेशनल और बिटसा जयपुर चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से 6 से 8 जनवरी जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित किया जा रहा है। चेयरमैन, बीजीएम 2023, कैलाश गुप्ता ने बताया कि मीट के इनॉगरेशन सत्र में मुख्य अतिथि, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल, डॉ.सी वी आनंद बोस और विशिष्ट अतिथि, आईपीएस, एडिशनल सेक्रेटरी, डीपीआईआईटी, भारत सरकार, अनिल अग्रवाल होंगे। मीट के दौरान बिट्स पिलानी, चांसलर, कुमार मंगलम बिरला एलुमनाय डेलिगेट्स को संबोधित करेंगे। बीजीएम में ऐसे वक्ता शामिल है जो समाज के साथ-साथ आने वाली पीढी के लिए भी प्रेरणा स्त्रोत हैं: चीफ एडिटर, पत्रिका, डॉ. गुलाब कोठारी; आईपीएस 88 यूपी कैडर, स्टार्टअप इंडिया चैंपियन, अनिल अग्रवाल; टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च प्रोफेसर एमेरिटस, डॉ.जी.रवींद्र कुमार; ब्रांड कस्टोडिअन, टाटा संस, हरीश भट; डायरेक्टर एचआर, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डॉ.रंजन कुमार महापात्र; सीनियर डायरेक्टर, फ्रेशवर्क्स, प्रीति पद्मनाभन; प्रेजिडेंट, वलसई सोसाइटी ऑफ़ इंडिया, डॉ. सत्य गुप्ता; को फाउंडर, मैप माय इंडिया, राकेश वर्मा; एक्सेक्यूटिव चेयरमैन, विनती ऑर्गेनिक्स, विनोद सराफ; स्क्वाड्रन लीडर (वेटरन), हेड, डीएसजीएस प्रोग्राम डायरेक्टरेट, डस्सॉल्ट सिस्टम्स, सुप्रिया भोसले; फाउंडर प्रेजिडेंट, कंप्यूटर शिक्षा, डॉ. राकेश सूरी; अशोक मित्तल (मेंटर) जैसे कुछ नाम हैं जो बिट्स एलुमनाय के साथ अपना ज्ञान और अनुभव साझा करेंगे।

तन्मय की शॉर्ट फिल्म हॉटस्टार पर

तन्मय सिंह

जयपुर (कासं)। जयपुर के फिल्म निर्माता तन्मय सिंह की शॉर्ट फिल्म, मर्लिन लाइट्स अब डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। पूर्व मिस इंडिया सयाली भगत ने इस फिल्म के जरिए अभिनय के क्षेत्र में वापसी की है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने से पहले से ही काफी सफलता हासिल कर चुकी है। फिल्म को पहले टोरंटो, शिकागो, न्यूयॉर्क, वर्जीनिया, स्पेन और नीदरलैंड में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया जा चुका है। इसके साथ ही फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक सहित 20 से अधिक पुरस्कार भी प्राप्त किए हैं। तन्मय का अगला प्रोजक्ट अभिनेत्री नाम से एक फीचर लेंथ डॉक्यूमेंट्री फिल्म है, जो अभिनेत्रियों के योगदान के माध्यम से भारतीय सिनेमा के इतिहास के बारे में दर्शाती है। अभिनेत्री में नंदिता दास, रसिका दुग्गल, स्वरा भास्कर, रोहिणी हट्टंगडी, ट्यूलिप जोशी, मंजरी फडनिस, रेणुका शहाणे और मधु जैसी कई अभिनेत्रियां शामिल हैं।

डेल्फिक खेलों के लिए आवेदन 8 तक

जयपुर । जवाहर कला केंद्र में 9 फरवरी से राजस्थान डेल्फिक खेलों का आयोजन किया जाएगा। इन खेलों में भाग लेने के लिए 8 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। डेल्फिक काउंसिल राजस्थान की अध्यक्ष और प्रमुख शासन सचिव सहकारिता श्रेया गुहा ने बताया कि यह खेल शास्त्रीय संगीत, भारतीय, फिल्म संगीत, लोकप्रिय संगीत, (भारतीय फिल्म संगीत के अलावा) शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य समकालीन नृत्य फोटोग्राफी (2 श्रेणियाँ) समेत कुल छह वर्गों में 13 फरवरी तक आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक वर्ग के लिए नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डेल्फिक खेलों का आयोजन दो चरणों में होगा। पहला चरण ऑनलाइन होगा, जिसमें चयनित प्रतियोगी जवाहर कला केन्द्र में आयोजित होने वाले द्वितीय चरण के लिए योग्य होंगे।

विनीत बने युवा मोर्चा के प्रदेश संयोजक

जयपुर (कासं)। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रदेश प्रभारी सत्यपाल चौधरी ने जयपुर के सी-स्कीम निवासी विनीत सांखला को राजस्थान युवा मोर्चा का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद के निर्देशानुसार दी गई है।

निकाह का झांसा देकर दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। भट्टाबस्ती इलाके में एक युवती से देहशोषण का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया इलाके में रहने वाली 24 वर्षीया युवती ने रिपोर्ट दी है कि अकील ने उसे निकाह का झांसा देकर दुष्कर्म किया। इसके बाद लगातार देहशोषण करता रहा। अब निकाह का दबाव बनाया तो उसके साथ मारपीट कर दी। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

ARBiT
it happens here...

Veganuary Month

Veganuary Month is a month-long celebration of all things vegan and was created to encourage non-vegans to try out the lifestyle. Often referred to as a lifestyle and not a diet, vegans who practice veganism aim to reduce the suffering of animals, help the planet and improve global health by not eating any animal products, such as meat, dairy, or eggs and also by abstaining from contributing to animal exploitation such as honey production, the creation of leather goods and the industrial farming of animals.

राष्ट्रदूत
THURSDAY
5 January 2023
A-B

#INNOVATION

Life Saving Light Beam To Detect Malaria

The technique is chemical-free, needle-free and detects malaria through the skin using infrared-light - it's literally just a flash on a person's skin and it's done. The device is smart-phone operated, so results are acquired in real time

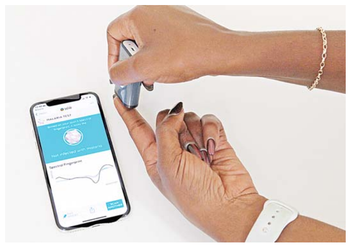

A fast, needle-free malaria detection tool developed by a University of Queensland-led team could help save hundreds of thousands of lives annually.

Malaria is usually detected by a blood test, but scientists have devised a method using a device that shines a beam of harmless infrared light on a person's ear or finger for five-to-10 seconds, it collects an infrared signature that is processed by a computer algorithm.

A device that flashes a harmless infrared light on a person?s finger or ear for five to ten seconds has been created by researchers. This technology gathers an infrared signature, which a computer system analyses. This technique makes it simple and quick to determine whether a whole village or town has malaria or is infected with it. According to experts, the technology would basically change how malaria is fought globally.

International team leader, Dr Maggy Lord from UQ's School of Biological Sciences, said the technology would revolutionise how malaria is fought globally.

"Currently it's incredibly challenging to test large groups of people, such as the population of a village or town - you have to take blood from everyone and mix it with a reagent to get a result," Dr Lord said.

"But with this tool we can find out very quickly whether a whole village or town is suffering from, or carrying, malaria.

The technique is chemical-free, needle-free and detects malaria through the skin using infrared-light - it's literally just a flash on a person's skin and it's done.

"The device is smart-phone operated, so results are acquired in real time."

The researchers believe the technology is the first step to eliminating malaria.

The researchers believe that technology may be used at ports of entry to screen travellers, avoiding the reintroduction of infections and reducing worldwide epidemics. They believe that technology is the first step to eliminating malaria. An added advantage of the technology is that it can also help tackle other diseases.

"According to the World Health Organisation malaria report, in 2020 there were an estimated 241 million cases worldwide and more than 600,000 died from malaria," Dr Lord said.

"Most of the cases are in sub-Saharan Africa, where 90 per cent of deaths are children under five years old.

"The biggest challenge in eliminating the disease is the presence of asymptomatic people in a population who act as a reservoir for transmission by mosquitos.

"The World Health Organisation has proposed large-scale surveillance in endemic areas and this non-invasive, affordable and rapid tool offers a way to achieve that."

The technology could also help tackle other diseases.

"We've successfully used this technology on mosquitoes to non-invasively detect infections such as malaria, Zika and dengue," Dr Lord said.

"In our post-COVID world, it could be used to better tackle diseases as people move around the globe.

"We hope the tool could be used at ports of entry to screen travellers, minimising the re-introduction of diseases and reducing global outbreaks.

"It's still early days, but this proof-of-concept is exciting."

The research is published in PNAS Nexus.

UQ has developed this tool in collaboration with the Instituto Oswaldo Cruz in Brazil, led by Dr Rafael Maciel de Freitas, who has applied the tool to detect malaria in patients who live in the Amazon region, using the tool in the region as an effective tool to detect malaria in patients.

Small vignettes also offer the human sides of the war. It relates the story of how an old woman offered sun flower seeds to a bewildered Russian soldier to put in his pocket; " so it would sprout sunflowers, when he was killed and buried in their soil".

Russia-Ukraine War

Maj Gen Jagatbir Singh VSM (RETD)

#BOOKWORM

With the ongoing Russia-Ukraine War still filling the front pages and impacting the world in different ways, there has been the need for a detailed examination of the war, and the manner in which it could pan out. The book, "Russia -Ukraine War – The Conflict and its Global Impact," written by international award winning writer Ajay Singh, and published by Pentagon Press adequately fulfils the requirement. Meticulously researched and impeccably presented, it provides a detailed analysis of the war and its implication on India and the world.

There is no doubt that the analysis of the subject by Ajay and some of the leading luminaries in their respective fields promises excellent reading and offers valuable insights. The book takes you through the background of the war, and devotes considerable attention to the manner in which the war unfolded - right from the initial offensives towards Kyiv and Kharkiv, the Russian occupation of the South and Donbas, and the Ukrainian counteroffensives both in the Northeast and Kherson. The book takes the reader right up to the recapture of Kherson (in Mid-November) and then explores different scenarios in which the war could end, including an 'Armageddon scenario' in which the likelihood of a Third World War is realistically depicted. Different aspects of the war such as, the conduct of mechanised operations, the use of fire power, the air and naval aspects, the economic costs and consequences, and the nuclear shadow have been covered in detail. And of course, the geo-political impact, including Russia's relationship with China, NATO and US stance, the impact on India and the likely change in global power equations, with the likely emergence of a new world order have been covered in detail. The definitive volume seamlessly weaves together all facets of the war, but could have included issues such as the changing face of warfare, hybrid warfare, strategic communication and the impact of modern technology with emphasis on private players.

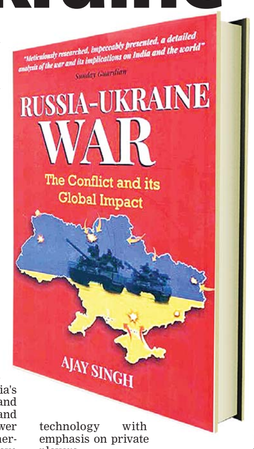

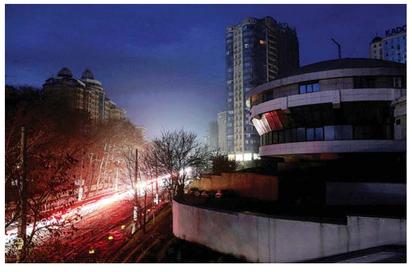

Plausible Reasons

The author often compares the Russia-Ukraine war with the German invasion of the Soviet Union in World War II and draws interesting parallels. From a military perspective it brings out the initial operational mistakes of the Russians - having widely dispersed thrust lines which were not complementary and lacked cohesion, the lack of training and 'over confidence' of the troops who were not clear of their objectives and expected to be received as 'liberators'; some even carried ceremonial uniforms in preparation for a victory parade. The intelligence seems to have got the 'pro-Russian sentiment wrong'.

The airborne assault at Hostomel on the first day of the war has been well written. Contrary to what is commonly believed, the attack was quite audacious and brilliant and would have decided the war in the first week itself, had it succeeded. But the Ukrainians responded swiftly, and repelled the assault with heavy casualties. When the airborne assault failed the onus of capturing Kyiv now rested with the mechanised forces but just when it seemed the two columns would converge; "inexplicably the 64 km long column stopped". The book also brings out the more plausible reasons as to why the column halted - not because it ran out of fuel as is brought out, but because it waited for the complementary thrust from the Northeast to fetch up. Such insights add to the readers understanding of the overall battle.

Small vignettes also offer the human sides of the war. It relates the story of how an old woman offered sun flower seeds to a bewildered Russian soldier to put in his pocket; "so it would sprout sunflowers, when he was killed and buried in their soil".

The book offers separate chapters for the battle of Kharkiv, the campaign in the South (with emphasis on the capture of Mariupol) and the 'cauldron of the Donbas.' The battles are factually covered, and the author uses his military mind to provide a detailed analysis of these battles, including how they could be further developed. Maps and photographs add to the overall effect.

The Ukrainian counter offensive has been analysed in depth and covers both the offensives in the Northeast and the South. The clever use of 'A Matador's Cape' by the Ukrainians to draw the Russians towards the South while they launched their main offensive in the Northeast is well depicted. The book follows the progress of the offensive right till the recapture of Kherson and the present situation where the two armies are now in defensive positions along the lines of the Dnieper and Oskil rivers. The author brings out that though the Ukrainians have re-taken 6000 square kilometres, the Russians still hold over 200000 square kilometres of prime Ukrainian territory. Recovering that will be more difficult, especially with winter having set in.

> In all, the book covers one of the most epochal events of this century, realistically and accurately. It's easy style & narrative brings out the war in the form of a story, which makes it appealing to all interested in warfare, history and contemporary events. Yet, as Ajay warns in the concluding chapter, the war is not over yet, but could continue till the next year & beyond.

Different Facets

While Ajay states that the most desirable end state for Ukraine lies in pushing back Russian troops and retaking all areas this could result in Russia ' resorting to the 'use of nuclear weapons'. The most likely scenario therefore seems to be 'an interminable frozen conflict with neither side being able to change the status quo'.

The book has got together a range of luminaries with expertise on different facets of the war. Lieutenant General PR Shankar, a former Director General of Artillery has written one of the finest pieces on "The Impact of Firepower' and brings out how it remains 'The God of War.' Air Marshal Anil Chopra who heads the Centre for Air Power Studies brings out how 'the Russian inability to control the skies and not completely utilise the air power at their disposal, is one of the most baffling aspects of the war'. And Commodore Anil Jai Singh of the Indian Maritime Foundation brings out the hitherto neglected naval aspects of the war, including the sinking of the MOSKVA" and the strategic importance of the Black Sea and Sea of Azov. While discussing sea control and sea denial he states that 'control of the Black Sea and consequent economic ruin of Ukraine was one of the principal reasons to annex Crimea in 2014 and this conflict, eight years later'.

Maj Gen Jagatbir Singh a Distinguished Fellow with USI, brings out how Ukraine's ambition to join NATO led to the disastrous war. In a very balanced perspective, he also highlights the security implications it would have on Russia. He also brings out the expansion of NATO after explicit promises that the alliance would not 'move one inch eastwards' and how Henry Kissinger himself had warned that it would be a red line for Russia. Paradoxically, the alliance has strengthened after Russia's attack on Ukraine, but he cautions that, "at the end of the day, the long term threat to world peace is not Russia but China."

Theories of War

A very valuable Western Perspective to the War has been brought out by Jason Hall who writes tellingly of how the war - and the bitter hardships that the energy shortages have brought upon Europe - has impacted the lives of ordinary individuals. Equally telling is the chapter "Gas, Grain and Sanctions" which highlights how food, energy and economics have been used as weapons of war.

The culminating chapters cover the impact on India and the World. "The global Impact: New World Order" has been authored by Captain Alok Bansal, Director with India Foundation. He brings out how the 'USA can use this crisis to regain its pole position' in the world order. He also brings out how a rough Russia-China-Iran-North Korea axis can emerge and how it could reshape the new world order. Lieutenant General Raj Shukla, a former ARTRAC Army Commander and reputed strategic thinker talks about the Impact and Lessons for India. With the debunking of many theories of war, the instrument of force has returned to the centre of the power calculus and "crafting a war winning instrument in the highest state of readiness, should be a strategic priority." The parallels between the Russia-Ukraine War and the equation between India and China are very well brought out.

In all, the book covers one of the most epochal events of this century, realistically and accurately. It's easy style and narrative brings out the war in the form of a story, which makes it appealing to all interested in warfare, history and contemporary events. Yet, as Ajay warns in the concluding chapter, the war is not over yet, but could continue till the next year and beyond. Even when the war ends, its effects will ripple across much of this century - very much like the effects of the First World War, and "even when the war ends, it would still not be the concluding chapter, but the start of the next."

writetoarbit@rashtradoot.com

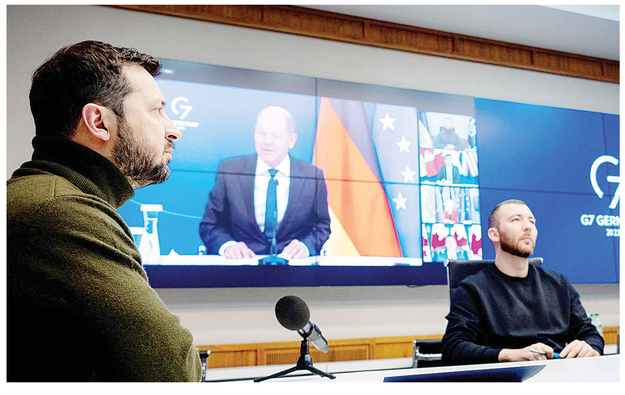

#MIGRATION

Migratory Birds That Brighten India Every Year

The nation extends its famed hospitality to a whole host of migratory birds

Largely a nation blessed with geographical diversity, India fosters a wildlife few other countries can match. While a huge multitude of animals walk its terrain, and an equally impressive number of birds soar its skies, the nation extends its famed hospitality to a whole host of migratory birds as well. It was Mumbai's oddly misplaced flamingos of sewri that inspired the search for them in the first place but upon closer inspection, we found that they were in much more hallowed company.

Plenty of birds seek refuge from either the clod in the North or the heat in the west and the south, and the climate of India provides the perfect escape from both. Here are some of the most fascinating ones.

Rosy Pelican

The Journey: From Europe To North India.

Pelicans are known to possess gigantic beaks - yet, the Rosy Pelican is known for its gigantic wingspan too, which stretches close to 12 feet in length. Like other winter migratory birds, the Rosy Pelican migrates to the north of India, settling down in shallow, fresh water lakes with plenty of fish. Although a majority of these birds settle down in Pakistan, some of them visit India, while some go as far and as high as Nepal. Due to overfishing, the Rosy Pelicans have had to go farther south to look for food, which has brought about a disruption in their habitat. However, on the odd occasion, they might also eat seagulls and ducklings - and sometimes, even steal other birds' food!

Ruff

The Journey: From the Arctic Tundra Region to The Himalayas.

The Ruffs are birds of the Arctic Tundra region. Although they spend the summer months breeding and rearing chicks, the winters pose a huge problem altogether as hell freezes over - literally. The subzero temperatures cause everything, from plants to flowers to insects, to freeze, which propels them to move South. One of their preferred destinations is India, where they can find food in abundance for the growth of their young ones. However, once the breeding season comes around again they move back to the Tundra to repeat the cycle all over again.

Greater Flamingo

The Journey: From Flamingo City to RannOf Kutch's Anda Bet Island

While the Flamingos of Sewri might be renowned all over Bombay, they're actually Lesser Flamingos, found in India and migrate within the country itself. Flocks of Greater Flamingos, however, start descending into Flamingo City to an island called Anda Bet, in the Greater Rann of Kutch which is the largest nesting site of the species in the country. In 2011, around 10 lakh flamingos were recorded in the island. They settle down in the month of October only.

Northern Shoveler

The Journey: From Europe and Northern Asia to The Himalayas

This resident of Europe and Northern Asia, the Northern Shoveler is a species of duck that spends its winters in southern Europe, Africa, the Indian Subcontinent, northern South America, and the Malay Archipelago. A huge population of these birds, which spends its winters in the Indian Subcontinent makes a taxing journey over the Himalayas, often taking a break in wetlands just south of the Himalaya before continuing further south to India. The birds, which reside in marshy wetlands in the north, have seen a tremendous rise in its population in the past four decades, numbering over four million today.

Black-tailed Godwit

The Journey: From Iceland or Russia to North India.

The black-tailed godwits spend their summers in Iceland or Russia - where they breed, eat and raise their young. However, winters are not too kind on these delicate birds up in the north, so they migrate down south - landing in the lowland wet grasslands in North India. The birds prefer the mud and the muck, and can generally be found by inland pools, lakes and marshes. They feed on mostly insects or frogspawn, and walk the mucky lands in India for a good four-five months.

Gadwall

The Journey: From Europe &North America to Bhopal, India.

Myla. Bhuar. Beykhur. If you recognise any of those three names, you'd know we're referring to Gadwall. The tiny brown duck is a common winter visitor in India, travelling many a mile from its home in Europe and North America. Gadwall generally prefers freshwater reedy marshes, jheels and other such low water bodies. It prefers to keep near emergent vegetation for quick availability of food. The bird can be spotted during the winters in north and central India, most notably in Bhopal.

Spotted Redshank

The Journey: Scandinavia to Haryana.

A bird that soars the airs of Scandinavia in the summer turns South-East during the winters. The tiny Spotted Redshank needs a moderate temperature and tropical conditions, as well as wet coniferous forests for its nests. Therefore, the period after monsoons in India is perfect for their survival. The females the eggs and leave India to return to Scandinavia while the young ones hatch in India itself and are taken care of by the males.

THE WALL

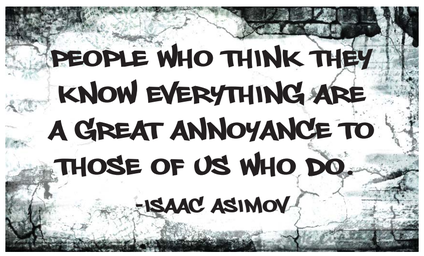

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

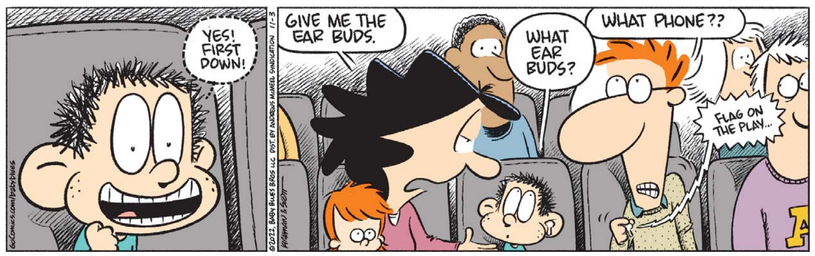

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

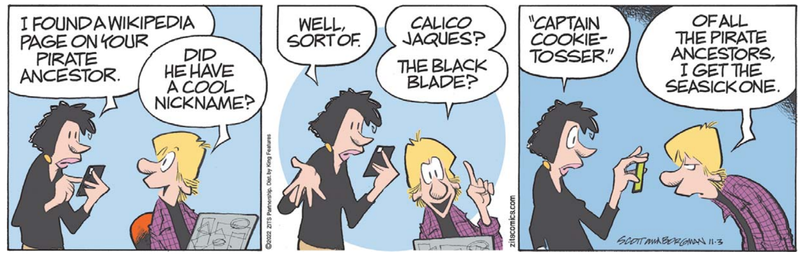

बिजौलिया में सेंडस्टोन के अवैध खनन पर तीन लाख का जुर्माना लगाया

खनिज विभाग ने दो अवैध खननकर्ताओं पर पुलिस केस दर्ज कराया

मांडलगढ़, (निसं)। बिजोलिया उपखंड क्षेत्र के बृजपुरा गांव में राजस्व ,खनन व पुलिस विभाग की सयुंक्त टीम ने सेंडस्टोन अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई की है। अवैध खनन के मामले में दो जनों के खिलाफ बिजौलियां पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है। ओर तीन लाख राशि की पेनल्टी लगाई है। बिजौलियां राजस्व विभाग के गिरदावर भंवरलाल रेबारी ने बताया कि तिलस्वा पटवार हलका के बृजपुरा गांव में बिलानाम सरकारी भूमि आराजी नंबर 66 पर कोटा निवासी बद्री चंद गुर्जर द्वारा अवैध खनन करने की शिकायत मिली थी। जिस पर बिजौलियां राजस्व, खनिज और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर जाकर कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान मौके पर 100 गुना बाई 100 फिट खनन पिट में 40 बाई 30 फिट लम्बाई-चौड़ाई ओर 3 फिट गहराई में सेंड स्टोन का अवैध खनन पाया गया। मौके पर तीन ट्रक सेंड स्टोन पत्थर कटा हुआ भी जब्त किया गया हैं। मौके पर टीम द्वारा कार्रवाई की भनक लगने पर अवैध खननकर्ता मौके से फरार हो गए।

- कार्रवाई के दौरान अवैध खननकर्ता मौके से भाग छूटे

गिरदावर भंवरलाल ने बताया कि बिलानाम सरकारी भूमि में खनन करने पर अवैध खननकर्ता तिलस्वा निवासी सत्यनारायण छिपा, कोटा निवासी अशोक कुमार भड़ाना के विरुद्ध 3 लाख राशि का पंचनामा बनाया गया तथा बिजौलिया थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। कार्रवाई के दौरान बिजौलियां खनिज विभाग के फोरमैन गंगाधर मीणा, रजनीश मीणा, तिलस्वां पटवारी बलराम मीणा, कास्या पुलिस चौकी प्रभारी कैलाश चन्द्र व हेड कांस्टेबल सुनील कुमार मौजूद थे। तहसीलदार धर्मेंद्र स्वामी ने बताया कि सरकारी भूमि में सेंडस्टोन अवैध खनन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिजौलिया के ब्रजपुरा में प्रशासन और पुलिस की टीम ने सेंडस्टोन की अवैध खदान पर कार्रवाई कर पत्थर को जब्त किया।

मंत्री के निरीक्षण में खुली घटिया निर्माण की पोल

मंत्री ने घटिया निर्माण पर नाराजगी जता समिति गठित कर जांच कराने और दोषियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए

पंचायत राज्य मंत्री रमेश मीणा ने लवकुश वाटिका में हो रहे निर्माण का निरीक्षण किया।

करौली, (निसं)। पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा के आकस्मिक निरीक्षण में वन विभाग की ओर से निर्माणाधीन लवकुश वाटिका के घटिया निर्माण की पोल खुल गई। मंत्री ने घटिया निर्माण पर नाराजगी जताते हुए समिति गठित कर जांच कराने और दोषियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए है।

मंत्री रमेश मीणा रणगमा तालाब के समीप वन विभाग की ओर से 90 लाख रुपए की लागत से बनवाई जा रही लव कुश वाटिका का आकस्मिक निरीक्षण किया। चार दिवारी में बजरी, सीमेंट का निर्धारित मात्रा में उपयोग नहीं था और वह खोखली बनाई हुई थी। इस पर मंत्री ने नाराजगी जताई। मंत्री रमेश मीणा ने एडीएम मुरलीधर प्रतिहार, डीएफओ सुरेश मिश्रा पीडब्ल्यूडी के एसई मुरालीलाल सहित अन्य अधिकारियों को मौके पर बुलाया। मंत्री ने चार दिवारी,कमरे और अन्य स्ट्रक्चर को सभी के सामने तुडवा कर घटिया निर्माण कार्य को दिखाया। मंत्री ने घटिया निर्माण पर नाराजगी जताते हुए जांच कराने और घटिया निर्माण को तुडवा कर फिर से गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने के निर्देश दिए।

बजरी माफिया के खिलाफ एसपी ने छेड़ा अभियान

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बदमाशों की धरपकड और बजरी माफिया के खिलाफ आज बुधवार से अभियान छेड दिया है। जिसके तहत एसपी धर्मेंद्र सिंह खुद फील्ड में उतर आए हैं। बुधवार शाम करीब 5 बजे से एसपी सिंह के नेतृत्व में धौलपुर शहर की कोतवाली, निहालगंज और सदर थाने की पुलिस के साथ सीओ सिटी ने संयुक्त रूप से नाकाबंदी की।

एसपी के साथ पुलिस की टीम ने मोरोली मोड से 1 घंटे में 50 से अधिक संदिग्ध वाहनों को जब्त कर थाने पहुंचाया। जिसके बाद एसपी पुलिस टीम के साथ सदर थाना क्षेत्र में पचगांव पुलिस चौकी के पास नाकाबंदी करने पहुंच गए। एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से बाइक सवार बदमाशों द्वारा मोबाइल और चैन स्नेचिंग के साथ राह चलते लोगों के साथ आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने की सूचना मिल रही थी। जिसके बाद बुधवार को एक एक्शन प्लान तैयार कर शहर के तीनों थानों की पुलिस के साथ क्यूआरटी और डीएसटी टीम के जवानों को लेकर नाकाबंदी की शुरुआत की गई है। एसपी ने बताया कि बदमाशों की धरपकड के साथ ही अवैध बजरी के खिलाफ भी पुलिस ने मोर्चा खोला हुआ है। नाकाबंदी से पहले एसपी ने पुलिस टीम के साथ बजरी माफियाओं की धरपकड के लिए मोरोली गांव में दबिश भी दी। क्योंकि सोमवार की रात को शराब की जांच को निकले सीओ सिटी को जान से मारने की नीयत रेत माफियाओं ने पुलिस पर फायरिंग करते हुए बजरी से भरे ट्रैक्टर से सीओ की गाड़ी को टक्कर मार दी थी। जिसे लेकर सीओ की ओर से कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिसे लेकर आज रेत माफिया की धरपकड के लिए मोरोली गांव में दबिश की कार्रवाई की गई। नाकेबंदी के दौरान एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि जिले में किसी भी बदमाश की बदमाशी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपराधी पर 10 हजार का इनाम

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव ने कुख्यात अपराधी लाखन सिंह उर्फ इन्द्रमोहन पुत्र हरि सिंह, जाति जाट निवासी सिकरोरा, थाना कुम्हेर जिला भरतपुर पर 10 हजार रूपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस महानिरीक्षक श्रीवास्वत ने बताया कि कुख्यात अपराधी लाखन सिंह उर्फ इन्द्रमोहन की भरतपुर पुलिस को कुम्हेर थाना में दर्ज लगभग 6 मुकदमों में तलाश है।

पुलिस को इनकी सूचना देने वाले को 10 हजार रूपये इनाम दिया जायेगा एवं पहचान गोपनीय रखी जायेगी। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण में पूर्व में घोषित इनाम राशि को निरस्त कर दिया गया है।

ब्रह्माकुमारी संस्थान में शिव के ध्यान में रमीं राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू

आबूरोड़, (निसं)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय दौरे पर आबू रोड-माउंट आबू पहुंची। दौरे के दूसरे दिन बुधवार को माउंट आबू में ब्रह्माकुमारी संस्थान के ज्ञान सरोवर अकादमी में ब्रह्ममुहूर्त में सुबह 3.30 बजे उठी और करीब 4.30 बजे तक मेडिटेशन किया। राष्ट्रपति ने मेडिटेशन के बाद सुबह 7 बजे आध्यात्मिक सत्संग (मुरली क्लास) में भाग लिया, जो 7.45 बजे तक चली।

इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे ऐसा महसूस होता है मुश्किलों के दौर में परमात्मा मेरी मदद करता है। आपको जीवन में समय से पहले कुछ नहीं मिलता है। समय आने पर सब मिलता है। आज भी पहले की तरह रोज मेडिटेशन के साथ ही सुबह की शुरुआत होती है। अपने प्रवास के दौरान राष्ट्रपति ने ध्यान-साधना, एकांत और सात्विक भोजन को विशेष तरजीह दी।

राष्ट्रपति नाश्ते के बाद सुबह 10 बजे संस्थान के पांडव भवन परिसर पहुंचीं। जहां ब्रह्मा बाबा के समाधि स्थल शांति स्तंभ पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही मेडिटेशन रूम, बाबा की कुटिया, बाबा के कमरे में पहुंचकर एकांत में कुछ देर शिव बाबा का ध्यान किया। हिस्ट्री हॉल में संस्थान के इतिहास को जाना। पांडव भवन में अवलोकन के बाद राष्ट्रपति ने वापस ज्ञान सरोवर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। दोपहर में राष्ट्रपति वायुसेना के विशेष विमान से मानपुर हवाई पट्टी से प्रस्थान कर गईं।

इस मौके पर ज्ञान सरोवर की निदेशिका बीके डॉ. निर्मला दीदी, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, ब्रह्माकुमारीज की संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके शशि दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके शीलू दीदी, मीडिया निदेशक बीके करुणा भाई भी मौजूद रहे।

ठण्ड से बदली लोगों की दिनचर्या

बीदासर, (निसं)। क्षेत्र में गत दो दिनों से पड़ रही कड़ाके की ठण्ड के कारण आम लोगो की दिनचर्या ही बदल गई है। सुबह के समय पेड़-पौधों व वाहनों पर बर्फ जम रही है। वहीं दिनभर चल रही शीत लहर से सर्दी के बचाव के लिये लोग अलाव का सहारा ले रहे है। सर्दी के चलते बाजारों में भी चहल पहल नही है। वहीं बुधवार की सुबह 8 बजे के बाद घना कोहरा छा गया। गहरे कोहरे ने कस्बे को अपनी आगोश मे ले लिया। कोहरे के चलते वाहन भी रेंगते हुये चले। गहरे कोहरे के चलते दूर तक कुछ दिखाई नहीं दिया। वहीं शीत लहर व कोहरे के चलते हाड़कंपा देने वाली ठण्ड से लोगों को राहत नहीं मिल रही है। कोहरे के चलते सुर्य देवता के दर्शन भी 10 बजे के बाद हल्की धुप निकलने के बादक हुये।

मिनरल फैक्ट्री पर खनिज विभाग व पुलिस की कार्रवाई

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र के बीगोद में रीको में एक मिनरल फैक्ट्री पर खनिज और पुलिस विभाग ने सयुंक्त रूप में कार्रवाई को अंजाम दिया । इस कार्रवाई के दौरान रोको एरिया में संचालित अन्य मिनरल फैक्ट्रियों पर ताले लटक गये।

बिजौलियां खनिज विभाग फोरमैन गंगाधर मीना ने बताया कि बीगोद थानाधिकारी मूलचंद वर्मा के साथ बीगोद स्थित रोको में जय अम्बे मिनरल फैक्ट्री पर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। फैक्ट्री पर 500 टन फेल्सफ़ार ओर 100 टन क्वाट्र्स मिनरल अवैध रूप में स्टॉक पाया गया। फैक्ट्री संचालक ने उक्त मिनरल के रवन्ना ओर अन्य दस्तावेज मौक़े पर उपलब्ध नहीं कराए।

इस मामले को लेकर खनिज विभाग ने फैक्ट्री संचालक को नोटिस जारी कर जवाब ओर रवन्ना तलब किया गया है। फैक्ट्री पर स्टॉक में मिले 600 टन मिनरल का रवन्ना नहीं मिलने पर करीब 5 लाख राशि की पेनल्टी वसूली की कार्रवाई की जाएगी। बीगोद के रीको एरिया ओर खटवाड़ा में संचालित फैक्ट्री संचालकों में उक्त कार्रवाई से हड़कंप मच गया।और फैक्ट्रियों पर ताले लटका कर भूमिगत हो गए।

मांडलगढ़ के बीगोद स्थित मिनरल फैक्ट्री पर जांच करते पुलिस व प्रशासन के अधिकारी।

- 600 टन अवैध फेल्सफ़ार व क्वाट्र्स पकड़ा
- ग्रेनाइट की अवैध फैक्ट्री संचालकों में मचा हड़कंप
- कार्रवाई के दौरान रोको एरिया में संचालित अन्य मिनरल फैक्ट्रियों पर ताले लगे

सफाई कर्मचारी पर बंदरों का हमला

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में कृश्णा नगर स्थित बीएसएनएल कार्यालय के बाहर सफाई कर रहे एक सफाई कर्मचारी पर बंदरों ने हमलाकर सफाईकर्मी को घायल कर दिया। घायल को अरोडा अस्पताल में कराया गया है भर्ती। बंदरों का आतंक दिन-ब-दिन बढता जा रहा है इससे लोग काफी परेशान है बंदर अचानक लोगों पर हमला कर देते हैं जिससे काफी लो अब तक घायल हो चुके हैं। ताजा मामला बुधवार का है बीएसएनल ऑफिस में बाहर सफाई कर रहे एक मजदूर पर आधा दर्जन से अधिक बंदरों ने हमला कर दिया और बंदरों ने उसे जमीन पर पटक दिया उनसे छूटने के सफाई कर्मचारी ने प्रयास किए लेकिन बंदरों ने उसे घेर लिया जैसे तैसे करके वह भागा और उसके चोट लग गई।

देवनानी ने झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन को लिखा पत्र

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा मंत्री और अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर श्री सम्मेद शिखर जी को पर्यटन स्थल घोषित करने पर विरोध जताते हुए राज्य सरकार के फैसले में बदलाव करने या फैसले को वापस लेने की मांग की है।

देवनानी ने पत्र में कहा है, जैन समाज के प्रतिनिधियों, सामाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से मालूम चला है कि झारखंड में स्थित पवित्र तीर्थ स्थल 'श्री सम्मेद शिखर जी' को राज्य सरकार द्वारा पर्यटन स्थल घोषित करने के संबंध में वर्तमान में सामग्री प्रस्तारित की जा रही है। देवनानी ने कहा है कि 'श्री सम्मेद शिखर जी' तीर्थ ही नहीं है,

- सम्मेद शिखर जी को पर्यटन स्थल घोषित करने का मामला

बल्कि समग्र जैन समाज का आस्था का केन्द्र है। जहां पर अहिंसा और पवित्रता का पूरा ध्यान रखा जाता हो, ऐसे महान तीर्थ को पर्यटन स्थल घोषित करना उसकी पवित्रता और भव्यता को नष्ट करने जैसा कदम है। देवनानी ने कहा है, इस संबंध में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी सोरेन लिखे पत्र में कहा है कि पर्यटन मंत्रालय द्वारा राष्ट्र के इस पवित्र तीर्थ स्थल को पर्यटन स्थल घोषित नहीं किया गया है और न ही इस संबंध में कोई प्रस्ताव मंत्रालय में विचाराधीन है।

दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश पॉक्सो कोर्ट देवेंद्र सिंह नागर ने बुधवार को एक अहम फैसले में चेतन पुत्र मदनलाल रावत को नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में 20 साल की कैद और 20000 के जुर्माने से दंडित किया है। विशिष्ट लोक अभियोजक हर्ष राका ने बताया कि सुभाष नगर थाने में 10 नवंबर 2020 को एक महिला ने रिपोर्ट पेश की गई उसकी नाबालिग पुत्री जो रात 8:00 बजे किसी काम से घर से निकली थी जो लौटकर नहीं आई।

पुलिस ने नाबालिग को बरामद कर उसके बयान दर्ज किए। नाबालिग ने भीलवाड़ा के ही चेतन पुत्र मदनलाल रावत पर उसे अगवा कर रेप करने का आरोप लगाया। पुलिस ने इस मामले में चेतन रावत को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट पेश की। सुनवाई के दौरान विशिष्ट लोक अभियोजक रांका ने 18 गवाहों के बयान करवाते हुए 34 दस्तावेज पेश कर चेतन पर लगे आरोप सिद्ध किए। बुधवार को मामले में सुनवाई पूरी होने पर विशिष्ट न्यायाधीश ने आरोपी चेतन रावत को नाबालिग को बहला-फुसलाकर अगवा कर ले जाने और दुष्कर्म के आरोप में 20 साल की सजा और 20,000 के जुर्माने से दंडित किया।

छह आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सलूंबर थाना पुलिस ने घर के सामने बाड़े में बंधी 7 भैंसो को चोरी कर बेचने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस भैंस खदीदने वाले आरोपी से भैंसे भी बरामद कर ली है। सलूंबर थानाधिकारी लीलधर मालवीय ने बताया कि गत 4 दिसम्बर को खोडाव सलुम्बर निवासी दलपतसिह पुत्र लक्ष्मण सिंह राजपूत ने रिपोर्ट दी कि उसके घर में सामने एक बाड़ा है जहां वह उसकी 12 भैंसे व पाडे बांधता है। 3 दिसम्बर को वह भैंसो की रखवाली के लिए बाड़े में सो रहा था। सुबह 4 बजे उसकी नींद उड़ी तो 5 भैंसे व उनके 2 पाड़े वहां से गायब थे, सिर्फ 5 भैंसे वहां बंधी थी। अज्ञात चोरी उसकी 7 भैंसो को चुरा कर ले गये।

इस पर एएसपी मुकेश सांखला और डिवायएसपी सुधा पालावतके नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की। टीम ने जांच करते हुए मालपुर सलुम्बर निवासी प्रकाश पुत्र धनराज उर्फ धनिया, राठौडो का गुडा गींगला निवासी नानालाल उर्फ भैरा पुत्र नाथु , जैलावत फला गांवडापाल सलुम्बर निवासी रतिया उर्फ रतनलाल पुत्र भगवाना, मालपुर फला गमेती निवासी नारायण पुत्र वक्ता, मालपुर निवासी पुष्पेन्द्र उर्फ पुंजीलाल उर्फ पुजिया पुत्र खेमराज के गिरफ्तार किया।

व्यापारियों ने बंद रखा बाजार

हिण्डौन सिटी, (निसं)। नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण मुख्य बाजार में हो रहे जलभराव और कीचड से परेशान होकर कटरा बाजार, कम्बलवाल गली, सर्राफा बाजार, डेम्प रोड के सैंकडों व्यापारियों ने बाजार बंद रखा । सभी व्यापारी एकत्रित होकर जुलूस के रूप में नारेबाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष अजय मित्तल, भाजपा शहर अध्यक्ष अनिल गोयल किराना संघ अध्यक्ष अनिल गोयल, रेडीमेड संघ अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, नरेंद्र जैन, सतीश शर्मा ने उद्बोधन में नगर परिषद के खिलाफ उदासीनता बरतने का आरोप लगा विरोध जताया। मुख्य बाजार में जलभराव ओर कीचड की समस्या को लेकर तहसीलदार महेंद्र मीना को ज्ञापन दिया। सफाई कर्मचारियों की हडताल का नगर परिषद अधिकारियों द्वारा कोई हल नही निकालने से शहर के मुख्य बाजार में जलभराव, दुकानों के बाहर फैल रही गन्दगी को लेकर नाराजगी जताई। नगर परिषद के 300 सफाई कर्मचारी 6 माह के अटके हुए वेतन की भुगतान, आरजीएचएस सुविधा और जनसंख्या अनुसार भर्तियां शुरू करने की मांग को लेकर 29 दिसम्बर से हड़ताल पर है।

- नगर परिषद के 300 सफाई कर्मचारी अटके हुए वेतन व अन्य मांगों को लेकर हड़ताल पर

चंबल के बाद ''इंडियन स्कीमर'' पक्षी का मोरेल बांध पर प्रवास

यह पक्षी हिंदी में ''पनचीरा'' व राजस्थानी भाषा में ''पंछीड़ा'' के नाम से जाना जाता है

लालसोट, (निसं)। चंबल नदी के बाद मोरेल बांध जैसी छोटी जगह पर इंडियन स्कीमर पक्षी का प्रवास कोतुहल एवं आश्चर्य का विषय बना हुआ है। मोरेल बांध देश विदेश से आने वाले विभिन्न प्रवासी पक्षियों को भोजन और आश्रय प्रदान कर रहा है। महाविद्यालय लालसोट के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुभाष पहाड़िया के अनुसार मोरेल बांध पर इस समय लगभग दो सौ प्रजातियों के हजारों पक्षी प्रवास पर आ चुके हैं लेकिन इस बार यहां इंडियन स्किमर की एक दर्जन से ज्यादा की संख्या में यहां आना पक्षी प्रेमियों के लिए बहुत सुकून देने वाली खबर है।

- आई.यू.सी.एन के रेड डेटा बुक के अनुसार ''इंडियन स्कीमर'' विश्व में मात्र 10 से 11 हजार बचे हैं

आईयूसीएन के रेड डेटा बुक में संकटग्रस्त सूची में शामिल इस पक्षी की संख्या सम्पूर्ण विश्व में मात्र 10 से 11 हजार बची है। इंडियन स्कीमर मुख्य रूप से नदियों, झीलों और नमभूमियों में पाए जाने वाला सुंदर पक्षी है । पाकिस्तान और म्यांमार में इनकी बहुत ही कम संख्या जीवित बची है।

वर्तमान में भारत और बांग्लादेश इंडियन स्कीमर पाये जाते हैं और केवल मात्र भारत में प्रजनन करते हैं। विलुप्त होने की कगार पर पहुंचे इंडियन स्क्रीमर मार्च से अप्रैल तक अंडे देते हैं। बालू में घरौंदे बनाने वाला यह पक्षी एक बार में 1 से 4 अंडे तक देता है। नर और मादा दोनों चोंच में पानी भर अंडों पर डालते रहते हैं ताकि गर्मी से बचाया जा सके। पक्षीविद् डॉ. सुभाष पहाड़िया के अनुसार इंडियन स्कीमर राजस्थान में केवल चंबल क्षेत्र में ही पाए जाते हैं और प्रजनन भी करते हैं लेकिन अब इन्होंने मोरेल बांध को भी अपनी शरणस्थली बना ली है।

मोरेल बांध पर इंडियन स्कीमर पक्षी का प्रवास।

संक्षिप्त

दुर्घटना पीड़ितों को सांत्वना दी

चौमूं / कालाडेरा, (निसं)। सीकर के पलसाना में हुई सड़क दुर्घटना में चौमूं विधानसभा क्षेत्र के गांव सामोद से 9 व्यक्तियों की मृत्यु का समाचार पाकर ऑल इंडिया प्रोफशनल कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रुक्क्षमणी कुमारी ने शोकाकुल परिवार से मुलाक़ात की और हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। मौके पर ही दूरभाष पर अधिकारीयों से बात कर परिवार को सरकारी सुविधाएं देने का आग्रह किया। दिवंगत पुण्य आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

भाविका का बॉक्सिंग प्रतियोगिता में चयन

सांभरझील, (निसं)।ऑल इंडिया बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सांभर महाविद्यालय की छात्रा भाविका मीणा का चयन होने पर शारीरिक शिक्षक सुरेंद्र सिंह राठौड़ के सानिध्य में महाविद्यालय की तरफ से उनका अभिनंदन किया गया। राठौड़ ने बताया कि ऑल इंडिया अन्तर्विश्वविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक में हुआ था जिसमें राजकीय महाविद्यालय, साँभर की छात्रा भाविका मीणा ने 65 किलो भार वर्ग ऑल इंडिया अन्तर्विश्वविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में राजस्थान विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर क्षेत्र को फिर से गौरवान्वित किया है।

पौषबडा महोत्सव उमड़े श्रद्धालु

निवाई, (निसं)। पीपलू में स्थित कूट वाले बालाजी के मंदिर में पौषबडा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमे सर्व समाज के लोगों द्वारा बालाजी की पूजा अर्चना करके महाआरती कर पौषबडा का भोग लगाकर प्रसादी का वितरण किया गया। कृष्णकुमार जांगिड ने बताया कि बालाजी मंदिर में पौष बडा महोत्सव को लेकर महिलाओं द्वारा भजन-संकीर्तन व रामधुनी का आयोजन किया गया।

राजाराम राष्ट्रीय उप प्रधान बने

निवाई, (निसं)। अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के प्रधान रामपाल जांगिड ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए राजाराम जांगिड निवासी शुकपुरिया सेदरिया को राष्ट्रीय उप प्रधान के पद पर मनोनीत किया है।

पेपर लीक मामले में युवा आक्रोश रैली का आयोजन

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती प्रतियोगी परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में बुधवार को शहर में राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र यादव के नेतृत्व में युवा आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। थाना मोड चौराहे से रैली शुरू होकर एसडीएम कार्यालय पहुंची। जहां युवाओं ने 15 सूत्री मांगों को लेक मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम प्रियव्रत सिंह चारण को ज्ञापन सौंपा।

युवाओं ने ज्ञापन में पेपर माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने रासुका कानून लागू करने की मांग की। रैली के दौरान बड़ी संख्या में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों में जुटे क्षेत्र के युवा शामिल हुए। रैली के दौरान आक्रोशित युवाओं के हाथों में पेपर माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग लिखे हुए स्लोगन की तख्तियां नजर आई।

- 15 सूत्री मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

उपेन यादव ने प्रदेश के नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर प्रदेश में पेपर माफिया गिरोह पर अंकुश नहीं लगाया गया तो आने वाले विधानसभा चुनाव में नेताओं का भविष्य प्रदेश के युवा खराब कर देंगे। उपेन यादव ने कहा कि तमाम भर्ती परीक्षाओं में हुई धांधली की सीबीआई से जांच करवाई जाए। कब तक प्रदेश में पेपर माफिया पेपर बेचते रहेंगे और युवाओं के सपनों का कत्ल करते रहेंगे। आज प्रदेश में बेरोजगार युवा सड़कों पर उतर चुका है और सरकार को चेतावनी दे रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी का सपना पाले प्रदेश के युवा पूरे दिलो-दिमाग से कडी मेहनत कर परीक्षा की तैयारी में जुटते हैं। लेकिन प्रश्न पत्र लीक हो जाने से उनके सपनों पर पानी फिर जाता है। ऐसे गिरोह जो प्रश्न पत्र लीक करने में जुटे हुए हैं।

सरकार इनके खिलाफ प्रभावी और कठोर कार्रवाई करें। ताकि युवाओं के सपने साकार हो सके। प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर अब तक प्रश्नपत्र लीक के मामले में जो घटनाएं सामने आई उनके कहां और किस से जुड़े हुए हैं। इनका अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। इस मामले की अगर सीबीआई से जांच हो तो संपूर्ण घटनाओं का राजफाश हो सकता है। सरकार इस विषय को गंभीरता से लें और युवाओं के सपनों को साकार करने में सहभागी बने। इस दौरान आक्रोशित युवाओं ने जमकर नारेबाजी भी की।

चौमूं में राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र यादव के नेतृत्व में रैली निकाली।

रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन

चौमूं/कालाडेर, (निसं)। चौमूं उपखण्ड के ग्राम ईटावा भोपजी स्थित तालाब वाले बालाजी सेवा संस्थान द्वारा 8 जनवरी को आयोजित चतुर्थ रक्तदान शिविर एवं वीरांगना सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व आमेर विधायक सतीश पूनिया ने किया। पूनिया ने कहा कि रक्तदान हर एक व्यक्ति को करना चाहिए जिससे कि किसी की जान बच सके रक्तदान महादान होता है। इसी के साथ वीरांगना सम्मान समारोह करना भी बड़ा उत्कृष्ट कार्य है, अपने देश के जवानों के प्रति यह सम्मान बनता है। जाट महासभा चौमूं आमेर अध्यक्ष पवन चोपड़ा ने कहा कि शहीद की वीरांगना का सम्मान करना सबसे पुनीत कार्य है। तालाब वाले बालाजी सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष अजय भारती ने बताया कि 8 जनवरी को रक्तदान शिविर एवं वीरांगनाओं का सम्मान कार्यक्रम को लेकर अलग-अलग कमेटियों का गठन किया है।

चोरी करने आए युवक की जमकर हुई पिटाई

जयपुर, (निसं)। बस्सी थाना इलाके में चोरी की वारदात करने आए एक बदमाश को ग्रामीणों ने पकड कर जमकर पीटा। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने पर बस्सी थाना पुलिस मोहनपुरा गांव पहुंची। स्थानीय लोगों ने घायल चोर को पुलिस के हवाले कर दिया।

बस्सी थाना प्रभारी यशवंत कुमार ने बताया- कल देर रात कार सवार दो चोर मनोहरपुरा गांव में घुसे। आरोपी कई दुकानों की रैकी कर चोरी का प्रयास कर रहे थे। उसी दौरान जाग हो जाने से वह मौके से भागने लगे। इस पर ग्रामीणों ने उनका पीछा करना शुरू किया। करीब आधा किलोमीटर तक पीछा करने पर ग्रामीणों के हाथ एक चोर तो पकड लिया। दूसरा चोर मौके से भाग गया। हालांकि चोरों की एक कार भी पुलिस को मौके से बरामद हुई है। चोर के साथ स्थानीय लोगों ने जमकर मारपीट की। इसके कारण उसके सिर और शरीर के

- बस्सी थाना इलाके के मनोहरपुरा गांव में देर रात लोगों ने पकड़ा चोर

कई हिस्सों से खून भी निकला। उसका बस्सी सीएससी में अभी उपचार चल रहा है। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी की जाएगी। स्थानीय लोगों ने बताया- गांव में आए दिन चोरी की वारदातें हो रही हैं। इसको देखते हुए मुख्य मार्गों पर स्थित मकान मालिकों ने सीसीटीवी कैमरा लगा रखे हैं। कई बार यह चोर सीसीटीवी कैमरा की जद में आकर चोरी की वारदात करते थे। कल देर रात जाग हो जाने से सभी लोगों ने एक साथ इन पर हमला कर दिया। इसके बाद यह लोग भागने लगे इसी दौरान एक चोर गंभीर रूप से घायल हो गया। चोरों की एक कार भी मौके पर छूट गई है। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

उच्च शिक्षा मंत्री को भेजा 17 सूत्रीय मांगपत्र

जयपुर, (निसं)। राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ रुक्टा डेमोक्रेटिक के प्रदेश संयोजक डॉ.रमेश बैरवा ने उच्च शिक्षा मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव को 17 सूत्रीय मांगपत्र का ज्ञापन भेजा है, जिसकी प्रतिलिपि प्रमुख शासन सचिव, उच्च शिक्षा एवं आयुक्त, कॉलेज शिक्षा को भी भेजी है। ज्ञापन में लिखा है कि 7 जनवरी 2021 की कॉलेज शिक्षकों की वरिष्ठता सूची नियमानुसार नहीं होने के कारण विवादित है, उच्च न्यायालय में लंबे समय से विचाराधीन है,जिससे प्राचार्य पद पर डीपीसी अटकी हुई है। ज्यादातर कॉलेज पूर्णकालीन प्राचार्य के अभाव में ठीक से संचालित नहीं हो रहे हैं। अत: इस विवादित वरिष्ठता सूची की नियमानुसार समीक्षा कर जरूरी संशोधन किए जाए ताकि कोर्ट में लंबित इस विवाद का जल्द निस्तारण हो सके। विधि कॉलेजों में भी स्थायी प्राचार्य का पदस्थापन किया जाए। कॉलेज शिक्षकों को प्रोफेसर का पदनाम दिया जाए। समतामूलक एवं पारदर्शी स्थानांतरण नीति तैयार की जाए। डीपीसी समय पर कर सीएएस के तहत शिक्षकों को सीनियर, सलेक्शन,पे बैंड फोर का वित्तीय लाभ ड्यू डेट से ही नकद दिए जाए,नोशनल नहीं किया जाए आदि मांगों को लेकर पत्र भेजा है।

खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन होंगे

लालसोट मंडावरी, (निसं)। राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेल 2022 व 23 में भाग लेने वाले पुरुष एवं महिला वर्ग खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन नगरपालिका कार्यालय में हो सकेंगे।

पालिका की अधिशाषी अधिकारी सीमा चौधरी ने बताया कि 26 से 31 जनवरी तक राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन किया जाना है। इस राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेल में कबड्डी टेनिस बॉल खो-खो एथलेटिक 100 मीटर 200 मीटर 400 मीटर एवं फुटबॉल बास्केटबॉल आदि खेलों में सभी आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। खिलाड़ियों का पंजीकरण ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। खिलाड़ी द्वारा जनाधार की प्रविष्टि तत्पश्चात जिले वार्ड खेल का चयन करना अंत में सबमिट करना होगा व्यक्तिगत अथवा टीम के रूप में रजिस्ट्रेशन की सुविधा है। कंप्यूटर ऑपरेटर सीताराम सैनी एवं मुकेश सैनी से संपर्क किया जा सकता है।

धड़ल्ले से चल रहा अवैध गेस्ट हाउस का धंधा

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे की गलियों और स्टेट हाईवे पर सारे नियम कायदे को नजरअंदाज कर गेस्ट हाउस का अवैध धंधा धड़ल्ले से चल रहा है। ये सुरक्षा के लिहाज से बेहद खतरनाक हैं। मौजूदा समय में इनकी संख्या आधा दर्जन से अधिक बताई जा रही है।

इनकी वजह से आस-पडोस में रहने वाले लोग परेशान हो रहे हैं। कस्बे में अवैध रूप से ऐसे नेटवर्क का जाल बिछ चुका है, जो लोगों को किराए पर एक-दो दिन या कुछ घंटों के लिए कमरा देते हैं। इनका कहीं कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है। बिना किसी आईडी प्रूफ व सुरक्षा की जांच किए बिना ये गेस्ट हाउस लोगों को कमरा उपलब्ध करा देते हैं।

इन गेस्ट हाउस की मदद से तमाम तरीके के वैध-अवैध काम किए जा रहे हैं। किसी के साथ कोई घटना हो जाए तो उसका जिम्मेदार कौन होगा। इसका जवाब भी किसी के पास नहीं है। जानकारी के मुताबिक जो अवैध गेस्ट हाउस चल रहे है उन में 800 रु से लेकर 2100 रु रुपये प्रतिदिन व घंटों के हिसाब से लोगों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उनके यहां अन्य स्थानों से आने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों व मेहमानों को ठहराया जाता है। सूत्रों की मानें तो इन गेस्ट हाउसों के मालिक पर सरकारी ओहदों पर बैठे बड़े अफसर या फिर नेताओं का आशीर्वाद प्राप्त है, इस वजह से प्रशासन व पुलिस इन पर हाथ नहीं डालती है।

कस्बे में इस तरीके से छोटे बड़े आधा दर्जन से ज्यादा गेस्ट हाउस चल रहे हैं। इनके बढ़ते जाल और खतरे को देखते हुए नींद में सो रहे प्रशासन ने अब तक अवैध गेस्ट हाउस के मालिकों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। इधर थानाधिकारी शिवशंकर चतुर्वेदी ने बताया कि कस्बे में अगर अवैध रूप से गेस्ट हाउस संचालित हो रहे हैं, तो उन पर कार्रवाई की जाएगी।

विभिन्न पदों पर हुई नियुक्तियां

लालसोट, (निसं)। प्रदेश कांग्रेस द्वारा विभिन्न राजनीतिक पदों पर नियुक्तियों का दौर शुरू करने के साथ लालसोट के ब्लॉक अध्यक्ष आदि के पदों पर नियुक्तियां जारी हुई है।

उपखंड क्षेत्र के झापदा ग्राम निवासी फैलीराम मीणा बपलावत की ढाणी को प्रियंका गांधी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित जगदीश शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमोद गांधी, प्रदेश संयोजक धनसिंह नरूका की सहमति से राहुल प्रियंका गांधी सेना कांग्रेस दौसा का जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। इसी तरह राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा लालसोट के ब्लाक अध्यक्ष पद पर रामफूल सैनी एवं चांदसेन ब्लाक अध्यक्ष के पद पर दीपक पुरोहित को नियुक्त किया गया है। वहीं राजनीतिक पदों पर नियुक्तियों का दौर शुरू होने से कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों में उम्मीदों की किरण जागने के साथ चेहरों पर खुशी देखी गई है। लालसोट कांग्रेसी ब्लॉक के संगठन को मुख्य मिलने के साथ संगठन को मजबूती मिलेगी।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड संख्या 11/H/93 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा जयपुर, क्षेत्रफल 236.25 वर्ग मीटर का आवंटन श्री श्रवण पुत्र स्व. श्री चन्दालाल एवं श्रीमती नैना देवी बेवा श्री चन्दा लाल, जाति मीणा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4292 दिनांक 28.05.2008 जारी किया गया था। तत्पश्चात सचिव, रा.आ.मण्डल जयपुर के पत्र क्रमांक 2190 दिनांक 28.05.2008 के अनुसार उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का मुख्यारनामा आम श्रीमती मन्नी देवी पत्नी श्री श्रीनारायण मीणा को निर्देशित किया गया। मुख्यारनामा आम धारिका श्रीमती मन्नी देवी पत्नी श्री श्रीनारायण मीणा के द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, सांगानेर, प्रथम में दिनांक 29.05.2008 को करवाया गया।
तत्पश्चात् मुख्त्यार आम श्रीमती मन्नी देवी पत्नी श्री श्रीनारायण मीणा के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान श्री श्रीनारायण मीणा पुत्र श्री नानगराम मीणा को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, सांगानेर जयपुर प्रथम में दिनांक 12.05.2008 को करवाया गया।
तत्पश्चात् श्री श्रीनारायण मीणा पुत्र स्व. श्री नानगराम मीणा के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान श्री हरिराज स्वरूप शर्मा पुत्र. स्व. श्री राम गोपाल शर्मा को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, सांगानेर जयपुर चतुर्थ में दिनांक 04.06.2008 को करवाया गया।
श्री हरिराज स्वरूप शर्मा की मृत्यु दिनांक 18.10.2016 को हो जाने के पश्चात् श्री अश्विनी कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री हरिराज स्वरूप शर्मा के द्वारा क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, हक्त्याग पत्र, इकरारनामा/सहमति पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर, उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का प्रतिस्थापन अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है।
अतः उक्त विकसित भूखण्ड के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपित्त प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री अश्विनी कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री हरिराज स्वरूप शर्मा के पक्ष में उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेंगी।
सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड संख्या 11/H/88 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा जयपुर, क्षेत्रफल 236.25 वर्ग मीटर का आवंटन श्री प्रताप पुत्र श्री रामपाल, जाति मीणा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4288 दिनांक 28.05.2008 जारी किया गया था। तत्पश्चात सचिव, रा.आ.मण्डल जयपुर के पत्र क्रमांक 2190 दिनांक 28.05.2008 के अनुसार उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का मुख्यारनामा आम श्रीमती मन्नी देवी पत्नी श्री श्रीनारायण मीणा को निर्देशित किया गया। मुख्यारनामा आम धारिका श्रीमती मन्नी देवी पत्नी श्री श्रीनारायण मीणा के द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, सांगानेर, प्रथम में दिनांक 29.05.2008 को करवाया गया।
तत्पश्चात् मुख्त्यार आम श्रीमती मन्नी देवी पत्नी श्री श्रीनारायण मीणा के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान श्री श्रीनारायण मीणा पुत्र श्री नानगराम मीणा को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, सांगानेर जयपुर प्रथम में दिनांक 12.05.2008 को करवाया गया।
तत्पश्चात् श्री श्रीनारायण मीणा पुत्र स्व. श्री नानगराम मीणा के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान श्री हरिराज स्वरूप शर्मा पुत्र. स्व. श्री राम गोपाल शर्मा को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, सांगानेर जयपुर चतुर्थ में दिनांक 04.06.2008 को करवाया गया।
श्री हरिराज स्वरूप शर्मा की मृत्यु दिनांक 18.10.2016 को हो जाने के पश्चात् श्री अश्विनी कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री हरिराज स्वरूप शर्मा के द्वारा क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, हक्त्याग पत्र, इकरारनामा/सहमति पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर, उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का प्रतिस्थापन अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है।
अतः उक्त विकसित भूखण्ड के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपित्त प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री अश्विनी कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री हरिराज स्वरूप शर्मा के पक्ष में उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेंगी।
सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल जयपुर

काजी कुआं जाने वाली रोड धंसी

सांभरझील, (निसं)। यहां दूदू रोड से काजी कुआं की तरफ जाने वाली सड़क विगत 6 माह से दोनों तरफ से धंसी पड़ी है। धंसने का कारण लगातार ट्रेलर की आवाजाही बताई जा रही है। दोनों तरफ रोड के टूटने से आने जाने का रास्ता कुछ फीट ही बचा है।

बताया जा रहा है कि लंबे समय से इस रास्ते की रोड पूरी तरह से क्षतिग्रस्त

- दोनों तरफ रोड के टूटने से आने जाने का रास्ता कुछ फीट ही बचा

है तो दूसरी तरफ क्षतिग्रस्त रोड के पास ही लंबी दूरी तक आसपास के लोगों की ओर से भी सड़क पर कचरा डालना भी बताया जा रहा है। भारी तादाद में कचरा पड़ा होने से राहगीरों का निकलना भी दूभर हो जाता है।

गंदगी और कचरे के ढेर में आवारा जानवरों का जमावड़ा रहने से अनेक बार लोग इनकी चपेट में आकर चोटिल तक होना बताया जा रहा है। सफाई कर्मचारियों की ओर से कच्चा तो यहां से उठाया जाता है लेकिन सख़्ती की कमी के चलते आम नागरिकों की ओर से खुले में कचरा फेंका जा रहा है। कुछ जागरूक लोगों ने जिम्मेदार विभाग को अनेक दफा इस रोड से ट्रेलर की आवाजाही की रोकथाम के लिए अनुरोध किया लेकिन न तो विभाग इस ओर ध्यान दे रहा है और ना ही टूटी हुई सड़क को ठीक करवाने की दिशा में कोई कारगर कदम उठते दिखाई दे रहे हैं। जिम्मेदार पालिका प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी लोगों के लिए काफी परेशानी का सबब बनती जा रही है।

इस मामले में अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव का कहना है कि क्षमता से अधिक भरे वाहन यदि कोई आ रहा है तो इसके लिए पुलिस प्रशासन को पत्र लिखकर ऐसे वाहनों को निषेध करवाने का प्रयास किया जाएगा। मेरी जानकारी में आज आया है, मौका मुआयना कर सड़क को शीघ्र ही दुरुस्त करवा कर लोगों को राहत प्रदान करेंगे।

सांभर में काजी कुआं जाने वाले रास्ते की सड़क भारी वाहन की आवाजाही से धंस गई।

पालिका ने 39 पट्टे वितरित किये

देवली, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा आमजन को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से 2021 से प्रशासन शहरों के संग अभियान-का संचालन किया जा रहा है। अभियान के अन्तर्गत नगरपालिका देवली को 3000 पट्टे जारी करने का लक्ष्य आवंटित किया गया था। इसी क्रम में नगरपालिका देवली द्वारा बुधवार को विभिन्न योजनाओं यथा- स्टेट ग्रान्ट एक्ट, 69-क, कृषि भूमि एवं नगरपालिका की योजनाओं सहित कुल 39 पट्टों का संबंधित आवेदकों को पट्टे वितरण किया गये। नगरपालिका देवली द्वारा अब तक कुल 2893 पट्टों का वितरण किया जा चुका है। नगरपालिका देवली क्षेत्र में पट्टा प्राप्त करने से शेष रहे व्यक्तियों से पालिका ईओ सुरेश कुमार मीणा ने अपील की है कि अभियान-2021 की अन्तिम तारीख से पूर्व पट्टा प्राप्त करने हेतु लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

दूध पिलाकर नववर्ष का स्वागत किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। लोकसेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट की ओर से नववर्ष पर दूध महोत्सव का आयोजन बुधवार को किया गया। युवाओं में बढ़ती नशे की लत की रोकथाम के लिए कस्बे में ओंकारदास महाराज के सानिद्य में दूध पिलाकर किया। महोत्सव के तहत कस्बे के गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं और राहगीरों को दूध पिला कर नववर्ष का स्वागत किया। शराब जैसे व्यसन से दूर रहने को लेकर 51 किलो दूध से दुग्ध महोत्सव का आयोजन किया।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरीय क्षेत्र निवाई (न.पा.नि.) (जिला-टोंक)
क्रमांकः-का.प्रा.अधि.न.क्षे.नि./कृ.भू./2021-22/12575 दिनांक-04.01.2023
आपत्ति आमन्त्रण सूचना
श्री/श्रीमती मेघराज पुत्र हरनाथ, निवासी उपराला बास निवाई पप्पू, पुत्र रामनाथ बैरवा निवासी बी 11 कल्याण नगर सीता बाडी टोंक मार्ग सांगानेर जिला जयपुर राज. ने राजस्व ग्राम निवाई प्रथम में स्थित खसरा नम्बर 4836,4839/1,4839/2 कुल किता 03 06 बीघा 11 बिस्वा भूमि का राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए भूमि के उपयोग हेतु भूमि का गैर-कृषिक कृषि आधारित (औद्योगिक वेयर हाउस) हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था, चूंकि उक्त आवेदन 4 हैक्टेयर से अधिक है इस संबंध में नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना क्रमांक F.3(77)UDH/3/2010 Part दिनांक 10.08.2020 के प्रोविजन 5.01(E)(a)Provision 3(iii)(a) अनुसार व्यावसायिक/संस्थागत/औद्योगिक उपयोग के योजना अनुमोदन हेतु 4 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल होने पर न्यूनतम पहुचमार्ग 30 मीटर होना अनिवार्य है उक्त प्रस्तावित सड़क को भविष्य में आस-पास की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए न्यूनतम 30 मीटर रखा जाना है अतः एन.एच. 12 से हमीदपुरा की ओर जाने वाले रास्ता योजना स्थल तक रास्ते का मार्गाधिकार 30 मीटर चौड़ा यानि रास्ते के मध्य से 15 मीटर मार्गाधिकार का निर्धारण किया जाना है। अतः उक्त मार्गाधिकार में निम्नलिखित खसरा नम्बरान में से 4836, 4839/1, 4839/2 का आशिंक भाग में से मार्गाधिकार का निर्धारण किया जाना है इस सम्बध यदि किसी खातेदार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 10 दिन के भीतर-भीतर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।
(श्रीमति महिमा डागी) प्राधिकृत अधिकारी, नगरीय क्षेत्र निवाई

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड IDFC FIRST Bank
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

परिशिष्ट-IV [नियम 8 (1)]
कब्जा नोटिस
(अचल सम्पत्ति का)

चूंकि अथोहस्ताक्षरकर्ता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित) के प्राधिकृत अधिकारी है अतः वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुर्न निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा उपर्युक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (12) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 08.03.2019 को एक मांग नोटिस कर्जदारो, सह-कर्जदारों एवं जमानतियों 1, सुनील कुमार योगी, 2 फूलवती योगी को जारी किया गया था, जिसमें 08.03.2019 की तिथी को देय मांगपत्र में उल्लेखित राशि रूपये 9,73,182.56/- (रूपये नौ लाख तिहत्तर हजार एक सौ बियासी और पैसा छप्पन मात्र) का भुगतान उपर्युक्त नोटिस प्राप्ती में 60 दिन के अन्दर करने को कहा गया था।

चूंकि कर्जदार उक्त राशि को वापस चुकाने में विफल रहे है अतः कर्जदारों एवं जनसाधारण को नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कथित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 जिसका नोटिस में उल्लेख किया गया है के तहत अथोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्होंने यहां निम्न वर्णित संपत्तियों के आज जनवरी 2023 के 3सरे दिन भौतिक रूप से अपने कब्जे/अधिकार में ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदारों एवं आम जनता को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि वे इन सम्पत्तियों का सौदा लेनदेन नहीं करें तथा इस सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से खरीद-बिक्री करने पर उसे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित) की प्रभारित शर्तो के अधीन राशी रूपये 9,73,182.56/- (रूपये नौ लाख तिहत्तर हजार एक सौ बियासी और पैसा छप्पन मात्र) का भुगतान उस पर प्रभारित ब्याज सहित करना होगा।

कर्जदारों का ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है जिसमें प्रतिभूतिकृत सम्पत्तियों को मुक्त करने के बारे में उपलब्ध समयावधि का उल्लेख है।

अचल सम्पत्तियों का विवरण
सम्पत्ति प्लाट नं. 31, श्री श्याम कुंज सरोवर-ए, चौमू-रेनवाल रोड, जयपुर, राजस्थान-303702, शिव मंदिर के पास, का पूरा व प्रत्येक भाग।

दिनांक- 03.01.2023
स्थान- जयपुर
ऋण खाता संख्या- 9440936
प्राधिकृत अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड IDFC FIRST Bank
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहितओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तो की पालना नहीं की है और अनियिमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वग्रीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	12566494	गृह ऋण एलएपी	1. बाबू लाल शर्मा 2. शीला शर्मा	17.12.2022	18,83,494.59/-	प्लाट नं. 13-बी, कुल क्षेत्रफल 133.50 वर्गगज, स्कीम रघुनाथ विहार-सी, समिति मत्रि गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर, राजस्थान स्थित का पुरा व प्रत्येक भाग और सिमाएं है- पूर्व- 30' चौडी रोड, पश्चिम-प्लाट नं.13, उत्तर-अन्य भूमि, दक्षिण-30' चौडी रोड
2	19270575	सम्पत्ति पर ऋण	1. अजय सिंह 2. अतर सिंह 3. मंजू सिंह	29.12.2022	17,65,427.86/-	-प्लाट नं. 81 के पूर्व भाग का पुरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 72.82 वर्गगज जो की 60.88 वर्ग मीटर है, सनराईज सिटी के नाम से जाना जाता है, निवारू रोड़, झोटवाड़ा, तहसील व जिला जयपुर राज. स्थित और सीमाएं है- पूर्व-80 फिट चौडी रोड, पश्चिम-प्लाट नं.81 का मध्य भाग, उत्तर-प्लाट नं.80, दक्षिण-60 फिट चौडी रोड

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चो, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है।

ह./-
दिनांक- 05.01.2023
स्थान- जयपुर
प्राधिकृत अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड IDFC FIRST Bank
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहितओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तो की पालना नहीं की है और अनियिमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वग्रीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	18709467 एवं 32593098	सम्पत्ति पर ऋण	1. दीन बंधु मेडिकल हॉल प्रो. संजय झालानी 2. संजय झालानी 3. श्री कृष्ण झालानी 4. सुनीता झालानी	24.12.2022	1,87,03,897.77/-	प्लाट नं. ई-128, क्षेत्रफल 200 वर्गगज, अम्बाबाडी जयपुर, राजस्थान स्थित का पुरा व प्रत्येक भाग और सीमाएं है- पूर्व-40 फिट चौडी सरकारी रोड, पश्चिम-प्लॉट नं.ई-149, उत्तर-प्लाट नं. ई-129, दक्षिण-प्लाट नं.ई-127
2	30531516	सम्पत्ति पर ऋण	1. नारायण एन्टरप्राइजेज प्रो. चन्द्र प्रकाश रावत 2. चन्द्र प्रकाश रावत 3. रघुनन्दन रावत 4. सत्य प्रकाश रावत 5. सीता रावत	28.12.2022	2,19,93,150.11/-	प्लाट नं. 8/131 क्षेत्रफल 196.48 वर्ग मीटर, सेक्टर नं. 8, विद्याधर नगर, जयपुर राज. स्थित का पुरा व प्रत्येक भाग और सीमाएं है- पूर्व-30 फिट चौडी रोड, पश्चिम-प्लाट नं. 103 व 104, उत्तर-प्लाट नं.132, दक्षिण-प्लाट नं.130

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चो, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है।

ह./-
दिनांक- 05.01.2023
स्थान- जयपुर
प्राधिकृत अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

व्याख्याता के तबादले पर रोक लगाई

टोंक, (निसं)। राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण ने बुधवार को कोठीनातामाम स्कूल के रासायन शास्त्र विषय के प्राध्यापक के 20 दिसम्बर 2022 के तबादला आदेश पर रोक लगाते हुए राज्य के प्रमुख शिक्षा सचिव, शिक्षा निदेशक तथा अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

अधिकरण के न्यायिक सदस्य अनन्त भंडारी व सदस्य शुचि शर्मा की पीठ ने यह आदेश सीताराम सोनी द्वारा एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा के जरिये दायर की गई अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अपील में बताया गया है कि उसका तबादला राजकीय सीनियर सेकंडरी स्कूल लाम्बा से राजकीय सीनियर सेकंडरी स्कूल कोठीनातामम में 11 अक्टूबर 2022 को हुआ था। जिसकी पालना ने उसने 12 अक्टूबर 2022 को कार्यभार ग्रहण कर लिया, किंतु 20 दिसम्बर 2022 को फिर से उसका तबादला अल्प अवधि में ही लाम्बा स्कूल में कर दिया जिसे अपील में चुनोती देते हुए कहा गया है कि अल्प अवधि में ही उसका तबादला किया जाना अवैधानिक व गैरकानूनी है। सुनवाई के बाद 20 दिसंबर के तबादला आदेश व 26 दिसम्बर के कार्यमुक्ति आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाते हुए, पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

कामधेनू गौशाला की एक इंच जमीन भी कम नहीं होगी : विधायक सोलंकी

चाकसू, (निसं)। बाईपास स्थित जगन्नाथ यूनिवर्सिटी सभागार में क्षेत्रीय विधायक वेद प्रकाश सोलंकी की अध्यक्षता में गोपालक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान उपखंड क्षेत्र माधोराजपुरा एवं कोटखावदा पंचायत समिति सहित कस्बे के 35 वार्डों के गोपालकों को सम्मान पत्र एवं 11 सौ रुपए की नगद प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया।

पंडित छीतर मल शर्मा द्वारा वैदिक मंत्रोचार के साथ गाय एवं बछड़े का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने कहा कि गाय के बिना हमारे जीवन की कल्पना ही बेमानी है हम सबको गौवंश संरक्षण के लिए आगे आना होगा। गौ की सेवा परमात्मा की सेवा के समान है। कार्यक्रम के जरिए विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने श्री कामधेनु गौशाला की भूमि को अस्पताल के लिए आवंटित करने के मामले में उपखंड क्षेत्र के गोपालकों के बीच अपना पक्ष रखते हुए कहा कि राजनीति की बात

चाकसू में क्षेत्रीय विधायक वेद प्रकाश सोलंकी की अध्यक्षता में गोपालक सम्मान समारोह हुआ।

राजनीति के मंच पर करनी चाहिए आप सभी का हक है यह जानना यह कार्यक्रम क्यों आयोजित किया गया है और बताना मेरा फर्ज है अभी कुछ दिन पूर्व ही चाकसू क्षेत्र में हमने 44 करोड़ का हॉस्पिटल सेंशन करवाया है और ट्रौमा हॉस्पिटल हाईवे पर बनता और हाईवे पर जहां जगह खाली है वह जगह हॉस्पिटल को अलाट की गई है उसी लगवा भूमि में श्री कामधेनू गौशाला संचालित है इसका कुछ हिस्सा हॉस्पिटल में आता है मैं आप सभी को पुन: कह रहा हूं और बार-बार कह रहा हूं गौशाला कहीं नहीं जाएगी और उसकी 1 इंच जमीन भी कम नहीं होगी जो जमीन हॉस्पिटल के लिए गौशाला की जाएगी उतनी या उस से बढ़ाकर गौशाला के लगवा जमीन अलाट कर दी जाएगी।

उसके उपरांत भी सारी बात जानते समझने के बाद भी सर्व समाज ने बंद का समर्थन किया। हमने हमारे सभी साथियों से भी कहा बंद के दौरान ऐसी कोई भी असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा नहीं मिलना चाहिए जिससे मामला बिगड़े सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए हमने हमारे समर्थकों की भी दुकानें बंद करा दी। जिससे कि कोई अप्रिय घटना ना हो लेकिन धरना प्रदर्शन और बंद तब जायज था जब मैं या प्रशासनिक अधिकारी यह कहते कि

- **उपखंड क्षेत्र के हजारों गौपालकों के सम्मान कार्यक्रम को विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने संबोधित किया**

गौशाला को बंद किया जा रहा है या इसको जमीन नहीं दी जा रही है ।

इस मौके पर कार्यक्रम में हरभावता आश्रम के संत बालकानंद महाराज, एसडीएम अशोक कुमार रिणवा, तहसीलदार अजीत कुमार बुंदेला, पालिका चैयरमेन कमलेश बैरवा, जनसेवक शिवप्रताप हरषाना, आशियाना ग्रुप के एमडी सनवर खान नागौरी, भरतलाल मीणा, पूर्व चेयरमैन राजेंद्र गुर्जर, अब्दुल हमीद खोकर, विक्रम सांवरिया, चन्द्रमोहन गुणावत, लालाराम धाकड़, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी हनुमान सहाय मीणा अशोक कुमार तवर नोडल शिक्षा अधिकारी रामलाल मीणा सहित बडी संख्या मे क्षेत्र के सरपंच व जनप्रतिनिधिगण व हजारों गोपालक मोजूद रहे।

सार-समाचार

अतिक्रमणों पर पालिका की कार्रवाई

मालपुरा, (निसं)। शहर के इंद्रा कॉलोनी चिन्ताहरण बालाजी मंदिर से घाटीरोड सरकारी अस्पताल की मुख्य सड़क किनारे रिक्त पड़ी पालिका की तालाबी भूमि पर काबिज अतिक्रमणों के विरूद्ध बुधवार को पालिका अध्यक्ष व ईओ के आदेशों पर जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटाये गये। अध्यक्ष आशा नामा व ईओ देशराज मीणा ने बताया कि मुख्य सडक किनारे पालिका की रिक्त पड़ी करोडो रूपयो की तालाबी भूमि पर कब्जे की नियत से सैंकडों लोगों ने कांटों की बाड लगा बड़े भाग पर काबिज होने की मिली सूचना पर जमादार राजेश कुमार की अगुवाही में पालिका दस्ते ने जेसीबी मशीन की सहायता से अतिक्रमण हटा मौके पर ही लगाई गई कांटों की बाड में आग लगा नष्ट किया गया।

पोस्ट कार्ड अभियान जारी

कोटपूतली, (निसं)। गोपालपुरा बस स्टैंड पर ग्रामीणों ने बुधवार को सामाजिक कार्यकर्ता रतनलाल शर्मा व वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना के नेतृत्व में राजस्थान परिवहन मंत्री को पोस्टकार्ड लिखकर गोपालपुरा रोड पर यात्रियों के लिए सरकारी वाहन चलाने की मांग की। उल्लेखनीय है कि गोपालपुरा रोड पर यातायात के साधन उपलब्ध नहीं होने से विद्यार्थियों, बुजुर्गो, महिलाओं व युवाओं को आवागमन में परेशानी का सामना करना पडता है। इस मार्ग पर हाउसिंग बोर्ड, उपकारागृह, विभिन्न छात्रावास, सरकारी व गैर सरकारी स्कूल समेत ग्राम खेडकी वीरभान, खरकडी, रामसिंहपुरा, गोपालपुरा, पूरणनगर, चिमनपुरा, नृसिंहपुरा, रायकणपुरा, बनेठी, भोपतपुरा, खेड़ा निहालपुरा, बनार, पानेड़ा, देवता, छारदड़ा, कायमपुराबास, चुरी, बखराना आदि स्थित है। जिससे बीमार लोगों को चिकित्सक को दिखाने के लिए कस्बे में आने के लिए निजी वाहन किराये से लेकर आना पडता है जिसकी वजह से गरीब व्यक्ति की जेब पर भार पडता है।

भाजपा की जन आक्रोश सभा स्थगित

कोटपूतली। आगामी 05 जनवरी को आयोजित होने वाली भाजपा की जन आक्रोश सभा स्थगित कर दी गई है। सभा के विधानसभा संयोजक सुभाष चन्द शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 05 जनवरी गुरूवार को कस्बे के कृष्णा टॉकीज के सामने प्रात: 11 बजे आयोजित होने वाली जन आक्रोश सभा स्थगित कर दी गई है।

'पेंशनर्स अपना सत्यापन शीघ्र करावें'

अलवर, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित एवं राज्य सरकार की स्टेट फ्लैगशिप योजनान्तर्गत सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स का वार्षिक भौतिक सत्यापन प्रतिवर्ष माह नवम्बर एवं माह दिसम्बर में करवाया जाना अनिवार्य होता है।

- **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक ने कहा सत्यापन नहीं कराने पर पेंशन बंद हो जायेगी**

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रविकान्त ने बताया कि जिले में वर्तमान में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनान्तर्गत कुल 4 लाख 61 हजार 797 पेंशनर्स पेंशन योजना का लाभ प्राप्त कर रहे है जिनमें से 1 लाख 87 हजार 753 पेंशनर्स का वार्षिक भौतिक सत्यापन किया जाना शेष है। अत: पेंशन प्राप्त कर रहे सभी पेंशनर्स अपने नजदीकी ई-मित्रा कियोस्क पर जाकर बॉयोमेट्रिक मशीन के माध्यम से वार्षिक भौतिक सत्यापन शीघ्र ही अनिवार्य रूप से करावे अन्यथा सत्यापन के अभाव में पेंशन राशि का भुगतान नही किया जावेंगा। उन्होंने बताया कि ई-मित्रा प्लस मशीनों पर भी सत्यापन की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध हैं। ई-मित्रा प्लस मशीन अलवर जिले की सभी ग्राम पंचायतों पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि वार्षिक भौतिक सत्यापन से शेष पेंशनर द्वारा नजदीकी ई-मित्रा कियोस्क/राजीव गांधी सेवा केन्द्र/ई-मित्रा प्लस आदि केन्द्रों पर अंगुली की छाप से करवाया जा सकेगा। यदि किसी कारणवश बॉयोमैट्रिक द्वारा सत्यापन हो नहीं हो पाता है तो संबंधित पेंशन स्वीकृतकर्ता अधिकारी (विकास अधिकारी/उपखण्ड अधिकारी) कार्यालय से आधार कार्ड में रजिस्टर्ड मोबाईल नम्बर पर प्राप्त ओटीपी के आधार पर भौतिक सत्यापन किया जा सकेगा। यदि किसी पेंशनर के आधार के साथ मोबाईल नंबर नहीं जुडा होने के कारण ओटीपी नहीं आ रहा है अथवा उनका बॉयोमैट्रिक के आधार पर भी सत्यापन नहीं हो रहा है तो ऐसे पेंशनर को स्वयं के आधार/जनआधार कार्ड के साथ संबंधित स्वीकृतकर्ता अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होने पर पेंशन स्वीकृतकर्ता अधिकारी (एसडीओ/बीडीओ) द्वारा इन दस्तोवेजों को पेंशर पोर्टल पर अपलोड किए जाने के उपरान्त पेंशनर का वार्षिक भौतिक सत्यापन का कार्य पूर्ण किया जा सकेगा।

दोपहर बाद हुए सूर्यदेव के दर्शन

निवाई, (निसं)। पौष माह के अंतिम दिनों में पड रही कडाके की सर्दी से जन जीवन प्रभावित हुआ। इस दौरान दोपहर 1 बजे बाद सूर्यदेव के दर्शन हुए जिससे लोगों को ठण्ड से राहत मिली।

दिन के तामपान में अधिकता के बावजूद हवा में काफी ठण्डक रही। जिससे लोगों को तेज ठण्ड का अहसास हो रहा है। पिछले चार-पांच दिनों से उपखण्ड क्षेत्र सहित शहर में कोहरा भी छा रहा है।

बुधवार को सुबह से दोपहर तक क्षेत्र में घना कोहरा छाया रहा। साथ ही शीतलहर भी चलते रहने से लोगों को बचाव के लिए अलाव जलाना पडा। सुबह के समय कोहरे की अधिकता के कारण वाहन चालकों को वाहन की हेडलाईट जलाकर चलना पडा। रक्तचल पर्वत भी कोहरे से अटा रहा। सर्दी से राहत पाने के लिए सरकारी दफ्तरों सहित जगह-जगह लोग अलाव जलाकर तापते नजर आए।

दोपहर में सूर्य की तपन से धीरे-धीरे कोहरा सिमटने लगा और धूप खिल गई जिससे तेज ठण्ड से थोडी राहत मिली।

सूर्यास्त होते ही कोहरे ने क्षेत्र को फिर से आगोश में लेना शुरू कर दिया। तेज ठण्ड के दौरान बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी वाहन रेगते चलते रहे।

फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

पावटा, (निसं)। भाबरू थाना इलाके के छापुडा गांव में एक विवाहिता संदिग्ध हालत में फंदे से लटकी मिली है। परिजनों ने उसे फंदे से उतारकर शाहपुरा के अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पीहर पक्ष ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए विरोध जताया और अस्पताल परिसर में धरना देकर बैठ गए।

परिजनों ने दोषियों को गिरतार करने की मांग की। जानकारी के मुताबिक ममता देवी की दो माह पूर्व छापुडा निवासी कालूराम के साथ शादी हुई थी। ममता का पति सूरत में काम करता है। मंगलवार देर शाम को रसोई में ममता फंदे से लटकी मिली। परिजनों में यह देख उसे नीचे उतारकर अस्पताल

- **मृतका के भाई ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का लगाया आरोप**

लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इसकी जानकारी मिलने पर मृतका के पीहर पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए धरना देकर बैठ गए। सूचना पर भाबरू पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों ने मामले का खुलासा करने व दोषियों को गिरतार करने की मांग की। सूचना पर एफएसएल टीम ने मौके से नमूने एकत्रित किए है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पौषबड़ा महोत्सव आयोजित

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के पुरानी सब्जी मंडी स्थित श्री कल्याण जी मन्दिर में पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया।

महन्त पं. राजेन्द्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रात: काल 05 बजे से ही प्रसादी बनाने की तैयारी शुरू कर दी गयी थी। इस मौके पर हरि कीर्तन व भजन सत्संग का आयोजन भी किया गया। जिसमें सैकडों की संख्या में महिलाओं-पुरुषों ने सत्संग का आनन्द लिया। जिसके बाद कल्याण जी भगवान की आरती उतार कर हलवा पकौड़ी का भोग लगाया गया। पौषबड़ा महोत्सव में हजारों श्रद्धालुओं ने पौषबड़ा प्रसादी का आनंद लिया।

छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। कस्बे के धर्मचंद गांधी जैन महाविद्यालय के छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह में दोपहर 12 बजे से भीड़ जुटाने का प्रयास कर रहे भाजपा के कार्यकर्ता व स्थानीय नेताओं के शक्ति प्रदर्शन तथा राजनीतिक माहौल बनाने का कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के देर शाम पहुंचने से अतिथियों का जल्दबाजी में ही स्वागत सम्मान कर समेटना पड़ा।

गौरतलब है कि दोपहर 12 बजे से क्षेत्रीय नेताओं जिनमें भारतीय जनता पार्टी के सांसद महंत बालक नाथ समर्थक तथा बलवान सिंह यादव जिलाध्यक्ष अलवर उत्तर के समर्थकों सहित नीलम यादव तथा जसराम पटेल ग्रुप के द्वारा सैकड़ों गाड़ियों में भरकर लाई गई भीड शाम होते होते सर्दी में ठिठुरने के चलते छंटती देख कार्यकर्ताओं ने माहौल बनाने के लिए महाविद्यालय के मुख्य दरवाजे पर पटाखे चलाने शुरू कर दिया और इसी के चलते शाम लगभग 5:45 पर प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के साथ अलवर सांसद महंत बालक नाथ योगी तथा बलवान सिंह यादव, युवा नेता मोहित यादव, मुंडावर विधायक मनजीत चौधरी सहित पूर्व विधायकों के साथ जितनी भीड़ मंच पर आई थी उतनी ही भीड़ लगभग सामने बैठी दिखाई दी।

पौषबड़ा शुक्रवार को

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय अपर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में अभिभाषक संघ कोटपूतली द्वारा आगामी 06 जनवरी शुक्रवार को पौषबड़ा का आयोजन किया जायेगा।

युवक ने फांसी लगा आत्महत्या की

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा थाना क्षेत्र के टोरडी गांव में बुधवार की अलसवेरे ढाबा चलाने वाले एक युवक ने ढाबे के सामने नीम के पेड़ से फांसी का फंदा लगा आत्महत्या कर ली।

थानाधिकारी भूराराम खिलेरी ने बताया कि बुधवार की अलसवेरे तकरीबन 6 बजे जरिए दूरभाष के टोरडी गांव में एक युवक द्वारा फांसी का फंदा लगा आत्महत्या किये जाने की मिली सुचना पर टोरडी चौकी हैडकांस्टेबल भंवर सिंह कुरथल मय जाप्ते के घटनास्थल पर पहुंच पेड पर फंदे से झूल रहे युवक गोविन्द पुत्र मंगल कहार के शव को नीचे उतार कर पुलिस सुरक्षा में ले मालपुरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। परिजनो की मौजूदगी मे पोस्टमार्टम कर शव परिजनो को सोंपा। परिजनो से मिली जानकारी मे मृतक गोविन्द कहार जो कि गांव मे ही नॉनवेज का ढाबा चलाता था। कई दिनो से आर्थिक तंगी से परेशान था। पुलिस ने प्रथम द्रश्या मामला आत्महत्या मानते हुए परिजनो की ओर से किसी प्रकार की कोई रिपोर्ट नही देने पर मृग मे मामला दर्ज किया गया। समाचार लिखे जाने तक युवक द्वारा फांसी लगाये जाने के कारणो का अधिकारी तौर पर खुलासा नही हो सका।

नामांकन वितरण कार्य शुरू

फुलेरा, (निसं)। जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड की पहल पर युवाओं में खेलों के प्रति प्रोत्साहन को लेकर 15 जनवरी से जयपुर में आयोजित की जाने वाली जयपुर महाखेल कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए नामांकन वितरण कार्य का शुभारंभ किया गया। मण्डल अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि प्रथम कबड्डी टीम के कप्तान को फॉर्मेट देकर प्रतियोगिता हेतु नामांकन वितरण कार्य की शुरुआत की गई है। वहीं आगे बताया कि फुलेरा में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में विधानसभा क्षेत्र के ग्राम काचरोदा, रोजड़ी, सुरसिंहपुरा, हिरनोदा, खेड़ीराम, जयसिंहपुरा, काजीपुरा, खण्डेल, नोरंगपुर, सांभर एवं फुलेरा की टीमें बढ़-चढ़कर भाग लेंगी।

वसुंधरा राजे समर्थक मंच की बैठक आयोजित

कोटपूतली, (निसं)। वसुंधरा राजे समर्थक मंच राजस्थान के पदाधिकारियों की बैठक प्रदेश उपाध्यक्ष व सेवानिवृत कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष पं. बृजमोहन शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को कस्बा स्थित मोरीजावाला धर्मशाला में आयोजित हुई।

बैठक को सम्बोधित करते हुए पं. शर्मा ने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को राजस्थान भाजपा की चुनावी कमान सौंपता है तो राजस्थान में आने वाले 2023 के विधानसभा चुनाव में तीसरी बार प्रचण्ड बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को नववर्ष की शुभकामनायें देते हुए वर्ष 2023 के चुनावी साल में तीसरी बार राजे सरकार बनाने का संकल्प लेने की बात कही। इसके लिए युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा गाँव-ढ़ाणियों व बुथ स्तर तक राजे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को ले जाने का संकल्प लिया। प्रदेश उपाध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में बिना प्रभाव के लोगों को पदों की बंदर बांट करने से संगठन लगातार कमजोर हुआ है। प्रभावीशाली लोगों को पार्टी से दूर करने के कारण प्रदेश भर में आयोजित हुए 9 विधानसभा उपचुनाव में भाजपा मात्र एक पर ही चुनाव जीत पाई है। एक सीट पर जमानत जप्त हुई है, वहीं एक सीट पर भाजपा तीसरे नम्बर की पार्टी बन गई है। हालात इस कदर बिगड़े है कि सरदार शहर उपचुनाव में भाजपा भारी अन्तर से चुनाव हारी है। राजस्थान में राजे सरकार के दो बार के कार्यकाल में जनकल्याणकारी योजनाओं के चलते आज भी सभी जाति, वर्गो व समाजों में लोकप्रिय है। मंच के पदाधिकारी 200 विधानसभा क्षेत्रों के 52 हजार बूथों पर राजे सरकार की नीतियों को लेकर कार्य कर रहे है। राजे जब भी सडकों पर होती है तब जन सैलाब उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़ता है। जिसको देखते हुए केन्द्रीय नेतृत्व कभी भी राजे को राजस्थान की कमान सौंप सकता है। प्रदेश भर के संविदाकर्मी, राज्य कर्मचारी, सेवानिवृत कर्मचारी, किसान, मजदूर, पिछड़ा, महिला वर्ग समेत हर वर्ग कांग्रेस सरकार से आक्रोशित है।

प्राकृतिक श्रृंगार कार्यक्रम का समापन

कोटपूतली, (निसं)। राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में बुधवार को युवा विकास केन्द्र, एन.एस.एस., एन.सी.सी, रोवर रेंजर एवं ईको क्लब के संयुक्त तत्वाधान में डॉ. एस. पी. सिंह राठौड़ के सेवानिवृति पर कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. आर.पी. गुर्जर एवं महाविद्यालय परिवार के साथ वर्षा ऋतु में महाविद्यालय परिसर में स्थित विभिन्न उद्यानों के प्राकृतिक श्रृंगार हेतु लगभग एक हजार पेड लगाने के संकल्प के अन्तर्गत वन महोत्सव में लगभग दो हजार नवीन पौधों के रोपण को लेकर महाविद्यालय में चलाये जा रहे प्राकृतिक श्रृंगार कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान संकाय सदस्यों, अशैक्षणिक कर्मचारियों समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नगरपालिका के बाहर धरने पर बैठे वाइस चेयरमैन व पार्षद

पावटा, (निसं)। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका में व्याप्त अव्यवस्थाओं, लापरवाही और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए वाइस चेयरमैन व पार्षदों ने बुधवार से पालिका परिसर के बाहर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया। वाइस चेयरमैन व पार्षदों ने अपनी मांगों और समस्याओं का समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन व तालाबंदी की चेतावनी दी है।

पावटा प्रागपुरा नगर पालिका वाइस चेयरमैन अशोक सैनी, नरपत सिंह सहित पार्षदों ने आरोप लगाया कि नगरपालिका क्षेत्र में अव्यवस्था, लापरवाही और भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिसके कारण आमजन की समस्याओं का समाधान नहीं होता है। इसी को लेकर नगरपालिका में एकत्रित होकर उन्होंने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। वहीं वार्ड पार्षद संजय सेन एडवोकेट लोकेश शर्मा मिंटू शर्मा सहित पार्षदों ने न.पा. पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए बताया कि उन्होंने अपनी मांगों को

पावटा प्रागपुरा नगरपालिका में व्याप्त अव्यवस्थाओं, लापरवाही और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए वाइस चेयरमैन व पार्षदों ने पालिका परिसर के बाहर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया।

लेकर डीएलबी निदेशक, एसडीओ पावटा को भी दो बार ज्ञापन देकर अवगत करवा दिया गया है उसके बाद भी उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जा रहा है। जिस पर बुधवार सुबह से ही पार्षदों ने नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए धरना प्रदर्शन शुरू किया। इसी बीच नपा पार्षदों ने जमकर मुर्दाबाद के नारे लगाए भ्रष्टाचार बंद करो की नारेबाजी की।

उन्होंने नगर पालिका में कमीशनखोरी बंद करो के नारे लगाकर कराए गए कार्यों की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए अपनी मांगों को लेकर बताया कि नगरपालिका के द्वारा फर्जी

- **लापरवाही व भ्रष्टाचार के आरोप लगाये**

एनओसी जारी कर दी गई लेकिन अभी तक फर्जी एनओसी जारी करने वालों के खिलाफ कोई सत कार्रवाई नहीं होने, पालिका क्षेत्र में विभिन्न जगह पर स्थित स्ट्रीट पोल में मनमर्जी से एस्टीमेट बनाकर बडा घोटाले करने, पालिका में मनमर्जी से ऑफलाइन टेंडर कर राजकोष को हानि देने, पार्षदों के बार बार कहने पर भी 2 माह से ज्यादा हो गए लेकिन साधारण सभा नहीं करवाने की मांग की थी लेकिन उच्च अधिकारियो को अवगत करवाने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हों रही है।

वहीं जेईएन रतन कुमार का कहना है जो भी वाइस चेयरमैन, पार्षद आरोप लगा रहे हैं इसका मेरे को कोई पता नहीं है। नगरपालिका अधिशासी अधिकारी छुट्टी पर होने के कारण वह जब आएंगे तब उनको अवगत करवा दिया जाएगा।

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स श्री सालासर ओवरसीज प्रा. लि. पता 15-बी, गोपालपुरा बाईपास रोड, हीरा नगर, मानसरोवर, जयपुर द्वारा नारायण सरोवर ब्लॉक सी योजना का भूखण्ड संख्या- 633, क्षेत्रफल 200.00 वर्गगज, का पजेशन लेटर शकुन्तला शर्मा पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री गोकुल शर्मा निवासी तूंगा बस स्टैण्ड के पास, बस्सी, जयपुर के नाम से जारी किया गया है। उक्त आवंटी शकुन्तला शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 18.07.2012 को हो गया है तथा उक्त स्व. श्रीमती शकुन्तला शर्मा के स्थान पर उनके पुत्र गिरिराज शर्मा ने स्वयं का नाम प्रतिस्थापन हेतु कम्पनी कार्यालय में आवश्यक दस्तावेजात् के साथ आवेदन प्रस्तुत किया है। अत: इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति, फर्म, संस्था, कम्पनी, वित्तीय संस्था, बैंक आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस की समयावधि में कम्पनी कार्यालय में सम्पर्क करे अन्यथा 15 दिवस के पश्चात् उक्त आवेदनकर्ता गिरिराज शर्मा पुत्र श्री गोकुल प्रसाद शर्मा के नाम प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।
निदेशक
श्री सालासर ओवरसीज प्रा. लि.

खोया पाया

हमारे प्लॉट A-8, A-9 चित्रगुप्त नगर-II, करतारपुरा जयपुर की शिवा हाऊसिंग कॉऑपरेटिव सोसाइटी, 2B3 स्कीम के जारी प्लॉट 8 का मूल नक्शा व प्लॉट 9 की रसीद इमली फाटक के आसपास खो गए हैं। मिलने पर सूचित करे केशव कुमार, सत्येन्द्र कुमार मो. 9413417133

मैं विनोद कच्छावा के नाम से बना आईडी कार्ड नंबर 2281504 आईसीआईसीआई (ICICI) बैंक का कहीं खो गया है अगर किसी व्यक्ति को मिल जाए तो कृपया मोबाइल नंबर 9928129400 पर सूचित करें, सूचनाकर्ता विनोद कच्छवरा

This is to inform that the 10th class marksheet of Name: Meghdeep Saha School: St. Joseph's School, Bhagalpur, Year of Passing: 2010, Index No.: T/3940/097 has been lost. If any Individual finds this, he/she may call to return the same at 9835414997. Due compensation will be given to the individual.

सूचना दिनांक-04.01.2023

वीरम सिंह S/o निहाल सिंह, खाडिया का नगला तहसील रूपवास भरतपुर दिनांक 21.03.2014 को अपनी गाड़ी नम्बर RJ05GB2799 महिंद्रा की MN40 जिसके चेसिस नंबर B6B48137 व इंजन नंबर BA13ZB0039 को एक्सीडेंट की स्थिति में रात के समय के.एस. मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड नरसिंहपुरा अजमेर रोड़ जयपुर वर्कशॉप पर ले कर आया और गाड़ी को कंपनी के वर्कशॉप में छोड़कर चला गया। उक्त दिनांक के उपरान्त आज दिनांक तक अपनी गाड़ी लेकर नहीं गया है। इस कारण वीरम सिंह को सूचित किया जाता है कि इस आम सूचना के प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस में आ कर अपनी गाड़ी ले कर जावे अन्यथा कंपनी की कोई जिम्मेदारी भविष्य में नहीं होगी।
के.एस.मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड
जरिये डायरेक्टर, मो. 9413401482

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone No. 0141-2782772
क्रमांक:- DHC-II/2458 दिनांक: 03/01/23

जाहिर आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 94/126, मानसरोवर, जयपुर क्षेत्रफल 162.00 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री सी.टी. जॉन पुत्र स्व. श्री सी. जॉन थोमस को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 5989 दिनांक 26.03.1990 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 19.04.1990 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 1544 दिनांक 18.03.1995 के द्वारा श्रीमती वीना चुघ एवं श्री सुधीर कुमार चुघ के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 13.03.1997 को करवाया गया। इसके पश्चात श्रीमती वीना चुघ की मृत्यु दिनांक 18.11.2022 को हो जाने के कारण इनके पति श्री सुधीर कुमार चुघ पुत्र श्री चन्द्रप्रकाश चुघ ने 1/2 अविभाजित हिस्से का मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अत: उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/ आवेदक श्री सुधीर कुमार चुघ पुत्र श्री चन्द्रप्रकाश चुघ के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम गुड्डी मीणा से बदलकर सपना देवी (Sapna Devi) रख लिया है भविष्य में मुझे सपना देवी (Sapna Devi) पत्नी श्री सम्पत राम मीणा के नाम से जाना जावे। निवासीः 3, मुख्य गांव, कोटवालों का बास, तहसील बसवा, जिला दौसा (राजस्थान)

मैं राम निवास बुरल्डक पुत्र श्री प्रभु राम बुरल्डक निवासी-प्रताप कॉलोनी चन्देरिया चित्तौड़गढ़ घोषणा करता हूं की मैंने मेरा नाम बदलकर रिषभ बुल्डक कर लिया है। अतः भविष्य में मुझे सभी कार्यों के लिए इसी नाम से जाना, पहचाना एवम् पुकारा जावे।

I Sata Ram S/o Mobata Ram R/o Seawa, Jalor, Rajasthan-343041, have changed my name to Satyanarayan Mali

I Ramnaresh S/o Likhma Ram R/o Charla, Churu, Rajasthan-331517, have changed my name to Ramnaresh Godara

I have changed my name from Pradeep Sainani to Pradeep Kumar Senani for all future purpose Pradeep Kumar Senani S/o Dharmdas R/o 114/97 Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur

I, Mohit Kumar son of JC-285282H Nb Sub Mahesh Kumar Yadav Unit 283 Fd Regt. I Resident of Village-Rampura Bega Ki Nangal, Post-Rampura, Teh-Neem Ka Thana, Dist-Sikar, Pin-332718 (Rajasthan) has changed my son Name From Mohit Kumar Yadav to Mohit Kumar in service record and all future purposes.

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि. जयपुर
5वीं व 6वीं मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-2741805, E-mail:rschfjaipur@yahoo.com
क्रमांक-484/23 दिनांक-03.01.2023

आम सूचना आवासन संघ की केसरीचन्द चौधरी नगर योजना का भवन संख्या-4/7, जो श्रीमती शकुंतला पत्नि श्री रमेशचन्द को आवंटित कर दिनांक 14.04.1986 को कब्जा देकर संघ द्वारा लीज डीड एवं कन्वेंस डीड जारी की गई, जो दिनांक 11.12.1986 को रजिस्टर्ड हुई। उक्त भवन श्रीमती शकुंतला के पुत्र श्री अखिलेश चन्द एवं पुत्री श्रीमती अर्चना चंद्रा द्वारा अपने माता-पिता श्रीमती शकुंतला एवं श्री रमेशचन्द का मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त भवन संयुक्त रूप से हस्तांतरण करने हेतु निवेदन किया है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त भवन हस्तातंरण पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें अन्यथा आवेदकों के नाम हस्तान्तरण कर दिया जावेगा।
(ज्योति गुप्ता)
प्रबंध निदेशक, आवासन संघ लि. जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhejpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone No. 0141-2782772
क्रमांक- DHC-II/ दिनांक-

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 01/45 (एस.एफ.एस.), मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 112.50 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री अशोक कुमार टण्डन पुत्र स्व. श्री बी.के.टण्डन को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 199 दिनांक 21.01.1987 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 08.04.1987 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 3865 दिनांक 14.12.1994 के द्वारा श्री अशोक कुमार टण्डन पुत्र स्व. श्री बी.के.टण्डन के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 26.12.1994 को करवाया गया। इसके पश्चात् श्री अशोक कुमार टण्डन पुत्र स्व. श्री बी.के.टण्डन की मृत्यु दिनांक 28.05.2021 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री अमित टण्डन पुत्र स्व. श्री अशोक कुमार टण्डन ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री अमित टण्डन पुत्र स्व. श्री अशोक कुमार टण्डन के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

खेल जगत

'मेरा मुख्य एजेंडा पावरप्ले में आक्रमण करना था क्योंकि मैं हमेशा पगबाधा आउट करने की कोशिश करता हूं... बाउंड्री लगे या नहीं, मेरी मानसिकता विकेट लेने की होती है।''- - मावी

भारतीय गेंदबाज, श्रीलंका के विरुद्ध खेले गये मैच के बारे में

आज का खिलाड़ी — **युकी भांबरी**

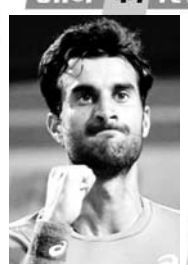

युकी भांबरी ने युगल वर्ग पर फोकस करने के लिये एकल टेनिस को अलविदा कह दिया है। एक समय पर शीर्ष 50 में जगह बनाने के दावेदार माने जा रहे 28 वर्ष के युकी टेनिस कैरियर को विस्तार देने के लिये एकल छोडने वाले सानिया मिर्जा के बाद दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। चोटों से परेशान युकी ने कुछ समय पहले ही मन बना लिया था कि अब वह सिर्फ युगल खेलेंगे। उन्होंने पीटीआई से बातचीत में कहा,'' मैंने एकल कैरियर में अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ कोशिश की और मुझे कोई मलाल नहीं हैं। शायद मेरी किस्मत खराब थी, चीजें गलत थी। मुझे नहीं पता। मुझे कोई मलाल नहीं है ।

क्या आप जानते हैं ?... गोल्फ एकमात्र ऐसा खेल है जिसे चांद पर भी खेला गया है। 6 फरवरी 1971 को एलन शेफर्ड नाम के अंतरिक्ष यात्री ने चन्द्रमा पर गोल्फ के दो स्ट्रोक खेले।

सीरीज में अजेय बढ़त बनाने उतरेगा भारत

पुणे, 4 दिसंबर। हार्दिक पांड्या की भारतीय टीम गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ दूसरा टी20 जीतकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाना चाहेगी।

पांड्या ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में 'नये दृष्टिकोण' के साथ भारत की अगुवाई करने का इरादा बनाया है और यहां एमसीए स्टेडियम पर आक्रामक तरीके से जीत दर्ज करना इस दिशा में एक अच्छी शुरुआत होगी। पांड्या के पास यह जीत हासिल करने के लिये एक युवा तेज गेंदबाजी आक्रमण है, जिसके सबसे अनुभवी गेंदबाज छह माह पहले पदार्पण करने वाले अर्शदीप सिंह हैं।

पहले टी20 में हालांकि यह बात भारत के लिये चिंता का कारण नहीं बनी और पांड्या की टीम ने अर्शदीप के बिना भी 162 रन के स्कोर की रक्षा सफलतापूर्वक कर ली। बुखार के कारण मैच से बाहर रहने वाले अर्शदीप की जगह भारत ने शिवम मावी को मैदान पर उतारा। मावी ने अपने चार ओवरों 22 रन देकर चार विकेट लेते हुए टीम प्रबंधन के इस फैसले को सही साबित किया। मावी के साथी उमरान मलिक अक्सर महंगे साबित हुए हैं लेकिन मुंबई में उन्होंने भी अपने चार ओवरों में सिर्फ 27 रन देकर दो सफलताएं हासिल कीं। दूसरे टी20 में अर्शदीप की वापसी इन दोनों युवाओं को संबल प्रदान करेगी।

भारत को हालांकि बल्लेबाजी के मोर्चे पर आत्मनिरीक्षण करना होगा। भारत ने मुंबई में पहले ओवर में 17 रन जोडे, लेकिन इसके बाद सभी बल्लेबाज 'आक्रामक रुख' अपनाने की कोशिश में अपना विकेट गंवाते चले गये। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे दीपक हुड्डा ने आखिरकार 23 गेंदों पर 41 रन की विस्फोटक पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। ऊपरी क्रम को टीम को मजबूत शुरुआत देने की जरूरत है, हालांकि बल्लेबाजी में गहराई होने के कारण उनके पास जोखिम उठाने की सुविधा होगी।

दूसरी ओर, पहले टी20 में श्रीलंका की बल्लेबाजी ने भी उन्हें कई सवालों के जवाब तलाशने के लिये मजबूर कर दिया। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम की पिच दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजों के लिये ज्यादा कारगर साबित होती है, लेकिन श्रीलंकाई बल्लेबाज इस विकेट पर 162 रन का मामूली स्कोर भी हासिल नहीं कर सके। दसुन शनाका और चमिका करुणारत्ने ने अंत में तेज बल्लेबाजी की मगर श्रीलंका जीत से दो रन दूर रह गयी। श्रीलंका को सीरीज में जीवित रखने के लिये पथुम निसंका, कुसल मेंडिस और धनन्जय डी सिल्वा जैसे बल्लेबाजों से सुसज्जित बल्लेबाजी क्रम को प्रदर्शन करना होगा। श्रीलंका ने भारत को उसी के घर में छह साल से नहीं हराया है, हालांकि भारतीय सरजमीन पर उनकी आखिरी जीत 2016 में पुणे के इसी मैदान पर आयी थी। श्रीलंका को उम्मीद होगी कि वह गुरुवार को इस नतीजे को दोहराकर सीरीज 1-1 से बराबर कर सके।

मेदवेदेव एडीलेड इंटरनेशल के क्वार्टर फाइनल में

एडीलेड, 4 जनवरी । दानिल मेदवेदेव ने बुधवार को यहां मियोमिर केसमानोविच के खिलाफ सीधे सेट में जीत के साथ एडीलेड इंटरनेशल टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मेदवेदेव ने सर्बिया के खिलाड़ीको 6-0, 6-3 से हराया। मेदवेदेव की मियोमिर के खिलाफ तीन मैच में यह तीसरी जीत है। तीसरे वरीय और दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ीमेदवेदेव क्वार्टर फाइनल में रूस के हमवतन कारेन खचानोव से भिड़ेंगे। पिछले साल अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले खचानोव ने ब्रिटेन के जैक ड्रैपर को 6-4, 6-2 से हराया। इस एटीपी-डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के महिला वर्ग में दूसरी वरीय एरिना सबालेंका ने दो घंटे और 15 मिनट चले कड़े मुकाबले में लुइडमिला सैमसोनोवा को 7-6 (8) 7-6 (3) से हराया। फ्रेंच ओपन 2019 के फाइनल में जगह बनाने वाली मार्केटा वोंद्रोसोवा ने काइया कानेपी को 6-0, 6-4 से बाहर का रास्ता दिखाया।

खिलाड़ी वनडे क्रिकेट खेलें, भले आईपीएल से ले ब्रैक: गंभीर

कोलकाता, 4 जनवरी । पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने इस साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में रखते हुए कहा है कि भारत के प्रमुख खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा एकदिवसीय (वनडे) क्रिकेट खेलना चाहिये, भले ही उन्हें आईपीएल में टी20 से ब्रेक लेना पडे।

गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'रोड टू वर्ल्ड कप ग्लोरी' पर कहा, इस साल वनडे पर जरूर ध्यान देना चाहिये। तीन से ज्यादा प्रारूप खेलने वाले खिलाड़ी अगर ब्रेक लेना चाहें तो टी20 क्रिकेट से ब्रेक ले सकते हैं, लेकिन वनडे फॉर्मेट से तो बिल्कुल नहीं। उन्हें एक साथ खेलना है। मुझे लगता है कि पिछले दो विश्व कप में भारतीय क्रिकेट ने सबसे बड़ी गलती यह की है कि इन लोगों ने एक साथ पर्याप्त क्रिकेट नहीं खेला।

गंभीर ने कहा, मुझे बताओ कि हमने मैदान में कितनी बार सर्वश्रेष्ठ एकादश उतारी है? हमने ऐसा नहीं किया, केवल विश्व कप के दौरान हमने सर्वश्रेष्ठ एकादश रखने का फैसला किया, लेकिन दुर्भाग्य से वह कभी भी सर्वश्रेष्ठ एकादश नहीं रही। इसलिए इन खिलाड़ियों को पर्याप्त सीमित ओवर क्रिकेट खेलनी होगी, खासकर 50 ओवरों के विश्व कप के लिये, भले ही वे टी20 या फिर आईपीएल से ब्रेक लेना चाहते हों। ब्रेक टी20 प्रारूप में होना चाहिये न कि 50 ओवरों के एकदिवसीय मैच में। अगर फ्रेंचाइजी को नुकसान उठाना पड़ता है तो यह भी मंजूद है।

गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक जनवरी को हुई समीक्षा बैठक में यह फैसला लिया था कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) आईपीएल टीमों के साथ मिलकर काम करेगी और भारत के प्रमुख खिलाड़ियों की फिटनेस की निगरानी करेगी।

गंभीर ने कहा, भारतीय क्रिकेट मुख्य हितधारक है, आईपीएल नहीं। आईपीएल सिर्फ एक उत्पाद है। अगर भारत बाहर जाता है और विश्व कप जीतता है, तो यह बड़ी उपलब्धि होगी। उदाहरण के लिये अगर कोई महत्वपूर्ण खिलाड़ी आईपीएल के कुछ मैच छोड़ देता है तो यह ही सही, क्योंकि आईपीएल हर साल होता है और विश्व कप चार साल में एक बार होता है। इसलिए मुझे लगता है कि विश्व कप जीतना आईपीएल जीतने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

गंभीर ने एकदिवसीय विश्व कप में भारतीय टीम के चयन को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि बीसीसीआई को सबसे पहले ऐसे खिलाड़ियों को चुनने की जरूरत है जो बेबाकी के साथ खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि एकदिवसीय क्रिकेट में हर तरह के खिलाड़ीकी जरूरत होगी, ऐसे खिलाड़ियों की भी जो पिच पर टिककर खेल सकते हैं।

विश्व कप 2011 जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे गंभीर ने कहा, (पिछले कुछ वर्षों में) खिलाड़ियों की भूमिका बदलने से खेल पर प्रभाव पड़ा है। मुझे हमेशा लगता है कि जब हम इस 'नये रवैये' के बारे में बात करते हैं, तो आपको ऐसे खिलाड़ियों की पहचान करनी होगी जो उन भूमिकाओं या उस खाके को बहुत आसानी से अपना सकते हैं। कुछ लोग उस खाके के अनुकूल नहीं खेल सकते, इसलिये उन्हें एक निश्चित तरीके से खेलने के लिये धकेलने के बजाय सही खिलाड़ियों की पहचान करना और साथ ही टीम में सही मिश्रण हासिल करना बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि विराट कोहली, रोहित शर्मा और वे सभी खिलाड़ीजो विकेट पर टिक सकते हैं और स्पिन को वास्तव में अच्छी तरह से खेल सकते हैं, वह आने वाले विश्व कप में बड़ी भूमिका निभाएंगे। इसी बीच, पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयनकर्ता समिति के अध्यक्ष कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा कि भारत को जल्द से जल्द विश्व कप टीम को एक रूप दे देना चाहिये।

श्रीकांत ने कहा, मुझे लगता है कि जैसे ही ऑस्ट्रेलिया शृंखला (फरवरी-मार्च) समाप्त हो जाती है, तब तक योजना बनायें कि यह मेरी सर्वश्रेष्ठ टीम है। अगर मैं चयन समिति का अध्यक्ष होता तो मैं कहता कि यह मेरे 15 खिलाड़ी हैं। मैं उनकी फॉर्म देखता और फिर आईपीएल के बाद कुछ छोटे-मोटे बदलाव करता। मैं एशिया कप तक यह सोचकर इंतजार नहीं कर सकता कि इस एशिया कप के बाद मैं टीम का चयन करूंगा।

उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया सीरीज समाप्त होते ही हमें खिलाड़ियों को यह बताना होगा कि आप लोग विश्व कप खेलने जा रहे हैं। आओ, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करो, वहां अपना फॉर्म बनाये रखो। यह सुनिश्चित करो कि आपकी फिटनेस शानदार रहे। अगर मैं चयन समिति का अध्यक्ष होता तो मैं यही करता।

दूसरे टी-20 के लिये अर्शदीप फिट, सैमसन अनफिट

पुणे, 4 जनवरी। भारतीय युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह श्रीलंका के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 में चयन के लिये फिट हैं, जबकि उनकी टीम के साथी संजू सैमसन घुटने में चोट लगने के कारण मुकाबले से बाहर रह सकते हैं।

क्रिकेट समाचार वेबसाइट क्रिकबज़ ने बुधवार को सूत्रों के हवाले से बताया कि विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन टीम के साथ पुणे जाने के बजाय मुंबई में ही रुके हैं, जहां उनके घुटने की जांच होगी। सैमसन ने मुंबई में मंगलवार को हुए पहले टी20 मुकाबले में कैच पकडने के प्रयास में छलांग लगायी थी। उन्होंने पहले प्रयास में गेंद को पकड लिया, हालांकि जोर से गिरने के कारण गेंद उनके हाथ से छूट गयी। उन्होंने इसके बाद भी मैच में फील्डिंग करना जारी रखा लेकिन बाद में घुटने में सूजन होने के कारण उन्हें मेडिकल सलाह लेने को कहा गया।

क्रिकबज़ ने कहा कि सैमसन का दूसरे टी20 में खेलना मेडिकल जांच और टीम प्रबंधन के फैसले पर निर्भर करेगा।

इसी बीच, सूत्रों ने बताया कि बुखार के कारण पहले टी20 से बाहर रहने वाले अर्शदीप चयन के लिये उपलब्ध हैं। अर्शदीप की गैरमौजूदगी में भारत ने पहले मुकाबले में शिवम मावी को खिलाया था, जिन्होंने अपने पदार्पण को यादगार बनाते हुए चार ओवर में 22 रन देकर चार विकेट लिये थे।

अर्शदीप का फिट होना टीम प्रबंधन के लिये चयन दुविधाओं का कारण बन सकती है। भारतीय गेंदबाजों ने मैच में अच्छा प्रदर्शन किया और 162 के स्कोर का बचाव करने में सफल रहे। मावी के अलावा युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने भी अपने चार ओवरों में दो सफलताएं हासिल करते हुए सिर्फ 27 रन दिये थे, हालांकि हर्षल पटेल (चार ओवर, 41 रन, दो विकेट) अपेक्षाकृत महंगे साबित हुए थे।

ऋषभ पंत को मुंबई लाया गया

नयी दिल्ली, चार जनवरी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को कहा कि स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत 'लिगामेंट की चोट की सर्जरी कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं' जिसके कारण वह अनिश्चित काल के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हो जाएंगे।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पंत को देहरादून के एक अस्पताल से एयरएंबुलेंस में मुंबई ले जाया गया है जहां घुटने और टखने के लिगामेंट की चोट के लिए उनका व्यापक उपचार होगा। पंत को 30 दिसंबर को कार दुर्घटना में चोटें लगी थी। बीसीसीआई ने पंत को एयर एंबुलेंस से मुंबई ले जाने का फैसला किया क्योंकि वह किसी व्यावसायिक एयरलाइन से उड़ान भरने की स्थिति में नहीं थे।

शाह ने विज्ञप्ति में कहा, ''30 दिसंबर को एक कार दुर्घटना के बाद मैक्स अस्पताल, देहरादून में इलाज करा रहे ऋषभ को एयर एंबुलेंस में मुंबई लाया जाएगा।''

जैसा कि पीटीआई ने पहले बताया था पंत का इलाज प्रसिद्ध खेल ऑर्थोपेडिक सर्जन दिनशॉ परदीवाला करेंगे। शाह ने कहा, ''उन्हें कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल और चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में भर्ती कराया जाएगा और अस्पताल में सेंटर फॉर स्पोर्ट्स मेडिसिन के प्रमुख और ऑर्थोस्कोपी एंड शोल्डर सर्विस के निदेशक डॉ. दिनशॉ परदीवाला की सीधी निगरानी में उनका इलाज होगा।''

उन्होंने कहा, ''ऋषभ की लिगामेंट की चोट के लिए सर्जरी होगी और उन्हें बाद की प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। उनके उबरने और रिहैबिलिटेशन के दौरान बीसीसीआई की चिकित्सा टीम उनका ध्यान रखेगी।''

शाह ने कहा, ''बोर्ड ऋषभ की उबरने की प्रक्रिया में सहायता और तेजी लाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा और इस अवधि के दौरान उसे हर संभव सहायता प्रदान करेगा।'' पच्चीस साल के पंत एक भयानक कार दुर्घटना में बाल-बाल बच गए थे जब वह दिल्ली से अपने गृहनगर रुड़की जा रहे थे लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग 58 पर नियंत्रण खो बैठे और उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। पंत के माथे पर चोट के निशान थे, पीठ में गंभीर चोट के साथ-साथ उनके घुटने और टखने में चोट लगी। अधिकांश चोटें हल्की थी लेकिन टखने और घुटने की चोट चिंताजनक है। हालांकि बीसीसीआई से एक केंद्रीय अनुबंधित क्रिकेटर होने के कारण उनकी चोट का इलाज बोर्ड का विशेषाधिकार है। उनके घायल घुटने और टखने का एमआरआई नहीं किया जा सका क्योंकि काफी सूजन थी।

हालांकि यह समझा जाता है कि केंद्रीय अनुबंधित क्रिकेटर के लिए किसी भी खेल संबंधी चोट का उपचार बीसीसीआई के तय डॉक्टरों द्वारा किया जाएगा और डॉ नितिन पटेल के नेतृत्व में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में खेल और चिकित्सा विज्ञान टीम की देखरेख में रिहैबिलिटेशन होगा।

पंत अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला और लुभावनी इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं खेल पाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट पर 147 रन

सिडनी, चार जनवरी। मार्नस लाबुशेन और उस्मान ख्वाजा के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के खराब मौसम से प्रभावित पहले दिन बुधवार को यहां दो विकेट पर 147 रन बनाए।

लाबुशेन (79) और ख्वाजा (नाबाद 54) ने दूसरे विकेट के लिए 135 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया ने दिन की आखिरी गेंद पर लाबुशेन का विकेट गंवाया जिन्होंने एनरिच नोर्किया (26 रन पर दो विकेट) की गेंद पर विकेटकीपर काइल वेरेन को कैच थमाया।

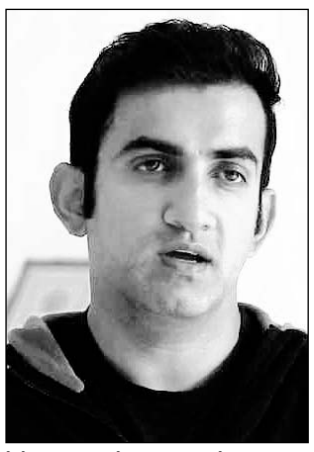

पहले दिन तीन घंटे से अधिक का खेल खराब मौसम की भेंट चढ़ गया। तीसरे सत्र में दोबारा शुरू शुरू होने पर सिर्फ चार ओवर फेंके जा सके और इस दौरान नोर्किया ने लाबुशेन को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। अंपायरों ने इसके बाद खराब रोशनी और बारिश के कारण खेल रोक दिया जो दोबारा शुरू नहीं हो पाया।

दूसरे सत्र में दो करीबी फैसले हालांकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गए। ख्वाजा को लंच के बाद साइमन हार्मर की दूसरी ही गेंद पर मैदानी अंपायर ने पगबाधा दे दिया लेकिन डीआरएस लेने पर पता चला कि गेंद ग्लव्स से छूने के बाद पैड से टकराई थी। मैदानी अंपायर को इसके बाद अपना फैसला बदलना पड़ा।

लाबुशेन भी भाग्यशाली रहे जब मार्को जेनसन की गेंद पर हार्मर ने पहली स्लिप में उनका कैच पकड़ा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हालांकि क्रीज पर खड़ा रहा और टीवी अंपायर ने काफी देर तक रीप्ले देखने के बाद फैसला किया कि गेंद स्लिप के क्षेत्ररक्षक के हाथों में पहुंचने से पहले जमीन से छू गई थी। लाबुशेन ने इससे पहले कागिसो रबादा पर चौके के साथ 98 गेंद में अपना 14वां टेस्ट शतक पूरा किया। ख्वाजा ने इस पारी के दौरान 56 मैच में चार हजार टेस्ट रन पूरे किए और फिर 113 गेंद में अर्धशतक जड़ा। दूसरे सत्र में ड्रिंक्स ब्रेक के बाद खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ा। अंतिम सत्र के दौरान तेज बारिश की आशंका है जिससे मैच में और विलंब हो सकता है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से क्लीनस्वीप करने और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह लगभग पक्की करने की कवायद में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन नोर्किया ने पारी के चौथे ओवर में ही डेविड वार्नर (10) का आउट किया जिन्होंने स्लिप में जेनसन को कैच थमाया।

प्रणय, सिंधु करेंगे एशिय चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई

नयी दिल्ली, 4 जनवरी । राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पीवी सिंधु और विश्व के नंबर आठ शटलर एचएस प्रणय 14 से 19 फरवरी तक दुबई में होने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारतीय दल की अगुवाई करेंगे। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीएआई ने एक बार फिर शीर्ष खिलाड़ियों को सीधे चुनने और बाकी टीम के लिये ट्रायल आयोजित करने की प्रणाली का पालन किया। वर्ष 2021 में एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के पिछले संस्करण को कोविड महामारी के कारण रद्द करना पड़ा था और भारतीय खिलाड़ी यह दिखाने के लिये उत्सुक होंगे कि वे 2019 से कितने बेहतर हो गये हैं। प्रणय के अलावा लक्ष्य सेन टीम के दूसरे पुरुष एकल खिलाड़ी होंगे जबकि आकर्षि कश्यप महिला एकल की अतिरिक्त खिलाड़ी होंगी। फ्रेंच ओपन जीतने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोडी को पुरुष युगल में कृष्ण प्रसाद जी और विष्णुवर्धन गौड़ का साथ मिलेगा। ऑल इंग्लैंड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी महिला युगल का मोर्चा संभालेगी, जबकि अश्विनी भट और शिखा गौतम की जोड़ी उनका बैकअप होगी।

बीएआई के सचिव संजय मिश्रा ने टीम के चयन पर कहा, हमने एक बहुत मजबूत टीम चुनी है जो किसी भी शीर्ष राष्ट्र को हराने की क्षमता रखती है। हमारी पुरुष टीम ने पिछले साल थॉमस कप के दौरान दिखाया था कि जब वे अपनी लय पाते हैं तो क्या होता है और मुझे विश्वास है कि यह टीम पोडियम पर भी जगह बना सकती है। ऑल इंग्लैंड ओपन के सेमी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली मुख्य महिला युगल जोड़ी होंगी, जबकि ईशान भटनागर और तनीषा कास्त्रो के मिश्रित युगल की जिम्मेदारी लेने की उम्मीद है।

भारतीय टीम : लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय (पुरुष एकल), पीवी सिंधु और आकर्षि कश्यप (महिला एकल), सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, कृष्ण प्रसाद गर्ग और विष्णुवर्धन गौड़ पी (पुरुष युगल), त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद, अश्विनी भट और शिखा गौतम (महिला युगल), ईशान भटनागर और तनिषा क्रास्टो (मिश्रित युगल)

राजस्थान ने 287 रन बनाये

जयपुर, 4 जनवरी। करण लाम्बा की नाबाद (122)शतकीय पारी से मेजबान राजस्थान ने रणजी ट्राफी में झारखंड के विरुद्ध पहली पारी में 287 रन बना पहली पारी में बढ़त हासिल की। दिन का खेल समाप्त होने तक झारखंड ने बिना किसी नुकसान के 66 रन बना लिये हैं। झारखंड ने पहली पारी में 52 रन बनाये थे।

सरफराज के शतक ने मुंबई को दिलाई विशाल बढ़त

मुंबई, 4 जनवरी। मुंबई ने सरफराज खान (162) के जुझारू शतक के दम पर रणजी ट्रॉफी के ग्रुप-बी मुकाबले की पहली पारी में बुधवार को तमिलनाडु पर 337 रन की विशाल बढ़त बना ली। मुंबई ने ऑलआउट होने से पहले 481 रन बनाये, जबकि तमिलनाडु ने दूसरे दिन स्टंप्स तक एक विकेट के नुकसान पर 62 रन बना लिये।

तमिलनाडु को पहली पारी में 144 रन पर ऑलआउट करने के बाद मुंबई ने अपने छह विकेट 161 रन पर गंवा दिये थे, लेकिन सरफराज के शतक ने मैच का रुख पलट दिया। सरफराज ने 220 गेंदों पर 19 चौके और एक छक्का लगाकर 162 रन बनाते हुए तनुष कोटियान (71) के साथ सातवें विकेट के लिये 167 रन की साझेदारी की। कोटियान ने 114 गेंदों की अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। सरफराज-कोटियान के आउट होने के बाद 10वें नंबर के बल्लेबाज मोहित अवस्थी और 11वें नंबर के बल्लेबाज सिद्धार्थ रावत ने आखिरी विकेट के लिये 92 रन की बहुमूल्य साझेदारी करके तमिलनाडु के हौसले पस्त कर दिये। अवस्थी ने 97 गेंदों पर नौ चौके और एक छक्का लगाकर 69 रन बनाये, जबकि सिद्धार्थ 31 रन बनाकर नाबाद रहे।

भुवनेश्वर में नीदरलैंड टीम का भव्य स्वागत

भुवनेश्वर, 4 जनवरी । पुरुष हॉकी विश्व कप की तीन बार की चैंपियन नीदरलैंड पुरुष हॉकी टीम एफआईएच ओडिशा पुरुष विश्व कप 2023 के लिये बुधवार को ओडिशा पहुंची, जहां बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

नीदरलैंड 10 जनवरी को राउरकेला जाने से पहले भुवनेश्वर में अपनी अंतिम तैयारियां पूरी करेगी। राउरकेला में थिएरी ब्रिंकमैन की टीम का 14 जनवरी को मलेशिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। साल 1973, 1990 और 1998 में विश्व कप जीतने के अलावा पिछले दो संस्करणों में फाइनल तक पहुंचने वाली नीदरलैंड खेल के इतिहास में सबसे सुसज्जित टीमों में से एक है। डच टीम के कोच जेरोइन डेलमी ने भारत आने के बाद कहा, मुझे लगता है कि हमें एक बार में एक मैच पर ध्यान देना होगा और फिर हम देखेंगे कि हम टूर्नामेंट में कहां रहते हैं। हमारा पहला लक्ष्य क्वार्टर-फ़ाइनल में पहुंचना है और फिर सेमीफाइनल में पहुंचना। हम उसके बाद देखेंगे कि फाइनल में चीजें कैसी चलती हैं। निश्चित रूप से, अगर हम फाइनल में पहुंचते हैं तो हम तस्वीर बदलने और टूर्नामेंट जीतने की उम्मीद करेंगे। हालांकि इस बार हमारे पास एक पूरी तरह से अलग टीम है और आप पिछले संस्करण की टीम से मौजूदा खिलाड़ियों की तुलना नहीं कर सकते हैं।

पूल सी में नीदरलैंड्स को चिली, मलेशिया और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन मलेशिया के खिलाफ अपने मैच के बाद नीदरलैंड 16 जनवरी को राउरकेला में न्यूजीलैंड का सामना करेगा, जबकि 19 जनवरी को भुवनेश्वर में चिली के खिलाफ अपने ग्रुप स्टेज अभियान का समापन करेगा। नीदरलैंड टीम के सभी ग्रुप-स्टेज मैच भारतीय समयानुसार दोपहर तीन बजे शुरू होंगे।

डेलमी ने टूर्नामेंट में अपनी सबसे बड़ी चुनौती से पर्दा उठाते हुए कहा, सबसे बड़ी चुनौती टीम की अनुभवहीनता और शायद वे आश्चर्यजनक मोड़ होंगे जिनका हम एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 में सामना कर सकते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि हम टूर्नामेंट में आने वाली चुनौतियों से कैसे पार पाते हैं। मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है।

टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, नीदरलैंड, भारत, अर्जेंटीना, जर्मनी, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, फ्रांस, कोरिया, मलेशिया, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका, जापान, चिली और वेल्स सहित 16 टीमें भाग ले रही हैं।

कप्तान ब्रिंकमैन ने पिछले कुछ महीनों में प्रतियोगिता के लिये टीम की तैयारियों के बारे में कहा, विश्व कप की तैयारी में पिछले कुछ महीने हमारे लिये काफी अच्छे रहे हैं। टीम टूर्नामेंट के लिये पूरी तरह से तैयार है। हम अभी भारत पहुंचे हैं और पहले मैच की तैयारी शुरू करने से पहले थोड़ा आराम करेंगे। यहां फिर से आना अद्भुत है और हम टूर्नामेंट में हॉकी प्रशंसकों के सामने खेलने के लिये उत्साहित हैं। कप्तान ने अपनी टीम के कुछ प्रभावशाली खिलाडियों के बारे में भी बात की। ब्रिंकमैन ने कहा, हमारी टीम में कई प्रमुख खिलाड़ीहैं जो टूर्नामेंट को रोशन कर सकते हैं। जोरिट क्रून, जोनास डी ग्यूस और गोलकीपर पिरमिन ब्लाक देखने लायक खिलाड़ीहैं और मैं इस दौरान प्रशंसकों का मनोरंजन करने के लिये खुद कुछ गोल करने की कोशिश करूंगा।

शकील का शतक, पटेल-सोढी ने करवाई न्यूजीलैंड की वापसी

कराची, 4 जनवरी । पाकिस्तान ने सऊद शकील (124 नाबाद) के शतक और सरफराज अहमद (78) के साथ उनकी विशाल साझेदारी की बदौलत न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन 407 रन बना लिये। पाकिस्तान हालांकि अब भी 42 रन से पीछे है और उन्होंने नौ विकेट गंवा दिये हैं।

पाकिस्तान ने दिन की शुरुआत 154/3 के स्कोर से की, जबकि अच्छी लय में दिख रहे इमाम-उल-हक अपने शतक से चूक गये। इमाम ने 165 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 83 रन बनाये। शकील और सरफराज ने इसके बाद मोर्चा संभाल लिया और पांचवें विकेट के लिये 150 रन जोड़े। सरफराज ने 109 गेंदों पर 10 चौकों के साथ 78 रन बनाये, हालांकि डैरिल मिचेल की गेंद पर टॉम ब्लंडेल की शानदार स्टंपिंग ने उन्हें इस पारी को शतक में बदलने से रोक दिया। शकील ने अपना शतक पूरा करने के बाद आगा सलमान (41) के साथ भी 53 रन जोड़े। तीसरा सत्र समाप्त होने से कुछ देर पहले तक पाकिस्तान मजबूत स्थिति में थी, लेकिन अजाज़ पटेल और ईश सोढ़ी ने सिर्फ 12 रन के अंतराल में चार विकेट लेकर न्यूजीलैंड की मैच में वापसी करवाई। पटेल ने सलमान और हसन अली को अपना शिकार बनाया, जबकि सोढ़ी ने नसीम शाह और मीर हमज़ा को आउट किया। दिन का खेल खत्म होने से पहले शकील ने 124 रन बना लिये, जबकि अबरार अहमद बिना खाते खोले उनके साथ मौजूद हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने विराटनगर और जमवारामगढ़ में भाजपा की जनाक्रोश यात्राओं को संबोधित किया। दोनों ही जनसभाओं में कार्यकर्ताओं एंव लोगों का भारी जन समर्थन दिखाई दिया। विराटनगर में उत्साहित कार्यकर्ताओं एवं लोगों ने डॉ. पूनिया को कंधे पर उठा लिया। जनसभाओं में भाजपा के कई अन्य क्षेत्रीय नेता भी सम्मिलित हुये। सांसद बालक नाथ, पूर्व मंत्री गोलमा देवी, हेम सिंह भड़ाना एवं प्रदेश भाजपा प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने भी डॉ. पूनिया के साथ इन जनसभाओं को संबोधित किया।

ढाई साल बाद भी कांग्रेस को नहीं मिले 400 ब्लॉक अध्यक्ष, सिर्फ सौ की घोषणा हो पाई

ब्लॉक अध्यक्षों की सूची आते ही कांग्रेस की चुनावी तैयारियों की पोल खुली

- **डेढ़ सौ विधानसभा क्षेत्रों में अब भी ब्लॉक अध्यक्षों के पद खाली है। सात जिलों में तो एक भी ब्लॉक अध्यक्ष की घोषणा नहीं हुई है, जबकि पार्टी का दावा तो मंडल स्तर पर भी संगठन तैयार करने का था।**
- **आलाकमान को आंख दिखाने वाले महेश जोशी और शांति धारीवाल को नहीं मिला एक भी ब्लॉक अध्यक्ष।**

जयपुर, 4 जनवरी (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस के नेता राजस्थान में फिर से सरकार बनाने का दावा करते हैं और मुख्यमंत्री कहते हैं कि इस बार एंटी इन्कम्बैंसी नहीं है। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा कहते हैं कि, साथ रहेंगे तो फिर से सरकार बनेगी। लेकिन कांग्रेस की सरकार बनाने की तैयारी कैसी है, इसका उदाहरण बुधवार को देखने को मिला, जब मंडल स्तर तक कांग्रेस संगठन पहुंचाने का दावा करने वाली कांग्रेस, ढाई साल के बाद, खाली पड़े 400 ब्लॉक अध्यक्षों के पदों में से सिर्फ 100 के नाम ही घोषित कर पाई। इसका मतलब साफ लगता है कि बाकी ब्लॉकों में जबरदस्त विवाद है, जिसके कारण नामों की घोषणा नहीं हो पाई है।

जुलाई 2020 में ब्लॉक और जिला कार्यकारणी को भंग किया गया था, ढाई साल बाद उनमें से केवल 100 ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की घोषणा की गई है। यानी कि राजस्थान के 200 में से 150 विधानसभा क्षेत्र अब भी बिना ब्लॉक अध्यक्ष के हैं। जबकि राजस्थान कांग्रेस की ओर से दावा तो किया गया था कि, कांग्रेस मंडल स्तर पर संगठन को विस्तार देगी। ऐसे में अंदाज़ लगाया जा सकता है कि, कांग्रेस की संगठन स्तर पर चुनावी वर्ष में भी कितनी कमजोर तैयारी है। जिन ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा हुई है, वह भी इसलिए हो पाई, क्योंकि राजस्थान के नए प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने जयपुर में संगठन और विधायकों की बैठक के बाद में नियुक्तियाँ करने का दावा किया था, इसलिए बिना विवाद वाले सो ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा कर दी गई है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सरदारपुरा, सचिन पायलट के टोंक और डोटासरा के लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष बना दिए गए हैं। वहीं, टीकाराम जूली के विधानसभा क्षेत्र अलवर रूरल, शकुंतला रावत के बानसूर, मंत्री प्रमोद जैन भाया के अंता, हेमाराम चौधरी के गुड़ामालानी, महेंद्रजीत सिंह मालवीय के बागीदौरा, विश्वेंद्र सिंह के डीग कुम्हेर, रामलाल जाट के मांडल, बीडी कल्ला के बीकानेर वैस्ट, भंवर सिंह भाटी के कोलायत, गोविंद राम मेघवाल के खाजूवाला, अशोक चांदना के हिंडोली, उदयलाल आंजना के निंबाहेड़ा, मुरारी लाल मीणा के दौसा, परसादी लाल मीणा के लालसोट, लालचंद कटारिया के झोटवाड़ा, ममता भूपेश के सिकराय, प्रताप सिंह के सिविल लाइंस, सालेह मोहम्मद के पोकरण, सुखराम बिश्नोई के सांचोर, बृजेंद्र ओला के झुंझुनू, महेंद्र चौधरी के नावा, मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया के दोनों ब्लॉक अध्यक्ष बना दिए गए हैं। चुनाव हारे हुए नेताओं में रघुवीर मीणा, बीज निगम के अध्यक्ष धीरज गुर्जर, राज्यसभा सांसद नीरज डांगी और पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी भी अपने क्षेत्रों में दोनों ब्लॉक अध्यक्ष बनाने में सफल रहे हैं।

जिन मंत्रियों के विधानसभा क्षेत्रों के ब्लॉक अध्यक्ष नहीं बने हैं उनमें महेश जोशी, शांति धारीवाल, रमेश मीणा, भजन लाल जाटव, राजेंद्र सिंह गुढ़ा, राजेंद्र यादव के दोनों ब्लॉक बाकी हैं। महेश जोशी और शांति धारीवाल के क्षेत्र में ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा नहीं होने को उस राजनीतिक घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है, जो कि 25 सितंबर को हुआ था। उसमें प्रमुख भूमिका के चलते दोनों नेताओं को कांग्रेस आलाकमान ने अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए नोटिस जारी किया था।

ब्लॉक अध्यक्षों में जिलों की बात करें तो, अलवर के 22 में से 6, बांसवाड़ा के 10 में से 4, बारां के 8 में से 6, बाड़मेर के 14 में से 6, भरतपुर के 14 में से 4, भीलवाड़ा के 14 में से 4, बीकानेर के 14 में से 8, बूंदी के 6 में से2, चित्तौड़गढ़ के 10 में से 4, दौसा के 10 में से 6, धौलपुर के 8 में से 2, डूंगरपुर के 8 में से 2, गंगानगर के 12 में से 2, जयपुर के 38 में से केवल 4, जैसलमेर के 4, जालौर के 10 में से 2, झुंझुनू के 14 में से 8, जोधपुर के 20 में से 4, कोटा के 6 में से 4, नागौर के 20 में से 4, सवाई माधोपुर के 8 में से 4, सीकर के 16 में से 4, सिरोही के 6 में से 2, टोंक के 8 में से 2 और उदयपुर के 8 में से 4 ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा कर दी गई है।

केवल एक जैसलमेर के सभी चारों ब्लॉक अध्यक्ष बना दिए गए हैं। जबकि 7 जिले, अजमेर, चूरू, हनुमानगढ़, करौली, पाली, प्रतापगढ़ और राजसमंद में एक भी ब्लॉक अध्यक्ष नहीं बनाया गया है।

विराटनगर और जमवारामगढ़ में भाजपा की जनाक्रोश सभाओं में भारी भीड़ उमड़ी

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश भाजपाध्यक्ष डॉ. पूनिया ने कहा, विराटनगर में पांडवों ने अज्ञातवास किया था, पांडवों को यहां से शक्ति और ऊर्जा मिली थी और महाभारत का युद्ध जीता, 2023 का राजस्थान का धर्मयुद्ध प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भाजपा जीतेगी

- **डॉ. पूनिया ने कहा, जमवारामगढ़ की धरती से आपको विश्वास दिलाता हूं कि, 2023 में भाजपा की सरकार बनने पर रामगढ़ बांध में पानी लाने का संकल्प पूरा करेंगे।**
- **जनाक्रोश सभा से पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पूनिया और प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा सामोद पहुंचे, सड़क हादसे में मृत लोगों के परिजनों से मिले तथा एक माह का वेतन और क्राउड फण्डिंग से राशि एकत्र करके देने की घोषणा की।**

जयपुर, 4 जनवरी (का.सं.)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने विराटनगर एवं जमवारामगढ़ में जन आक्रोश सभाओं को जन सभा में संबोधित किया। अपार जनसैलाब उमड़ा।

जन आक्रोश सभाओं में सांसद बाबा बालक नाथ, पूर्व मंत्री गोलमा देवी, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना, विधायक मंजीत चौधरी, प्रदेश मंत्री जितेंद्र गोठवाल, जिला प्रमुख रमा देवी, जिला अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, जिला अध्यक्ष बलवान यादव, पूर्व विधायक फूलचंद भिंडा, मोहित यादव इत्यादि मौजूद रहे।

जन आक्रोश सभाओं को संबोधित करते हुए सतीश पूनिया ने कहा कि, राजस्थान में कांग्रेस सरकार का किस्सा कुर्सी का चल रहा है, इनके झगड़े के कारण प्रदेश का विकास ठप पड़ा है, आखिर क्यों तो कांग्रेस विधायकों ने इस्तीफे दिए और क्यों वापस लिए, यह राजस्थान की जनता जवाब मांग रही है और चुनाव में भी जनता कांग्रेस के विधायकों और सरकार से जवाब मांगेगी।

डॉ. पूनिया ने कहा, मेरे लिए भाजपा का सम्मान सबसे बड़ा है, मैं जो कुछ भी हूं भाजपा की वजह से हूं, मेरा सम्मान भाजपा की वजह से है। मेरी वाणी और कलम राजस्थान के विकास, उन्नति और शांति के लिए चलेगी, यह आपको विश्वास दिलाता हूँ। 2023 में भाजपा की सरकार बनने पर रामगढ़ बांध में पानी लाने का संकल्प पूरा करेंगे।

पूनिया ने कहा, मैं विराटनगर की भूमि से आ ान करता हूँ कि, 2023 का एक तरह से धर्मयुद्ध है और विराटनगर की धरती से आपको किसान का बेटा निवेदन करने और आ ान करने आया है कि, इस धर्मयुद्ध में लड़ने के लिए तैयार हो जाएं किसान और युवा विरोधी कांग्रेस सरकार के खिलाफ। आजादी से लेकर अब तक प्रदेश में यह कांग्रेस की ऐसी निकम्मी और भ्रष्ट सरकार है जिसमें प्रदेश के नागरिक अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हैं, प्रदेश में कहीं भी बहन बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, एक तरीके से गुंडाराज और जंगलराज ऐसे हालात बने हुए हैं। किसानों से संपूर्ण कर्जमाफी और युवाओं से भर्तियों एवं बेरोजगारी भत्ता के नाम पर कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार ने वादाखिलाफी की, झूठ बोला और किसान कर्जमाफी का वादा पूरा नहीं करने से प्रदेश के 18 हजार से अधिक किसानों की जमीनें नीलाम हो गई और काफी संख्या में किसान कर्ज से तंग आकर सुसाइड कर चुके हैं। उसमें जंगलराज, भ्रष्टाचार, बिगड़ी कानून व्यवस्था, पुजारियों की हत्या, पेपर लीक जैसे तमाम मुद्दे हैं। विराटनगर में पांडवों ने अज्ञातवास किया था, पांडवों को यहां से शक्ति और ऊर्जा मिली थी और महाभारत का युद्ध जीता, और 2023 का राजस्थान का धर्मयुद्ध भाजपा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और जनकल्याणकारी नीतियों से जीतेगी, जिसमें गुजरात की तरह राजस्थान में भी भाजपा ऐतिहासिक जीत का रिकॉर्ड बनाएगी।

जन आक्रोश सभा से पहले सतीश पूनिया और रामलाल शर्मा ने सामोद पहुंचकर खंडेला-पलसाना मार्ग पर सड़क हादसे में काल कवलित हुए दिवंगत लोगों के परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। सतीश पूनिया और रामलाल शर्मा पीड़ित परिजनों को अपने एक-एक महीने का वेतन देंगे, साथ ही पीड़ित परिजनों को सौंपेंगे। राज्य सरकार से भी सतीश पूनिया ने मृतकों व घायलों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

विधवा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया, लेकिन,विभाग ने 19 मार्च,2009 के पत्र में याचिकाकर्ता को निर्भर की श्रेणी में मानने से इंकार करते हुए अनुकम्पा नियुक्ति देने से इंकार कर दिया। जबकि नियमों में निर्भर सदस्य का हवाला दिया गया है ना कि परिवार का। याचिकाकर्ता और उसका दिवंगत पति अपने तीन बच्चों के साथ आर्थिक रूप से अपनी दिवंगत सास पर ही निर्भर थे। ऐसे में नियमों के अनुसार याचिकाकर्ता सुशीला देवी निर्भरता की श्रेणी में आती है और अनुकम्पा नियुक्ति की हकदार है। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए कहा है कि, विधवा पुत्री के समान ही विधवा पुत्रवधु भी अनुकम्पा नियुक्ति की हकदार है। कोर्ट ने विभाग के 19 मार्च,2009 के पत्र को रद्द करते हुए याचिकाकर्ता की अनुकम्पा नियुक्ति पर 30 दिन विचार करने और सभी लाभ देने के आदेश दिए हैं।

नीतीश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खुश करने वाले मैत्रीपूर्ण बयान देते रहते हैं। लेकिन बिहार के राजनैतिक समीकरणों या विपक्षी एकता के प्रयासों से संबंधित समीकरणों का सुव्यवस्थित रूप में आना दूर की बात है।

सरकारी स्कूलों में वरिष्ठ अध्यापक और व्याख्याताओं के 13,000 पद रिक्त पड़े हैं

- **शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने कहा कि, राज्य में ऐसे सैकड़ों स्कूल हैं जहां ना तो व्याख्याता है ना ही वरिष्ठ अध्यापक।**
- **उन्होंने कहा कि, दो सत्रों से व्याख्याता पद पर पदोन्नति भी नहीं हुई है। सरकार के इस ढुलमुल रवैये से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।**

बीकानेर, 4 जनवरी (कासं)। शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने बताया कि, राज्य के सबसे बड़े विभाग शिक्षा विभाग की सरकारी स्कूलों में कक्षा नवीं व दसवीं को पढ़ने वाले वरिष्ठ अध्यापक व कक्षा ग्यारहवीं व बारहवीं को पढ़ाने वाले व्याख्याताओं के, बड़ी संख्या में पद रिक्त पड़े हैं।

राज्य में सरकारी स्कूलों में स्कूल व्याख्याता के 13 हजार से अधिक रिक्त पदों को भरने के लिए आर.पी.एस.सी. ने 11अक्टूबर से 21 अक्टूबर के बीच, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, अंग्रेजी, भूगोल सहित 26 विषयों के लिए परीक्षा आयोजित करवाई थी। इनमें से 15 विषयों की उत्तर कुंजी जारी करके आपत्ति भी मांग ली गई है। बाकी विषयों की उत्तर कुंजी अभी तक नहीं मांगी गई है। वहीं आर.पी.एस.सी. द्वारा वरिष्ठ अध्यापक के 8 विषयों के 9 हजार 760 पदों के लिए दिसम्बर माह में परीक्षा आयोजित करवाई गई। जिसमें ग्रुप सी का सामान्य ज्ञान का पेपर रद्द होने के कारण अब 29 जनवरी को परीक्षा का आयोजन होगा। विभाग में तृतीय श्रेणी शिक्षक से लेकर वरिष्ठ अध्यापक के 4317 पदों पर 21 दिसम्बर को पदोन्नति कर दी गई है। लेकिन इनका आर.पी.एस.सी. से अनुमोदन नहीं होने के कारण इनके चयन आदेश जारी नहीं हुए है। ऐसे में इस सत्र में कक्षा नवीं ओर दसवीं को पढ़ाने के लिए वरिष्ठ अध्यापक नहीं मिलेंगे।

दूसरी ओर वरिष्ठ अध्यापक की सीधी भर्ती की उत्तर कुंजी जारी होगी, आपत्ति ली जायेगी फिर परिणाम जारी होगा। इसके बाद काउन्सलिंग से पदस्थापन आदेश जारी होंगे, जिससे साफ है कि, विद्यार्थियों को इस शिक्षा सत्र में वरिष्ठ अध्यापक नहीं मिलेंगे। साथ ही राज्य के सरकारी स्कूलों में ऐसे सैकड़ों स्कूल हैं जिनमें एक भी व्याख्याता नहीं है ओर वरिष्ठ अध्यापक भी नहीं हैं, ऐसे में विद्यार्थियों की पढ़ाई कैसे होगी।

राज्य सरकार ने 3 अगस्त 2021 को नया सेवा नियम लागू कर दिया, जिसके अनुसार बीए और एमए में समान विषय होने पर ही वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता पद पर पदोन्नति होगी। विभाग ने इसके आदेश पर पात्रता सूची भी जारी कर दी। कक्षा ग्यारहवीं ओर बारहवीं को पढ़ाने के लिए व्याख्याता जरूरी है, लेकिन, सरकार व विभाग के ढुलमुल रवैए के कारण दो सत्रों से व्याख्याता पदोन्नति नहीं हो पाई है। जिसके कारण राज्य के सरकारी स्कूलों में अध्यापन कार्य प्रभावित हो रहा है।

शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने बताया कि, पद रिक्त होने से ज्यादातर स्कूलों में अभी तक पाठ्यक्रम पूरा नहीं हुआ है। दूसरी ओर मार्च माह में बोर्ड परीक्षाएं शुरू हों जायेंगी, ऐसे में वरिष्ठ अध्यापक व व्याख्याता के पद रिक्त होने के कारण इस सत्र की कक्षा दसवीं ओर बारहवीं का बोर्ड परिणाम भी प्रभावित होगा।

कर्नाटक चुनावों में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(सलाह) है। उनकी (भाजपा) की नज़र विकास पर नहीं है, नफरत (पैदा करने) पर है, देश को बाँटने पर है।..... यही कारण है कि हमारी नजर विकास पर है।" उन्होंने कहा कि साफ बात यह है कि भाजपा ऐसे समय पर भावनाओं से खेल रही है, जब लोगों को नौकरी चाहिये, विकास चाहिये तथा अनिवार्य वस्तुओं की जबरदस्त महँगाई को जवाब चाहिये। अभी हाल ही में, भाजपा ने अपने "लव जिहाद" की सोच को कुछ और बढ़ाया है तथा इसकी कई राज्य सरकारें लव-जिहाद विरोधी कानून ले आई हैं तथा ऐसे कानून की माँग कर्नाटक के दक्षिणपंथी संगठन भी कर रहे है। डी.के. शिव कुमार ने भाजपा की कड़ी आलोचना करते हुये कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री ने लोगों से कहा है कि वे प्रधानमंत्री मोदी, जिन्होंने राम मंदिर बनवाया तथा टीपू सुल्तान को महिमामंडित करने वाले लोगों के बीच चुनाव करें। इस प्रकार, शाह ने अपने मंतव्य के बारे में संदेह की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी। डी.के. शिव कुमार ने सवाल किया कि "क्या राज्य को प्रधानमंत्री मोदी चलायेंगे? उन्होंने लोगों से वादा किया कि राज्य को कांग्रेस के स्थानीय नेता चलायेंगे। उन्होंने साफ तौर पर संकेत दिया कि इस बार के प्रचार में कर्नाटक के गर्व का मुद्दा चर्चा में रह सकता है। कांग्रेस, भाजपा पर उसके इस मंतव्य और योजना को लेकर प्रहार पहले ही कर चुकी है कि गुजरात मिल्क को-ऑपरेटिव "अमूल" स्थानीय ब्रॉन्ड "नन्दिनी" की मदद करेगा। स्थानीय लोगों के मन को यह बात अच्छी नहीं लगी है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर तत्काल झपट्टा मारा था।

हल्द्वानी में 4 हजार घर, मंदिर व मस्जिदें तोड़ी जायेंगी?

नई दिल्ली, 4 जनवरी। उत्तराखंड की नैनीताल हाईकोर्ट ने हल्द्वानी में रेलवे की 29 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जे को गिराने का आदेश दिया है। इस आदेश के बाद करीब 4 हजार से अधिक कच्चे-पक्के मकानों को तोड़ा जाएगा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कोर्ट के आदेश के बाद कड़ाके की ठंड के बीच 50 हजार से ज्यादा लोगों के सिर से छत छिनने का खतरा मंडराने लगा है।

इधर, नैनीताल हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ बुधवार को कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उनकी मांग है कि सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाए और हजारों लोगों को बेघर होने से बचाए। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को मामले पर सुनवाई करेगा। याचिकाकर्ताओं की तरफ से कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद केस की पैरवी करेंगे।दरअसल, हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में रेलवे की 29 एकड़ जमीन है। इस जमीन पर कई साल पहले कुछ लोगों ने कच्चे घर बना लिए थे। धीरे-धीरे यहां पक्के मकान बन गए और धीरे-धीरे बस्तियां बसती चली गईं। नैनीताल हाईकोर्ट ने इन बस्तियों में बसे लोगों को हटाने का आदेश दिया था। रेलवे ने समाचार पत्रों के जरिए नोटिस जारी कर अतिक्रमणकारियों को 1 हफ्ते के अंदर यानी 9 जनवरी तक कब्जा हटाने को कहा।

एकल पट्टा प्रकरण में हाई कोर्ट ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **इस मामले में पूर्व आई.ए.एस., जी.एस. संधु तथा निष्काम दिवाकर और ओंकार मल सैनी आरोपी हैं और ए.सी.बी. कोर्ट ने इन पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की अनुमति नहीं दी, इसलिए तीनों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी।**

मान चुकी है कि, मामले में विवादित भूमि सरकारी नहीं है और मूल पट्टे धारियों ने भी प्रकरण में कोई शिकायत नहीं दी थी। मामले में राज्य सरकार और जेडीए ने भी एसीबी में कोई शिकायत पेश नहीं की थी। ऐसे में यदि अधिकारियों को अभियोजन का अनावश्यक सामना करना पड़े तो इससे अफसरों का मनोबल गिरेगा। इसलिए राज्य सरकार ने एसीबी कोर्ट में मुकदमा वापस लेने के लिए अर्जी लगाई थी, लेकिन एसीबी कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। इसके साथ ही निजी याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत को यह भी बताया गया कि हाईकोर्ट पूर्व में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के खिलाफ एसीबी कोर्ट में चल रही कार्रवाई को रद्द कर चुकी है। वहीं दूसरी ओर मामले के शिकायतकर्ता रामशरण सिंह के अधिवक्ता अनिल चौधरी ने कहा कि वे मुकदमे को आगे नहीं चलाना हैं और उन्हें मामले में कोई आपत्ति भी नहीं है।

मामले के अनुसार एसीबी ने वर्ष 2014 में परिवादी रामशरण सिंह की ओर से गणपति कंस्ट्रक्शन कंपनी को एकल पट्टा जारी करने में धांधली की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। जिसमें कंपनी के प्रोपराइटर शैलेन्द्र गर्ग, यूडीएच के पूर्व सचिव जीएस संधू, जेडीए जोन-10 के तत्कालीन उपायुक्त ओंकार मल सैनी, निष्काम दिवाकर सहित गृह निर्माण सहकारी समिति के पदाधिकारियों अनिल अग्रवाल और विजय मेहता को आरोपी बनाया गया था। इसके बाद एसीबी ने याचिकाकर्ताओं के खिलाफ आरोप पत्र पेश करते हुए धारीवाल, एनएल मीणा को क्लीन चिट देकर तत्कालीन जेडीसी ललित के पंवार व अतिरिक्त आयुक्त वीएम कपूर के पक्ष में एफआर पेश की थी। इसके बाद एसीबी ने याचिकाकर्ताओं के खिलाफ लंबित मुकदमे को वापस लेने की अनुमति मांगी थी, लेकिन एसीबी कोर्ट ने एसीबी के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

'काओ सैस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिंह व अन्य की जनहित याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता दीनदयाल शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने गौवंश के संरक्षण के लिए स्टाम्प ड्यूटी में दस फीसदी काओ सैस (कर) लगाया था।

इस सैस के जरिए वर्ष 2015-16 में 13.16 करोड रुपए, वर्ष 2016-17 में 138.44 करोड़ रुपए, वर्ष 2017-18 में 257.98 करोड़ रुपए, वर्ष 2018-19 में 266.13 करोड़ रुपए, वर्ष 2019-20 में 292 करोड़ रुपए, वर्ष 2020-21 में 345.99 करोड़ रुपए और वर्ष 2021-22 में राज्य सरकार को 418.72 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं।

इसके बावजूद गौ संरक्षण के लिए कोई कार्य नहीं हो रहा है और आए दिन प्रदेशभर में गायों सहित अन्य आवारा पशुओं के कारण दुर्घटनाएं होती हैं। जिनमें न केवल वाहन चालकों की मौत हो जाती है, बल्कि पशु का जीवन भी खत्म हो जाता है। जबकि, पूरे प्रदेश में करीब 16 हजार हेक्टेयर चारागाह भूमि उपलब्ध है।

इसलिए राज्य सरकार इस खाली गोचर जमीन पर फैन्सिंग करे (बाड़ा बनाए) और गायों व अन्य पशुओं के रहवास के लिए व्यवस्था कराए। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

भूंगरा हादसे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की मांग को लेकर सर्व समाज ने धरना दिया था।

इस पर कोर्ट ने प्रसंज्ञान लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं एएजी संदीप शाह को नोटिस देते हुए कहा कि ऐसे मामलों को लेकर सरकार की कोई पॉलिसी या गाइडलाइन है क्या।

कोर्ट ने कहा कि आमतौर पर समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिलती है कि परिजनों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए सरकार पर दबाव बनाया जाता है।

कोर्ट ने फाइनेंस सचिव का शपथ पत्र मांगा है, जिसमें इस तरह कि घटनाएं, जो कि पिछले 5 सालों में घटित हुई हैं। उनमें पीड़ितों के परिजनों को क्या-क्या लाभ दिए गए हैं, उसका विवरण मांगा है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि- ऐसी घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। कोर्ट ने यह भी पूछा कि जिन मामलों में राज्य सरकार की गलती ना हो या लापरवाही ना हो फिर भी मुआवजा देने एवं अनुकंपा नौकरी देने को लेकर क्या प्रावधान हैं।

130 करोड़ लोगों के इस सबसे बड़े लोकतंत्र में प्रैस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हजार डॉलर (रूपए 2.69 करोड़) का उपयोग किया है। अय्यूब ने ऐसी कोई भी कारस्तानी करने से सार्वजनिक रूप से इंकार किया है।

अय्यूब को वर्ष 2002 के गुजरात दंगों पर की गई अपनी खोजी पत्रकारिता के कारण शोहरत मिली। इसके माध्यम से उन्होंने बताया था कि राज्य सरकार की प्रतिक्रिया में रही कथित कमी के कारण एक हजार से अधिक लोगों की जान गई जिसमें ज्यादातर मुस्लिम थे।

वह सरकार के दांव-पेचों के विरूद्ध अपनी आवाज उठाना जारी रखे हुए हैं, यद्यपि वह जानती है कि इसके लिए उनका उत्पीड़न भी किया जा सकता है।

मार्टिनेज़ के साथ बातचीत में अय्यूब ने बताया कि भारत के मेनस्ट्रीम डिजीटल मीडिया के जरिए धमकियां मिलने पर कैसा लगता है और पत्रकार इसका मुकाबला कैसे कर सकते हैं। उनके साक्षात्कार की मुख्य बातें निम्न हैं:

मौत की धमकियों, ऑनलाइन उत्पीड़न और कानूनी चुनौतियों पर:

वर्ष 2018 में एक फर्जी पॉर्न वीडियो क्लिप वाट्सऐप पर अपलोड किया गया था जिसमें चेहरा अय्यूब का था। इस वीडियो से व्यापक चिल्ल-पो मची थी। गत जनवरी माह में अय्यूब को अपने एक ट्वीट पर 26 हजार से अधिक रिस्पाँस मिले। इस ट्वीट में यमन के युद्ध में भूमिका को लेकर सऊदी अरब की आलोचना की गई थी। ट्वीट के अधिकांश रिस्पाँस मौत और बलात्कार की धमकियों को लेकर थे।

उन्होंने कहा "मुझे करीब एक दशक से अधिक समय से परेशान किया जा रहा है, जिसमें एक पॉर्न वीडियो में मेरी शक्ल को छद्म रूप से दिखा कर उसे पूरे देश में प्रसारित करने से लेकर मनी लॉड्रिंग के एक केस में मेरे खिलाफ मामला तक दर्ज करना शामिल है। एक बार भारत आने के बाद मैं इस केस को लड़ूंगी। वर्ष 2009 में मैंने एक लेख लिखा था, उसे लेकर मुझे एक माह पूर्व कोर्ट का सम्मन प्राप्त हुआ और मुझे 28 जनवरी को कोर्ट में पेश होना है। मेरे खिलाफ आरोप ये हैं कि मैं मुस्लिम धर्मावलंबी हूँ और इसीलिए मेरी रिपोर्टिंग पूर्वाग्रह से ग्रसित है। ट्वीट्स और न्यूज़ चैनल्स में मेरी उपस्थिति को लेकर मेरे खिलाफ कई केस हैं।

"जब भी मैं कुछ कहती हूँ तो अक्सर वह एक केस में तब्दील हो जाता है। इसलिए मैं एक अनिश्चित भविष्य की ओर बढ़ रही हूँ। इस वक्त मुझे हर किसी व्यक्ति की चिंता है, खासतौर पर भारत के स्वतंत्र पत्रकारों की जो इस संघर्ष में अपना सब कुछ दांव पर लगा रहे हैं। पत्रकारों को सिर्फ खबर देने की चिंता करनी चाहिए बजाए इसके कि वे स्वयं एक खबर बन जाएं। हम जिस नए भारत में रहते हैं, वहां हम खुद खबर बन गए हैं।"

पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देने से मोदी के इंकार पर:

"मोदी वर्ष 2014 से भारत के प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने आज तक एक भी प्रैस कॉन्फ्रेंस नहीं की है। वे जब भी किसी देश जाते हैं तो वहां भी "जॉइन्ट प्रैस मीट" भी नहीं करते हैं। वे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मीडिया के प्रश्नों को टालते हैं क्योंकि उन्हें मालूम है कि कई प्रश्न पेचीदा होंगे, खासतौर पर अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर, और उनमें भी भारत में रहने वाले 220 करोड़ मुस्लिम अल्पसंख्यकों पर हमलों के बारे में।

ऑन लाइन दुष्प्रचार के प्रभाव को लेकर:

"हमारे पास ऐसे न्यूज़ एंकर हैं जो सरकार की प्रशस्ति गाते हैं और पत्रकारों तथा सरकार के आलोचकों को रोजाना बुरा साबित करते हैं। भारत के लोग इसका आनंद उठा रहे हैं, लेकिन उनमें से कुछ को इसे लेकर शिकायत भी है क्योंकि दुष्प्रचार की संस्कृति आ गई है। यहां वॉट्सऐप, फेसबुक और इंस्ट्राग्राम है जहां फर्जी खबरों का चलन बन गया है और हममें से कुछ को बुरा साबित किया जा रहा है। भारत के न्यूज चैनल्स घ्रणा फैलाने वालों के प्लेटफॉर्म्स बनते जा रहे हैं। ये ऐसे प्लेटफॉर्म्स बन गए हैं कि जब पूरे भारत में घ्रणा फैलायी जा रही होती है तब ये उसकी अनदेखी करते हैं। भारत में सत्तारूढ़ पार्टी के एक सांसद ने कल ही कहा था कि अल्पसंख्यकों की दादागिरी खत्म करने के लिए भारतीयों को अपने घरों में हथियार रखने चाहिए। भारत की आबादी ज्यादातर कुछ ऐसा ग्रहण कर रही है जो अत्यंत विषैला है।"

मुख्यधारा के मीडिया के विकल्पों पर:

"न्यूज चैनल्स के मालिक बड़े बिज़नैस घराने हैं जो सरकार के विचारों को समायोजित करने के हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

इसलिए अपने और अपने प्लेटफॉर्म्स का संरक्षण करने की खातिर पत्रकारिता के प्लेटफॉर्म्स को सरकार का मुखपत्र बनना पड़ रहा है। भारत के अधिकांश समाचार पत्र सरकारी विज्ञापनों एवं प्राप्तियों पर निर्भर हैं।"

"अब एलन मस्क और ट्विटर पर सैन्सरशिप लागू होने से भारतीय पत्रकारों की ऐसी स्थिति बन गई है जहां एक तरफ तो पत्रकारों को सैंसर करने वाले मीडिया मुगल है जो स्वयं इन प्रकाशनों के मालिक हैं और दूसरी तरफ चौकीदार हैं जो सरकार का संरक्षण करने के लिए पत्रकारों को सैंसर कर रहे हैं। और दूसरी तरफ जो उपलब्ध प्लेटफॉर्म्स हैं वे भी उनसे छीने जा रहे हैं।

ओ.बी.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें उच्च न्यायालय के इस आदेश का विरोध किया गया था कि शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव ओ.बी.सी. को आरक्षण दिये बिना करा लिये जायें।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908